



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रतिपक्ष के अधिकार  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 41]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 11, 1997/अश्विन 19, 1919

No. 41]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 11, 1997/ASVINA 19, 1919

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Faging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India  
(Other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय  
(पुनर्वास प्रभाग)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
(Rehabilitation Division)

नई दिल्ली, 17 मितम्बर, 1997

New Delhi, the 17th September, 1997

का.आ. 2540.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर एवं पुनर्वास)  
अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की  
उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,  
केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र,  
दिल्ली सरकार के भूमि एवं भवन विभाग, निष्क्रान्त  
सम्पत्ति सैज में सहायक बन्दोबस्त अधिकारी श्री प्यारेलाल  
को अपने स्वयं के दायित्वों के अतिरिक्त क्षतिपूर्ति पूल  
के भाग के रूप में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में  
स्थित अधिग्रहीत निष्क्रान्त शहरी एवं ग्रामीण सम्पत्तियों  
तथा भूमियों के प्रबन्ध और निपटान के संबंध में  
उक्त अधिनियम के द्वारा प्रयुक्त उसके अधीन, एक  
प्रबन्ध अधिकारी को सीपे गए भागों के निष्पादन के  
उद्देश्य से प्रबन्ध अधिकारी के रूप में नियुक्त करती  
है।

S.O. 2540.—In exercise of the powers conferred by Sub-  
Section (I) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensa-  
tion and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central  
Government hereby appoints Shri Pyare Lal, Assistant Settle-  
ment Officer in the Land and Building Department, Evacuee  
Property Cell, Government of the National Capital Territory  
of Delhi as Managing Officer in addition to his own duties,  
for the purpose of performing the functions assigned to a  
Managing Officer by or under the said Act, in respect of  
management and disposal of acquired evacuee urban and  
rural properties and lands situated in the National Capital  
Territory of Delhi forming apart of the Compensation Pool.

[सं. 1(3)/97-बन्दोबस्त(क)]  
सुरजीत सिंह, अवर सचिव

[No. 1(3)/97-Settlement (A)]  
SURJIT SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1997

का.आ. .--2541 निष्कांत सम्पत्ति प्रवन्ध अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली के भूमि एवं भवन विभाग, निष्कांत सम्पत्ति सेल, में सहायक बन्दोबस्त अधिकारी, श्री प्यारेमाल को, अपने स्वयं के दायित्वों के अतिरिक्त, उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा उसके अधीन सहायक अभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य से, तत्काल प्रभाव से निष्कांत सम्पत्ति के सहायक अभिरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 1(3)/97-बंदोबस्त (ख)]  
सुरजीत सिंह, अवसर सचिव

New Delhi, the 17th September, 1997

S.O. 2541.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints Shri Pyare Lal, Assistant Settlement Officer in the Land and Building Department, Evacuee Property Cell, Government of National Capital Territory of Delhi as Assistant Custodian of Evacuee Property, in addition to his own duties for the purpose of performing the functions assigned to such Assistant Custodian by or under the said Act, with immediate effect.

[No. 1(3)/97-Settlement (B)]  
SURJIT SINGH, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1996

(आयकर)

का.आ. 2542.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "सर्व सेवा संघ, सेवाग्राम, महाराष्ट्र" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-1997 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्

- (i) कर-निर्धारित इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारित उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (वेधर-जवाहिरान, तर्गिअर आदि के रूप में प्राप्त

तथा रख-रखाव में स्वैच्छक अंशदान से) भिन्न का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो, जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारितियों के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रारम्भिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10216/पा. सं. 197/138/96-आयकर  
निं-I]  
एच. के. चौधरी, अवसर सचिव

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)

New Delhi, the 25th October, 1996

(INCOME TAX)

S.O. 2542.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sarva Seva Sangh, Sevagram, Maharashtra" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No. 10216/F. No. 197/136/96-IT-A-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1996

(आयकर)

का.आ. 2543.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल फॉर ह्यूमनाइटस, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारित इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारित उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान

धारा (11) की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढों। अथवा तरावों में भिन्न तराकों से इसकी निधि (खेवर-जवाहरात पर्वोत्तर आदि क हू में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीचिक अशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि, ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसी कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10219/पा० सं० 197/135/96-आ०का० नि०-1]

एच०के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 5th November, 1996  
(INCOME TAX)

S.O. 2543.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Export Promotion Council for Handicrafts, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10219/F. No. 197/135/96-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1996

(आयकर)

का०आ० 2544.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "द महाराष्ट्र स्टेटकाउंसिल फॉर चार्टर्ड वेल्फेयर मुम्बई" को कर-निधारण वर्ष 1989-90 के लिए निम्न-लिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

- (i) कर-निधारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है,

(ii) कर-निधारिता उपर उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से सगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक उंग अथवा तरावों में भिन्न तरावों से इसकी निधि (खेवर-जवाहरात, पर्वोत्तर आदि) के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीचिक अशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा, अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसी कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10225/पा० सं० 197/38/96-आयकर वि० 1]

एच०के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 11th November, 1996

(INCOME TAX)

S.O. 2544.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Maharashtra State Council for Child Welfare, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10225/F. No. 197/38/96-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1996

(आयकर)

का०आ० 2545.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "द महाराष्ट्र स्टेट काउंसिल फॉर चार्टर्ड वेल्फेयर, मुम्बई" को कर-निधारण वर्ष 1990-91 से 1992

93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करना है, अर्थात्:—

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1996

(आयकर)

(i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इनका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वार-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10226/फा०सं० 197/38/96-आ.क.नि.-1]

एच०के० चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 15th November, 1996

(INCOME TAX)

S.O. 2545.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Maharashtra State Council for Child Welfare, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10226/F. No. 197/38/96-ITA-1]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

को०आ० 2546.—अधिसूचना अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा "दि महाराष्ट्र स्टेट काउंसिल फॉर चिल्ड्रन वेल्फेयर, मुम्बई" को कर निर्धारण वर्ष 1993-94 में 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करता है, अर्थात्:—

(i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसका स्थापना की गई है;

(ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 का उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वार-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) कर निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10227/फा०सं० 197/38/96-आ.क.नि.-1]

एच०के० चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 15th November, 1996

(INCOME TAX)

S.O. 2546.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Maharashtra State Council for Child Welfare, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely:—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;



- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10227/F. No. 197/38/96-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1996

(आयकर)

का० आ० 2547. — आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "साईट मेवर्स-रॉय कागनवैल्थ सोसाइटी फॉर दि ब्लाईण्ड, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् —

- (i) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिता ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैव-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में सर्वेच्छित अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग में लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10239/फा० सं० 197/156/95-आ.क.नि. I]

एच० के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 5th December, 1996

(INCOME TAX)

S.O. 2547.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sight Savers—Royal Commonwealth Society for the Blind, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10239/F. No. 197/156/95-ITA-II]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1996

(आयकर)

का० आ० 2548. — आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग), के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दि एसोसिएशन ऑफ वि फिजीकली हैंडिकैप्ड, बंगलोर" को कर-निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1999-2000 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिता ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैव

जवाहिरात, फर्नीचर आदि में रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों को प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधि० सं० 10240/फा०सं० 197/142/96—आ.क.नि. I]

एच०के० चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 5th December, 1996

(INCOME TAX)

S.O. 2548.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Association of the Physically Handicapped, Bangalore" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are main than in any one or more of the forms or

[Notification No. 10240/F. No. 197/142/96-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1996

(आयकर)

का०अ० 2549 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "रामाकृष्ण शारदा मिशन दक्षिणेश्वर, कलकत्ता" को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अवधि से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वेच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा सही करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों को प्राप्त के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधि०सं० 10241/फा०सं० 197/70/96—आ.क.नि.-I]

एच०के० चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 5th December, 1996.

(INCOME TAX)

S.O. 2549.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Ramakrishna Sarada Mission, Dakshioeswar, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to

the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10241/F. No. 197/70/96-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1997

(आयकर)

का०आ० 2550 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "नेशनल ह्यूमन राइट्स कमिशन, नई दिल्ली को कर निर्धारण वर्ष 1994-95 से 1996-97 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उप-खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संवयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ, तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधि० सं० 10255/का०सं० 197/84/95-आयकर वि.-I]

एच०के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd January, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2550.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "National Human Rights Commission, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1994-95 to 1996-97 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10255/F. No. 197/84/95-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1997

(आयकर)

का०आ० 2551 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "बी भारत स्काउट्स और गाईड्स, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संवयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों

[अधिसूचना सं० 10256/का०सं० 197/137/96-आयकर वि. I]

एच०के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd January, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2551.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby

notifies "The Bharat Scouts and Guides, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10256/F. No. 197/137/96-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1997

(आयकर)

का० आ० 2552 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "गुरुदेव सिद्ध पीठ, गणेशपुरी, महाराष्ट्र" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारित इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारित उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिवाह के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारित के उद्देश्यों के लिए प्राथमिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अन्याय से वैधानुस्तरण नहीं रखी जाती हो ।

[अधिसूचना सं० 10257/फा० सं० 197/133/96-आयकर नि-1]  
एच०के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd January, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2552.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Gurudev Siddha Peeth, Ganeshpuri, Maharashtra" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10257/F. No. 197/133/96-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1997

( आयकर )

का. आ. 2553 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री गजानन महाराज संस्थान, शीगोन" को कर-निर्धारण वर्ष 1991-92 से 1993-94 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारित इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारित उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि ( जवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न ) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिवाह के रूप में हो जब तक कि

ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10261/फा. सं. 197/125/94-आयकर नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 16th January, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2553.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Gajanan Maharaj Sansthan, SHEGAON" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1991-92 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10261/F. No. 197/125/94-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1997

( आयकर )

का. आ. 2554 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक तंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी

निधि ( जेवर-अवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10273/फा. सं. 197/2/97-आ.क.नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th February, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2554.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian National Trust for Art and Cultural Heritage, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10273/F. No. 197/2/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1997

( आयकर )

का. आ. 2555 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री रामचन्द्र मिशन, शाह-जहांपुर (उत्तर प्रदेश)" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने हेतु इसका

संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार में प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10276/फा. सं. 197/6/97—आ. क. नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 14th February, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2555.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Ramachandra Mission, Shahjahanpur, (U.P.)" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10276/F. No. 197/6/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1997

( आयकर )

का. आ. 2556 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग)

के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन.द्वारा "राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउन्डेशन, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1994-95 से 1996-97 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10285/फा. सं. 197/24/95—आयकर नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 11th March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2556.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Raja Rammohan Roy Library Foundation, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1994-95 to 1996-97 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 and ;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10285/F. No. 197/24/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1997

#### आयकर

का. आ. 2557.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “इंडिया इन्टरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1999-2000 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त-कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ।

[अधिसूचना सं. 10288/का. सं. 197/131/96-आयकर  
नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2557.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “India International Centre, New Delhi” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years

1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10288/F. No. 197/131/96-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1997

#### आयकर

का. आ. 2558.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “सेंटर फॉर एडवांस स्टेटिजिक स्टडीज ( सी. ए. एस. एस. ), पुणे” को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (2) कर-निर्धारिती उपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी (निधि ज्वर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त-कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों

[अधिसूचना सं. 10289/का. सं. 197/10/97-आयकर  
नि.-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 1997

## (INCOME TAX)

S.O. 2558.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Centre for Advanced Strategic Studies (CASS), Pune" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10289/F. No. 197/10/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1997

(आयकर)

का. आ. 2559.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "महाराष्ट्र स्टेट यूमेंस काउंसिल, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों

की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10290 (फा. सं. 197/8/97-आयकर नि.-I)]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 13th March, 1997

## (INCOME TAX)

S.O. 2559.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Maharashtra State Women's Council, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10290/F. No. 197/8/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1997

(आयकर)

का. आ. 2560.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "फिरोजशा गोदरेज फाउण्डेशन, मुम्बई" को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप



में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों ;

[अधिसूचना सं. 10291/फा. सं. 197/18/97-  
आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 17th March, 1997  
(INCOME TAX)

S.O. 2560.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Pirojsha Godrej Foundation, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-1999 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10291/F. No. 197/18/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1997

(आयकर)

का. आ. 2561.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "बोम्बे ह्यूमनिटेरियन लीग, मुम्बई" को कर निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संव्यय पूर्णतया तथा अनन्यतया उक्त

उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;

- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वृंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेषर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10306 / फा. सं. 197/151/94-  
आयकर नि.-I]

एच. क. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 20th March, 1997  
(INCOME TAX)

S.O. 2561.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bombay Humanitarian League, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10306/F. No. 197/151/94-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1997

(आयकर)

का. आ. 2562.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "कस्तूरबा गांधी नेशनल

मैमोरियल ट्रस्ट, इन्दौर (म.प्र.) को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1997

( आयकर )

का. आ. 2563.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “मेडिकल रिसर्च फाउण्डेशन, चेन्नई” को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10307/फा. सं. 197/12/97-

आयकर नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 20th March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2562.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Kasturba Gandhi National Memorial Trust, Indore, (M.P.)” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-clause (5) of Section 11);
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10307/F. No. 197/12/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10308/फा. सं. 197/15/97-आयकर

नि.-I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 20th March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2563.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Medical Research Foundation, Chennai” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant

to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No. 10308/F. No. 197/15/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1997

( आयकर )

का. आ. 2564.—आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “ बि. सी. पी. रामास्वामी अय्यर फाउंडेशन, चेन्नई ” को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि ( जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न ) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा
- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10309/फा. सं. 197/23/94-प्र. क. नि.—I]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 20th March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2564.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby

notifies “The C. P. Ramaswami Aiyar Foundation, Chennai” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No. 10309/F. No. 197/23/94-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1997

( आयकर )

का.आ. 2565.—आयकर अधिनियम 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “सर्वेन्ट्स ऑफ इण्डिया सोसाइटी, पुणे” को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों के से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10310/फा.सं. 197/16/97-आ.क.नि.—I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 20th March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2565.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Servants of India Society, Pune" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No. 10310/F. No. 197/16/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1997

(आयकर)

कां.आं. 2566.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, "स्वामी शुकदेवानन्द न्यास, ऋषिकेश" को कर-निर्धारण वर्ष 1989-90 से 1991-92 तक के लिए निम्न-लिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अशुभलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की

प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10311/कां.सं० 197/153/95-आं.कं.निं-1]  
एच० के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 20th March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2566.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Swami Shukdevanand Trust, Rishikesh" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1989-90 to 1991-92 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No. 10311/F. No. 197/153/95-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1997

(आयकर)

कां.आं. 2567.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "स्वामी शुकदेवानन्द न्यास, ऋषिकेश" को कर-निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1993-94 तक के लिए निम्न-लिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की धारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलेख के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं 10312/फा० सं० 197/153/95-आ० क० नि-1]  
ए०के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 20th March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2567.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Swami Shukdevanand Trust, Rishikesh" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1993-94 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10312/F. No. 197/153/95-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1997

(आयकर)

का०आ० 2568 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दिल्ली काउंसिल फार चाइल्ड वेलफेयर, दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों में भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जैव-जःहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छक अंशदान

में भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलेख के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10331/फा० सं० 197/11/97-आयकर नि०-1]  
ए०के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 31st March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2568.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Delhi Council for Child Welfare, Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10331/F. No. 197/11/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1997

(आयकर)

का०आ० 2569 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "रामकृष्ण सत्यानन्द आश्रम, जीरकपुर बेस्ट बंगाल" को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जवर-जवाहिरात, फर्नीचर, आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों के प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं० 10332/फा० सं० 197/25/97-आयकर नि०-1]  
एच० के० चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 31st March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2569.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sree Ramkrishna Satyananda Ashram, Jirakpur, West Bengal" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No. 10332/F. No. 197/25/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1997

(आयकर)

का.आ. 2570.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "सर रतन टाटा ट्रस्ट, मुम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों

के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जवर जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचा सं. 10334/फा.सं. 197/  
28/97-आयकर नि. - 1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 31st March, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2570.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sir Ratan Tata Trust, Mumbai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for accounts are maintained in respect of such business, for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10334/F. No. 197/28/97-ITA-I]  
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1997

(आयकर)

का.आ. 2571.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “इन्दिरा गांधी नेशनल सेन्टर फार आर्ट्स, नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1998-99 से 2000-2001 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकायें नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10337/फा.सं. 197/39/97—  
आयकर नि.—I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 9th April, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2571.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Indira Gandhi National Centre for Arts, New Delhi for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise

than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business

[Notification No. 10337/F. No. 197/39/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1997

(आयकर)

का.आ. 2572.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “साध सम्प्रदाय समरक्षणी सभा, चेन्नई” को कर-निर्धारण वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात्:—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वीच्छक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकायें नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10338/फा.सं. 197/20/97—  
आयकर नि.—I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2572.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sath Sampradaya Samrakshani Sabha, Chennai” for

the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10338/F. No. 197/20/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1997

(आयकर)

का.आ. 2573.--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "ज्ञान प्रवर्धनी सम्शोधन संस्थान, पुणे" को कर निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1999-2000 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिता उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक रंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, पसींचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा, अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10339/पा.

सं. 197/29/97-आयकर नि.-I]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2573.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jnana Prabodhini Samshodhan Sanstha, Pune" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-1998 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will not invest or deposit its funds application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10339/F. No. 197/29/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1997

(आयकर)

का.आ. 2574.--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री अरविन्दो सोसायटी, बलकत्ता" को कर निर्धारण वर्ष 1998-99 से 2000-2001 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिता उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक रंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, पसींचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभों के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे



कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हैं।

[अधिसूचना सं. 10340/फा.सं.]

197/44/97-आ.क. नि.-1]

ए.च.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2574.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Aurobindo Society, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10340/F. No. 197/44/97-ITA-II]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1997

(आयकर)

का.आ. 2575.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "दक्षिणेश्वर रामकृष्ण संघ आश्रम, दक्षिणेश्वर, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1998-99 से 2000-2001 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिता उपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक वंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, पर्तिसर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलान के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिता के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये पारंपरिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हैं।

[अधिसूचना सं. 10341/फा.सं.]

197/38/97-आयकर नि.-I]

ए.च.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2575.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Dakshineswar Ramkrishna Sangha Adyapeeth, Dakshineswar, Calcutta" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10341/F. No. 197/38/97-ITA-II]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1997

(आयकर)

का.आ. 2576.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "कृष्णामूर्ति फाउंडेशन इंडिया, चेन्नई" इंडिया को कर निर्धारण वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिता इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिता उपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में

विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों में इसकी निधि (जवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10342/फा.सं. 197/35/97-आयकर नि.-I.]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2576.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Krishnamurti Foundation India, Chennai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1996-97 to 1998-99 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10342/F. No. 197/35/97-ITA-1]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1997

(आयकर)

का.आ. 2577—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "ज्ञान प्रबोधिनी (जेपी), पुणे" को कर निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1999-2000 तक के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिये इसका

संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिये करेगा, जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है।

- (2) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा ;

- (3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रासंगिक नहीं हो तथा तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएँ नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 10343/फा.सं. 197/31/97-आ.क.नि.-I.]

एच.के. चौधरी, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2577.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iv) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jnana Prabodhini (JP), Pune" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1997-98 to 1999-2000 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established ;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 10343/F. No. 197/31/97-ITA-1]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 अप्रैल 1997

(आयकर)

का.आ. 2578—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80-छ की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए

केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री सुन्दरवरदाराजा पेरुमल टेम्पल" उत्तरामाळूर, जिला चेंगलपुट, तमिलनाडु को उक्त धारा के प्रयोजनार्थ पूरे तमिलनाडु राज्य में एक प्रसिद्ध सार्वजनिक पूजा स्थल के रूप में विनिर्दिष्ट करती है।

यह अधिसूचना श्री सुन्दरवरदाराजा पेरुमल टेम्पल के 6860,100/- रु० (अड़सठ लाख साठ हजार एक सौ रुपये मात्र) तक के मरम्मत/पुनरुद्धार कार्य के लिए ही वैध ही होगी।

[अधिसूचना सं. 10431/फा.सं. 176/31/97-आयकर नि.-I]

एच.के. चौधरी, अवसर सचिव

New Delhi, the 3rd October, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2578.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specified "Sri Sundaravaradaraja Perumal Temple", Uttaramerur, Chengalpoot District, Tamil Nadu to be a place of public worship of reknown throughout the State of Tamil Nadu for the purpose of the said Section.

This notification will be valid only for the repair/renovation work of Sri Sundaravaradaraja Perumal Temple to the extent of Rs. 68,60,100 (Rupees sixty eight lakhs sixty thousand one hundred only).

[Notification No. 10431/F. No. 176/31/97-ITA-I]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

आयकर महानिदेशक (छूट) का कार्यालय

कलकत्ता, 15 जुलाई, 1997

(आयकर)

फा.आ. 2579.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च

किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाल को भी प्रस्तुत करेगा।

(iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान क्रिया कलाप के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम: मेठ मादी लाल साराभाई मेडिकल रिसर्च फाउण्डेशन, ट्रस्ट भी. एस. हॉस्पिटल एसीमड्रीज, अहमदाबाद-380006

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जमा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उक्त आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देना।

[सं. 1726/एफ.सं. म. नि./आ. क. (छूट)/जी-60/35(I)ii]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF INCOME-TAX (EXEMPTION)

Calcutta, the 15th July, 1997

(INCOME-TAX)

S.O. 2579.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

(i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;

(iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.

- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Seth Vadilal Sarabhai Medical Research  
Foundation Trust, V. S. Hospital Ellisbridge,  
Ahmedabad-380006.

This Notification is effective for the period from 1-4-96 to 31-3-99.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1726/F. No. DG/IT(E)/G-60/35(1)(ii)]

MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax

कलकत्ता, 21 जुलाई, 1997

#### आयकर

का.आ. 2580.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संघर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

(iv) जनसाधारण में रिसर्च का प्रचार का संक्षय आखबारों, पत्रिकाओं आदि, विशेषकर स्कूलों एवं कॉलेजों के विद्यार्थियों के माध्यम द्वारा किया जाएगा।

(v) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान क्रियाकलाप के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम: सेन्टर फॉर स्टडी ऑफ़ मैन एण्ड इनवैरो-मेंट, सी.के.-II, साइट लेक, कलकत्ता-700091

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संघर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को देगा।

[सं.: 1727/ए.क.सं. म.नि./आ.क. (छूट) डइयू वी.-26/कल./35(1)-ii]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 21st July, 1997

#### INCOME-TAX

S.O. 2580.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

(i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;

(iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.

(iv) The public dissemination of Research shall be evidenced through newspapers, journals etc. to the reading public particularly students in schools and colleges.

- (v) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

#### NAME OF ORGANISATION

Centre for Study of Man and Environment,  
CK II, Salt Lake, Calcutta-700091.

This Notification is effective for the period from 1-4-96 to 31-3-99.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1727/F. No. DG/IT(E)/WB-26/Cal/35(1)(ii)]  
MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 21 जुलाई, 1997

आयकर

का.आ. 2581.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संघटन का आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 8 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, अलग लेखा बहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, ए. मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आदेश/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमन किया गया संश्लिष्ट छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

(iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान क्रियाकलाप के बारे में प्रतिबन्ध निष्कर्ष निकाला जाएगा।

2419 GI/97—4

संगठन का नाम : बड़ोदा सिटीजन कोसिल अथवा हैल्थ म्यूजियम, सायजी बाग, बड़ोदा-390018।

यह अधिसूचना दिनांक 1-7-97 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1 उपर्युक्त शर्त (I) "बंध" इसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आदेश/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है : उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की लिखि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देगा।

[सं. 1728-ए.ए.स.म.नि/आ.क.(छूट)/बी-37/कल/35(i)  
(ii)]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 21st July, 1997

#### INCOME-TAX

S.O. 2581.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

(i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;

(iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.

(iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Baroda Citizens Council,  
Above Health Museum, Sayaji Baug,  
Baroda-390018.

This Notification is effective for the period from 1-7-97 to 31-3-98.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1728/F. No. DG/ITE/G-37/Cal/35(1)(ii)]  
MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 30 जुलाई, 1997

आयकर

का आ. 2582.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के दर्जन के अधीन अनुमोदित किया गया है :

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग ब्रेका बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक निम्नलिखित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके अवाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिसर्च क्रिया कलाप संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षण आय-व्यय हिमांक को भी प्रस्तुत करेगा।

(iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान त्रियाकलाप के बारे में प्रतिबुद्ध निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम : बीन दयाल रिसर्च इंस्टीट्यूट, 7-ई, स्वामी रामतीर्थ नगर, रानी झंसी मार्ग, नई दिल्ली-110055

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-97 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (i) "सर्व" जैसा संदर्भ के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वह अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके अवाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवदन कर, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवदन-पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है : उस आवदन पत्र पर प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीवा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देना।

[सं. 1729/एफ. नं. स.नि./आ.क (छूट)/एन.टी.123/35  
(1)/ii)]

मकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 30th July, 1997

INCOME-TAX

S.O. 2582.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

(i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;

(iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.

(iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

NAME OF THE ORGANISATION

Deen Daval Research Institute.  
7F. Swami Ramtirth Nagar,  
Rani Jhansi Marg, New Delhi-110055.

This Notification is effective for the period from 1-4-97 to 31-3-2000.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension

of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1729/F. No. DG/IT(E)/ND-123/35(1)(ii)]  
MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 31 जुलाई, 1997

आयकर

का०आ० 2583.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदन किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रायोगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च क्रियाकलाप संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान क्रिया-कलाप के बारे में प्रांतिकूल निसर्कय निकाला जाएगा।

संगठन का नाम:

फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-380009।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुसाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर

आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है क साधारण से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदनपत्र की विभाज को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रतियों अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि को सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देगा।

[संख्या: 1730 /एफ.स.म.नि./आ.क. (छूट)/जी.27/कल./35(1)ii]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 31st July, 1997

#### INCOME-TAX

S.O. 2583.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Physical Research Laboratory,  
Navrangpura,  
Ahmedabad-380009.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner

of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1730/F. No. DG/IT(E)/G-27/Cal/35(1)(ii)]  
MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 31 जुलाई, 1997

आयकर

कांआ० 2554.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (1) या (2) या (3) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान श्रिया कलाप के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम: फिजीकल रिसर्च लैबोरेटरी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-380009।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-97 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूत्राव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है से माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रतियों अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए, मीठा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देगा।

[संख्या: 1731 एफ.स.म.न./आ.क. (छूट)/जी. 27/कल/35(1)(2)]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 31st July, 1997

#### INCOME-TAX

S.O. 2584.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

#### NAME OF THE ORGANISATION

Physical Research Laboratory,  
Navrangpura,  
Ahmedabad-380009

This Notification is effective for the period from 1-4-97 to 31-3-2000.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.



- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1731/E. No. DG/IT(E)/G-27/Cal/35(1)(ii)]  
MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 31 जुलाई, 1997

### आयकर

का.सं. 2585.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "सघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षा आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (1) या (2) या (3) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान क्रियाकलाप के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम: गुजरात मेथोडिस्ट चर्च कार्डिओथोरासीक एण्ड वास्कुलर रिसर्च सोसाइटी, मिशन रोड, नडीयाड-387001।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "सघ" जमा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचित किया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), वायकना को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए संधी सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देगा।

[संख्या: 1732/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/जा.-53/35(1)  
(2)]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 31st July, 1997

### INCOME-TAX

S.O. 2585.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

### NAME OF THE ORGANISATION

Gujarat Methodist Church Cardiothoracic and Vascular Research Society,  
Mission Road, Nadiad-387001.

This Notification is effective for the period from 1-4-96 to 31-3-98.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1732/F. No. DG/IT(E)/G-53/35(1)(ii)]

MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 31 जुलाई, 1997

आयकर

का.अ.० 2586 :—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अंतर्गत विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग सेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान क्रिया कलाप के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम : गुजरात इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च, गोटा-चार रास्ता, गोटा-382481, अहमदाबाद।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभागीय प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पान भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देगा।

[संख्या : 1733/एफ.सं.म.नि.०./आ.क. (छूट)/जी.-16/कल/ 35(1)(ii)]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 31st July, 1997

#### INCOME-TAX

S.O. 2586.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

#### NAME OF ORGANISATION

Gujarat Institute of Development Research,  
Gota Char Rasta, Gota-382481, Ahmedabad.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval of the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1733/F. No. DG/IT(E)/G-16/Cal/35(1)(ii)]  
MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 31 जुलाई, 1997

आयकर

का०आ० 2587.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के स्वरूप में अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग-अलग वस्तुएं रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिचें किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष गेज नहीं होता है तो जारी अनुसंधान क्रिया कथन के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम: सोलर एनर्जी सोसाइटी ऑफ इंडिया, दरबारी सेठ ब्लॉक, हबीटेड प्लेस, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003।

यह अधिसूचना दिनांक 21-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "भंड" जैसा स्वर्ण के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को मुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उन आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सौधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देना।

[संख्या: 1734/एफ.स.म.नि./आ.क. (छूट)/एन.डी.-139/35(1)(ii)]

(मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट))

Calcutta, the 31st July, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2587.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May, of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

Name of the Organisation—Solar Energy Society of India, Darbari Seth Block, Habitat Place, Lodhi Road, New Delhi-110003.

This Notification is effective for the period from 21-4-95 to 31-3-97.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1734/F. No. DG/IT(E)/ND-139/35(1)(ii)]  
MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 6 अगस्त, 1997

#### आयकर

का०आ०. 2588.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग; और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च क्रिया-कलाप संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अथवा आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान क्रिया-कलाप के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम: भारती समासकर्ता विद्या निकेतानाम, 12, शंकर कुंज, नीयर हिमालय हौजिंग सोसाइटी, अमल्पा गोविन्द नगर, घाटकोपर, मुम्बई-400084।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-97 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के नाम भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अथवा आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को देगा।

[संख्या: 1735 (एफ.म.म.न./आ.क. (छूट)/एम.163/35(1) ii]

मुकुंज कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट

Calcutta, the 6th August, 1997

#### (INCOME TAX)

S.O. 2588.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961;
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

Name of the Organisation.—Bharati Samaskarta Vidya Niketanam 12, Shankar Kunj, Near Himalaya Housing Society, Angli's Govind Nagar, Ghatkopar, Mumbai 400084.

This Notification is effective for the period from 1-4-97 to 31-3-98.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions)

having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

(No. 1735/F. No. DG/ITE)/M-163/35(1)(ii)  
MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax  
(Exemptions)

कलकत्ता, 8 अगस्त, 1997

आयकर

का.अ. 2589—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति
- (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक, (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च क्रिया-कलाप संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान क्रिया-कलाप के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा ।

संगठन का नाम

नगरजुना एग्रीकलचरल रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट  
(एन० ए० आर० डी० आई०),  
28, पी० एण्ड टी० कालोनी,  
सिकन्दरबाद-500009

यह अधिसूचना दिनांक 2-7-96 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है । उस आवेदन पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देना ।

[संख्या : 1736 (एफ०सं०ब०नि०/आ०क० (छूट)/ए०पी०-  
29/35(1) (ii)]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 8th August, 1997  
(INCOME TAX)

S.O. 2589.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

Name of the Organisation.—Nagarjuna Agricultural Research and Development Institute (NARDI), 28, P&T Colony, Secunderabad-500009.

This Notification is effective for the period from 2-7-96 to 31-3-98.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department

of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1736/F. No. DG/IT(E)/AP-29/35(1)(ii)]

MNKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

आयकर

कलकत्ता, 18 अगस्त, 1997

का.प्र.सं. 2590.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (i) में दी गई रिसर्च क्रिया-कलाप संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान क्रिया-कलाप के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम

सोमल पोलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट,  
5-डी०, झालाना इंस्टीट्यूटनल एरिया,  
जयपुर-302004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रवर्धनी है।

टिप्पणी : 1. आयुक्त जन (i) "संवर्ग" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देगा।  
मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

[सं. 1737 एफ. सं.मि./आ.क.(छूट)/अर.-2/कल/35(1)(ii)]

Calcutta, the 18th August, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2590.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax, Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

Name of the Organisation.—Social Policy Research Institute 5-D, Jhalana Institutional Area, Jaipur-302004.

This Notification is effective for the period from 1-4-96 to 31-3-99.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax/ (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1737/F. No. DG/IT(E)/AP-29/35(1)(ii)]

MNKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 18 अगस्त, 1997

## आयकर

का.अं. 2591—संस्थाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निर्माणांकित गतों पर "संस्थान" के संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनिवार्य लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन", न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिमर्च क्रिया-कलाप संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (vi) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान प्रिया कलाप के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा।

## संगठन का नाम

दि होमोपैथिक एडुकेशन सोसाइटी,  
नाटककार राम गणेश गधकारी मार्ग,  
इरला, विले पार्ले (वर्ल्ड),  
मुम्बई-400056

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-97 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयरक

महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तान प्रतिभा में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है। उक्त आवेदन पत्र का छ. प्रतियां अनुमोदन का अवधि बढ़ाने के लिए सोधा मावव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने का ताव का सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देना।

[संख्या : 1738 एफ.सं.मार्ग.अं. (छूट)/एम.-199/35 (1) (ii)]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 18th August, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2591.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961.
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

Name of the Organisation :—

The Homoeopathic Education Society, Natakhar Ram Ganesh Gadkari Marg, Irla, Vile Parle (W), Mumbai-400056.

This Notification is effective for the period from 1-4-97 to 31-3-98.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of

Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1738/F. No. DG/IT(E)/M-199/35(1)(ii)]  
MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 19 अगस्त, 1997

आयकर

का०आ० 2592.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहीयां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महारोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।
- (iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान क्रिया-कलाप के बारे में प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाएगा।

संगठन का नाम

मद्रास स्कूल ऑफ़ एकोनॉमिक्स,  
(बिल्डाइन्ड गर्बनमेंट डाटा सेन्टर),  
गांधी मन्दापम रोड,  
चेन्नई-600025

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनु-मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है वे संवर्ग में आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन-पत्र की छः प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा संबंध, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजी जाएं और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को देगा।

[संख्या 1739 (एफ०सं०मॉन०/आ०क० (छूट)/टी० एन० 56/कल०/35 (1) (ii)]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 19th August, 1997

(INCOME TAX)

S.O. 2592.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961;
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

Name of the Organisation.—Madras School of Economics, (Behind Government Data Centre), Gandhi Mandapam Road, Chennai-600025.

This Notification is effective for the period from 1-4-96 to 31-3-99.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies



of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1739/F. No. DG/IT(E), TN-56/CAL/35(1)(ii)]

MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 19 अगस्त, 1997

### आयकर

का.आ. 2593.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के तहत आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संगठन" के स्तर के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग ज़ेन्हा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेमुरावा रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

(iv) यदि (i) या (ii) या (iii) निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट) के समक्ष पेश नहीं होता है तो जारी अनुसंधान प्रियाकलाप के बारे में प्रतिबल निष्कर्ष निकाला जायेगा।

संगठन का नाम : इंडियन कॉपर डेवलपमेंट सेंटर 27-बी., कमक स्ट्रीट, कलकत्ता-700016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-97 से 31-3-2000 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघ के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट)

कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करें अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र में विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन-पत्र की प्रतियां अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये सीधी सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजनी है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव के पास जमा करने की तिथि की सूचना निर्धारित प्राधिकारी अर्थात् आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को देना।

[संख्या : 1740/ए.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/इ.सं.बी. 19/कल 1/35(1) (आई.टी.ई.)]  
मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 19th August, 1997

### (INCOME TAX)

S.O. 2593.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1961 for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It shall furnish the Annual Return of the scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan New Memram Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It shall submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemptions was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-Tax Act, 1961;
- (iv) If either (i) or (ii) or (iii) are not filed before the Prescribed Authority i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions), adverse conclusion may be drawn as to the genuineness of Research Activities carried on.

Name of the Organisation.—Indian Copper Development Centre, 27-B, Camac Street, Calcutta-700016.

This Notification is effective for the period from 1-4-97 to 31-3-2000.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the same application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and the date of submission to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research shall be communicated to the Prescribed Authority i.e. Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta.

[No. 1740/F. No. DG/WB-19/CAL/35(1)(ii)/89-IT(E)]  
MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

कलकत्ता, 28 अगस्त, 1997

Calcutta, the 28th August, 1997

## INCOME TAX

## आयकर

का०आ० 2594.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अर्धान विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अर्धान अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग वेन्ना बहिर्मा रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्कर् किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्मॉल माइन्स, 19, प्रिंस अनवर साह लेन, कलकत्ता-700033।

यह अधिसूचना दिनांक 29-3-96 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संवर्ग" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है। उस आवेदन पत्र छः प्रतियों अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सीधा सचिव वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग के पास भेजना है।

[संख्या: 1741(एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/डब्ल्यू.बी.-57/35(1)(ii)/90-91]

मुकेश कुमार, अपर निदेशक आयकर (छूट)

S.O. 2594.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

## NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Small Mines,  
19, Prince Anwar Shah Lane,  
Calcutta-700033.

This Notification is effective for the period from 29-3-96 to 31-3-98.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application over the organisation. Six copies of the application to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1741/F. No. DG/IT(E)/WB-57/35(1)(ii)/90-91]

MUKESH KUMAR, Addl. Director of Income-tax (Exemptions)

वित्त मंत्रालय

(प्राथमिक कार्य विभाग)

(वैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1997

का०आ० 2595.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा 1 के उपबंध, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च, 1999 तक की अवधि के लिए दि छपरा जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, छपरा (बिहार) पर लागू नहीं होंगे।

[सं० एफ० 1(23)/97-एसी]

एस०के० ठाकुर, अपर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 24th September, 1997

S.O. 2595.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-Section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Chapra District Central Co-operative Bank Ltd. Chapra (Bihar) from the date of publication of this notification in the Official Gazette to 31st March, 1999.

[No. 1(23)/97-AC]  
S. K. THAKUR, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1997

का. भा. 2596.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा, घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 13 के प्रावधान, इस अधिसूचना की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक के लिए स्टेट बैंक आफ़ बीकानेर एण्ड जयपुर पर लागू नहीं होंगे।

[सं. 12/8/97-बीओए (I)]  
के.के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, the 30th September, 1997

S.O. 2596.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 13 of the said Act shall not apply for a period of one year from the date of this notification to the State Bank of Bikaner and Jaipur.

[No. 12/8/97-BOA(i)]  
K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1997

का. भा. 2597.—बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा, घोषणा करती है कि, उक्त अधि-

नियम की धारा 15(i) के प्रावधान, इस अधिसूचना की तारीख से पांच वर्षों की अवधि तक के लिए स्टेट बैंक आफ़ बीकानेर एण्ड जयपुर पर लागू नहीं होंगे।

[सं. 12/8/97-बीओए (ii)]  
के.के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, the 30th September, 1997

S.O. 2597.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 15(i) of the said Act shall not apply for a period of five years from the date of this notification to the State Bank of Bikaner and Jaipur.

[No. 12/8/97-BOA(ii)]  
K. K. MANGAL, Under Secy.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग)

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1997

का. भा. 2598.—श्री बिना तिरुनाल आयुर्विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेन्द्रम, अधिनियम, 1980 (1980 की सं. 52) की धारा 6 की उप-धारा (2) के साथ पठित धारा 5 के खण्ड (J) के उपबंधों के अनुसार निम्न-लिखित तीन संसद सदस्यों का श्री बिना तिरुनाल आयुर्विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेन्द्रपुरम् के संस्थान निकाय में सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है:—

क्र.सं०	संसद सदस्य का नाम	चुनाव की तारीख
1.	प्रो० पी०जे० कुरियन, संसद सदस्य (लोक सभा) ए बी-77, माहजड़ा रोड, नई दिल्ली	30-7-97
2.	श्री बी भाराद्वज, संसद सदस्य (लोक सभा) 26, साऊथ एवेन्यू, नई दिल्ली	30-7-97
3.	श्री बालार रवि, संसद सदस्य (राज्य सभा) बालार ईस्ट पी ओ अलापुज्जा, केरल दिल्ली का पता 5, पंडित पंत मार्ग, नई दिल्ली	4-8-97

2. प्रत्येक नियुक्त सदस्य के पद का कार्यकाल उनके चुनाव की तारीख से 5 वर्ष होगा और यह कार्यकाल सदन की उनकी सदस्यता समाप्त होने पर तुरंत समाप्त हो जाएगा।

3. उपर्युक्त सदस्यों की सदस्यता श्री चित्रा निम्नताल आयुर्विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम अधिनियम, 1980 के अन्य उपबंधों के अधीन होगी।

[सं० ए I/विधि/022/95—(भाग)]

एम०एम०के० सरदाना, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY

(Department of Science & Technology)

New Delhi, the 19th September, 1997

S.O. 2598.—In terms of the provisions of Clause (J) of Section 5 read with Sub-Section (2) of Section 6 of Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences & Technology, Trivandrum Act, 1980 (No. 52 of 1980), the following three Members of Parliament have been elected, to serve as Members on the Institute Body of Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences & Technology Thiruvananthapuram —

S. No.	Name of Member of Parliament	Date of Election
(i)	Prof. P. J. Kurien Members of Parliament, (Lok Sabha), AB-77, Shahjahan Road, New Delhi.	30-7-97
(ii)	Shri B. R. Patil, Member of Parliament, (Lok Sabha), 26, South Avenue, New Delhi.	30-7-97
(iii)	Shri Vayalar Ravi, Member of Parliament (Rajya Sabha), Vayalar East P.O. Alappzha, Kerala. Delhi Address : 15 Pandit Pant Marg, New Delhi.	4-8-97

2. The term of office of each elected Member shall be five years from the date of his election and the same shall come to an end as soon as the ceases to be a Member of the House.

3. The membership of the above Members shall be subject to other provisions of Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences & Technology, Trivandrum Act, 1980.

[No. AI/Misc./022/95—(Part)]  
M. M. K. SARDANA, Jt. Secy.

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का.आ. 2599.—यन: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बी सी आई एफ से बी ई सी एफ से इनसीटू प्लांट तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद द्वारा घोषित किया है।

वर्णित कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

डी सी आई एफ से बी ई सी एच इन सीटू प्लांट तक  
पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : महेशाना तालुका : चाणसमा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर.	सेन्टीग्राम
रंतेज	644/9	0	09	12
	677/1	0	01	08
	644/8	0	09	48
काट ट्रैक		0	04	76

[सं. ओ-12016/2/97-प्रो.एन.जी.डी.-IV]  
एम.मार्टिन, डैम्क अधिकारी

## MINISTRY OF PETROLEUM &amp; NATURAL GAS

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2599.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from BCIF TO BECH INSITU PLANT in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from BCIF To BECH INSITU Plant.

State : Gujarat

District : Mehsana

Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec-tare	Acre	Con-tiare
RANTEJ	644/9	0	09	12
	677/1	0	01	08
	644/8	0	08	48
	Cart track	0	04	76

[No. O-12016/2/97-O.N.G.D.-IV]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का. आ. 2600.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जी.एन.एच.ओ. से जी.जी.एस. III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजनों के लिए एतदुपाय अतिसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का 2419 GI/97—6

प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हिवशब्द कोई व्यक्ति उक्त भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मन्त्रम प्राधिकारी आयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मन्वाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी को मार्फत।

## अनुसूची

जी.एन.एच.ओ. से जी.जी.एस. III तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसा	तालुका : वागरा		
1	2	3	4	5
गंधार	353	0	50	44

[सं. ओ.-12016/3/97-ओ.एन.जी.डी.-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2600.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from GNHO to GGS III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

अनुसूची

Pipeline from GNHO to GGS III.

नॉर्थ संथाल ईंडीपी से बलोल इन सीडु पाईप लाइन बिछाने के लिये।

State : Gujarat District : Bharuch  
Taluka : Vagra

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : महेसाणा

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Con- tiare
Gandhar	353	0	50	44

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर	सेंटीयर
1	2	3	4	5
देवीनपुरा	308/ 2	0	03	42
	308/ 1	0	10	78
	310	0	06	36
	311/ 1	0	02	24
	311/ 2	0	01	30
	312	0	11	70
	कार्टे ट्रैक	0	01	00
	313	0	18	00
	319	0	24	88
	318	0	04	10
	322	0	01	00
	323	0	11	60
	324	0	00	34
	325/पी	0	13	40
	325/ 2	0	10	00
	325/ 1	0	10	40
	334/ 1/ 2/ 3	0	00	65
	कार्टे ट्रैक	0	01	15
	333	0	08	70
	335	0	06	65
	369	0	18	60
	368	0	11	40
	कार्टे ट्रैक	0	01	40
	367	0	19	00
	365/पी	0	05	80
	कार्टे ट्रैक	0	02	40
	385/ 1/ 2/ 3/ 4 पी	0	16	00
	386/पी	0	13	20
	387/पी	0	22	00
	कार्टे ट्रैक	0	01	00
	402	0	10	85
	394	0	08	25
	401	0	08	90
	400	0	15	55
	399	0	10	00
	397/पी	0	22	75
	कार्टे ट्रैक	0	01	20
	434	0	15	57
	433	0	01	82

[No. O:-12016/3/97-O.N.G.D.-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का.आ. 2601.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात में नॉर्थ संथाल ईंडीपी से बलोल इन सीडु तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी को मार्फत।

[सं. ओ.-12016/4/97-ओ.एन.जी.डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2601.--Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

PIPELINE FROM NORTH SANTHAL  
ETP to BALOL in-SITU

State : Gujarat District &amp; Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
1	2	3	4	5
Devinapura	308/2	0	03	42
	308/1	0	10	78
	310	0	06	36
	311/1	0	02	24
	311/2	0	01	30
	312	0	11	70
	Cart track	0	01	00
	313	0	18	00
	319	0	24	88
	318	0	04	10
	322	0	01	00
	323	0	11	60
	324	0	00	34
	325/P	0	13	40
	325/2	0	10	00
	325/1	0	10	40
	334/1/2/3	0	00	65
	Cart track	0	01	15
	333	0	08	70
	335	0	06	65
	369	0	18	60
	368	0	11	40
	Cart track	0	01	40
	367	0	19	00
	365/P	0	05	80
	Cart track	0	02	40
	385/1/2/3/4/P	0	16	00

1	2	3	4	5
	386/P	0	13	20
	387/P	0	22	00
	Cart track	0	01	00
	402	0	10	85
	394	0	08	25
	401	0	08	90
	400	0	15	55
	399	0	10	00
	397/P	0	22	75
	Cart track	0	01	20
	434	0	15	57
	433	0	01	82

[No. O-12016/4/97 ON.G.D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का.आ. 2602—यतः केन्द्रीय सरकार को यह होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में नोर्थ संथाल ई.टी.पी. से बलोल इन सीटु तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों की बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पात्र अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड, निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

नॉर्थ संधाल इंडीपी बलोल इन सीटू तक पाइप लाइन  
बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला व तालुका : मेहसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर	सेन्टीयर
बलोल	3757/1/2	0	46	80
	1662	0	04	44
	1754/1	0	12	56
	1763	0	08	00
	1764	0	09	60
	1667/2	0	10	60
	1668	0	08	35
	1735	0	01	95
	1669	0	07	14
	1734	0	03	20
	1670	0	08	40
	1732	0	02	34
	1696	0	18	30
	1731	0	11	90
	1700	0	04	14
	1694	0	03	57
	1701	0	24	19
	1702	0	03	31
	1703/1	0	18	50
कार्ट ट्रैक		0	02	00
	1340/1	0	14	34
	1340/2	0	01	76
	1342	0	05	40
	1341	0	07	70
	1338	0	16	00
	1337	0	08	35
कार्ट ट्रैक		0	02	25

[सं. ओ-12016/5/97-ओ.एन.जी.डी. IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2602.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Mekapura Road, Vadodra-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from North Santhal ETP to  
Balol in-SITU.

State : Gujarat District &amp; Taluka : Mehsara

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cent-tiare
BALOL	1757/1/2	0	46	80
	1662	0	04	44
	1754/1	0	12	56
	1763	0	08	00
	1764	0	09	60
	1667/2	0	10	60
	1668	0	08	35
	1735	0	01	95
	1669	0	07	14
	1734	0	03	20
	1670	0	08	40
	1732	0	02	34
	1696	0	18	30
	1731	0	11	90
	1700	0	04	14
	1694	0	03	57
	1701	0	24	19
	1702	0	03	31
	1703/1	0	18	50
	Cart track	0	02	00
	1340/1	0	14	34
	1340/2	0	01	76
	1342	0	05	40
	1341	0	07	70
	1338	0	16	00
	1337	0	08	35
	Cart track	0	02	25

[No. O-12016/5/97-O.N.G.D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का.आ. 2603—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में नॉर्थ संधाल इंडीपी से बलोल इन सीटू तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।



और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों की बिछाने के लिए प्रयोजन के लिए एतदपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निमण और देखभाल प्रभाग मकरपुरा, रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

नोर्थ संथाल इटीपी से बलोल इन सीतु तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : मेहसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
डेलोली	199	0	05	20
	198/1/2	0	09	25
	197/1/2	0	12	20
	196	0	10	40
	195	0	07	20
	194	0	10	20
	191	0	02	16
	193	0	12	76
	192	0	01	38
	188	0	14	20
	185/1/2/7	0	31	00
	183	0	08	10
	183/1/2	0	10	20
	181/1/2	0	15	65
	145/1/2/3	0	23	25
कार्ट ट्रैक		0	01	40
175		0	06	00
163		0	11	10
164		0	03	80

1	2	3	4	5
	166	0	00	50
	162	0	01	15
	161	0	14	65
	160	0	12	60
	159	0	03	50
	156/1/2	0	06	00
	157	0	13	00
	158	0	11	20
कार्ट ट्रैक		0	03	05
64		0	01	35

[सं. ओ-12016/6/97-ब्रो. एन.जी.डी.-IV]

एम. माटिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2603.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipe line from North Santhal ETP to Balol IN-SITU

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Centi- tare
1	2	3	4	5
DELOLI	199	0	05	20
	198/1/2	0	09	25
	197/1/2	0	12	20
	196	0	10	40
	195	0	07	20
	194	0	10	20
	191	0	02	16
	193	0	12	76
	192	0	01	38

1	2	3	4	5
	188	0	14	20
	185/1/2/3	0	31	00
	183	0	08	10
	182/1/2	0	10	20
	181/1/2	0	15	65
	145/1/2/3	0	23	25
	Cart track	0	01	40
	175	0	06	00
	163	0	11	10
	164	0	03	80
	166	0	09	50
	162	0	01	15
	161	0	14	65
	160	0	12	60
	159	0	03	50
	156/1/2	0	06	00
	157	0	13	00
	158	0	11	20
	Cart track	0	03	05
	64	0	01	35

[No. O-12016/6/97-O.N.G. D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का. आ. 2604.-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में नोर्थ सन्थाल इटीपी से बलोल इन सीतु तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपदिष्ट अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरकार केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

घण्टे कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिमूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

नोर्थ सन्थाल इटीपी से बलोल इन सीतु तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : महसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आरे	सेन्टीयर
मगुना	66	0	01	40
	65/1	0	11	00
	68/1/2	0	11	20
	72	0	07	50
	73	0	10	00
	81/1/2	0	18	70

[सं. ओ-12016/7/97-ओ.एन.जी.डी.-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2604.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Nakarpura Road, Vadodra-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from North Santhal ETP to  
Balol IN-SITU.

State : Gujrat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec. tare	Are	Cen tiare
MAGUNA	66	0	01	40
	65/1	0	11	00
	68/1/2	0	11	20
	72	0	07	50
	73		10	00
	81/1/2	0	18	70

[No. O-12016/7/97-O.N.G. D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

New Delhi, the 8th September, 1997

का.आ. 2605.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में नोर्थ संधाल ईटीपी से बालोल इन सीतू तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पदार्थों के उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 के 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाईन बिछाने के लिये आक्षेपसक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि वाक्यांश की माफ़त।

## अनुसूची

नोर्थ संधाल ईटीपी से बालोल इन सीतू तक पाइप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य : गुजरात जिला : महेसाणा तालुका : छानसमा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर	सेंटीयर
संडुथला	170/पी	0	26	30
	169	0	09	60
	168	0	09	60
	167	0	21	40
	166/1/2	0	05	30
	172/1	0	21	58
	164	0	04	12
	173	0	27	30
	174/पी	0	10	80

[सं. ओ-12016/8/97-ओ.एन.जी.डी.-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

S.O. 2605.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from North Santhal ETP to  
Balol IN-SITU.

State : Gujarat

District : Mehsana

Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	He- ctare	Are	Centi- tiare
SADUTHALA	170/P	0	26	30
	169	0	09	60
	168	0	09	60
	167	0	21	40
	166/1/2	0	05	30
	172/1	0	21	58
	164	0	04	12
	173	0	27	30
	174/P	0	10	80

[No. O-12016/8/97-O.N.G.D.-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का.आ. 2606.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में नोर्थ संधाल ईटीपी से बालोल इन सीतू तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह पत्रद्वारा घोषित किया है।

यद्यपि कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयरा एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निमणि और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिवृत्तः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

### अनुसूची

नार्थ सन्थाल ईटीपी से बलोल इन सीतु तक पाइप लाईन बिछाने के लिये।

राज्य : गुजरात

जिला : ब तालुका : महेंसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर	सेंटीयर
गमानपुरा	682	0	01	80
	68	0	12	10
	653	0	14	10
	654	0	05	10
	650	0	02	04
	649	0	14	60
	648	0	04	60
	646	0	04	60
	644	0	04	80
	643	0	07	60
	641/2	0	07	00
	639	0	01	35
	638	0	21	25
	622	0	20	20
	621	0	20	60
	616	0	11	60

[सं. ओ-12016/9/97-ओ.एन.जी.डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2606.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

### SCHEDULE

Pipe line from North Santhal ETP to Balol In-SITU.

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are.	Cent-tiare
GAMANPURA	682	0	01	80
	681	0	12	10
	653	0	14	10
	654	0	05	10
	650	0	02	04
	649	0	14	60
	648	0	04	60
	646	0	04	60
	644	0	04	80
	643	0	07	60
	641/2	0	07	60
	639	0	01	35
	638	0	21	15
	622	0	20	20
	621	0	20	60
	616	0	11	60

[No. O-12016/9/97-O.N.G.D.-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का.आ. 2607.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में नार्थ सन्थाल ईटीपी से बलोल इन सीतु तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाईन आयरा एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधि कारअर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वशात् कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, अयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा, रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उस की सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

नोर्थ संथाल ई टी पी से बलोल इन सीसु तक पाइप लाईन बिछाने के लिये।

राज्य : गुजरात

जिला व तालुका : मेहसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	घार	सेंटीयर
1	2	3	4	5
मीथा	320	0	23	40
	328	0	01	62
	321	0	17	41
	327/1	0	00	32
	322	0	01	35
	326	0	27	52
	कार्ट ट्रैक	0	01	50
	325/2	0	01	00
	374	0	07	90
	375/4	0	11	08
	376	0	01	58
	375/3	0	05	58
	378/पी	0	16	40
	379/पी	0	13	60
	कार्ट ट्रैक	0	01	40
	529/2	0	11	40
	529/1	0	10	00
	530	0	25	60
	531	0	20	60
	533/2	0	05	04
	533/1	0	12	96
	512/2	0	17	60
	511	0	07	00

1	2	3	4	5
	510	0	10	20
	497	0	10	00
	496	0	11	45
	492	0	00	15
	494/3	0	13	60
	कार्ट ट्रैक	0	01	00
	592/2	0	09	00
	592/1	0	04	60
	591	0	15	00
	590	0	22	10
	598	0	10	90
	589/2	0	00	15
	599/1	0	08	60
	599/1	0	17	20
	कार्ट ट्रैक	0	01	60
	641/1/2	0	09	60
	634	0	18	60
	635	0	01	40
	कार्ट ट्रैक	0	02	10

[सं. अ. - 12016/10/97-ओ. एन. जी. ई. - IV]

एम. माटिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2607.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd., Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

Pipeline from North Santhal ETP to  
Balol IN-SITU

State : Gujarat District &amp; Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Rr (	Con- tiare
MITHA	320	0	23	40
	328	0	01	62
	321	0	17	41
	327/1	0	00	32
	322	0	01	35
	326	0	27	52
	Cart track	0	01	50
	325/2	0	01	00
	374	0	07	90
	375/4	0	11	08
	376	0	01	59
	375/3	0	05	58
	378/P	0	16	40
	379/P	0	13	60
	Cart track	0	01	40
	529/2	0	11	40
	529/1	0	10	00
	530	0	25	60
	531	0	20	60
	533/2	0	05	04
	533/1	0	12	96
	512/2	0	17	60
	511	0	07	00
	510	0	10	20
	497	0	10	00
	496	0	11	45
	492	0	00	15
	494/3	0	13	60
	Cart track	0	01	00
	592/2	0	09	00
	592/1	0	04	60
	591	0	15	00
	590	0	22	10
	598	0	10	90
	589/2	0	00	15
	599/1	0	08	60
	599/2	0	17	20
	Cart track	0	01	60
	641/1/2	0	09	60
	634	0	18	60
	635	0	01	40
	Cart track	0	02	10

का.आ. 260.--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में नोर्थ संथाल ईटीपी से बलोल इन सीतु तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाईन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वाच्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवादी कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सह्यम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निम्नलिखित और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बघौवा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधिव्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

नोर्थ संथाल ईटीपी से बलोल इन सीतु तक पाइप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : मेहसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर	सेटीयर
खारा	216/1/2/3	0	23	40
	218	0	23	80
	219	0	22	2
	220	0	06	20
	280/1/1			
	280/1/2			
	280/1/3	0	50	40
	280/1/4			
	280/1/5			
	280/1/6			
	280	0	08	80

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2608.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from North Santhal ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd., Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline From North Santhal ETP To  
Balol IN-SITU Main

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cent- tiare
Khara	216/1/2/3	0	23	40
	218	0	23	80
	219	0	22	02
	220	0	06	20
	280/1/1	0	50	40
	280/1/2			
	280/1/3			
	280/1/4			
	280/1/5			
	280/1/6			
	280	0	08	60

[No. O-12016/11/97-O.N.G.D.-IV]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

क्र.आ. 2609—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में लनवा ईटीपी से बलोल इन सीतु तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

लनवा ईटीपी प्लान्ट से बलोल इन सीतु तक पाइप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाणा तालुक : भाणस्मा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आरे	सेंटियर
1	2	3	4	5
मोटप	256	0	14	09
	234	0	05	26
	233/2	0	07	57
	233/3	0	07	57
	231	0	11	79
	229/पी	0	33	29
	काटे ट्रैक	0	01	53
	220	0	19	47
	217	0	14	86
	216	0	13	49
	221/2	0	00	40
	213/1	0	00	20
	213/2	0	12	56
	211	0	16	58
	210/पी	0	00	41
	काटे ट्रैक	0	00	46
	209	0	25	03
	208	0	00	20
	176/2	0	16	01
	178/पी	0	22	92
	182/पी	0	17	55
	काटे ट्रैक	0	03	07
	166	0	02	11
	काटे ट्रैक	0	01	53

1	2	3	4	5
मोटप--जारी	150	0	00	96
	151	0	13	90
	154	0	20	77
	153	0	00	27
	158	0	12	56
	157	0	11	41
	124	0	03	45
	123	0	19	09
	120	0	16	06
कार्ट ट्रैक		0	01	53

[सं. ओ.-12016/18/97-ओ.एन.जी.डी.-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2609.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Larwa ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

### SCHEDULE

Pipeline From Lanwa ETP Plant To  
Balol INSITU (Main)

State: Gujarat District: Mehsana Taluka: Chansma

Village	Survey No.	Hec- tare	Are Centiare
Motap	256	0	14 09
	234	0	05 26
	233/2	0	07 57
	233/3	0	07 57
	231	0	11 79
	229/P	0	33 29
	Cart track	0	01 53
	220	0	19 47
	217	0	14 86
	216	0	13 49

1	2	3	4	5
Motap—Contd.	221/2	0	00	40
	213/1	0	00	20
	213/2	0	12	56
	211	0	16	58
	210/P	0	00	41
	Cart track	0	00	46
	209	0	25	03
	208	0	00	20
	176/2	0	16	01
	178/P	0	22	92
	182/P	0	17	55
	Cart track	0	03	07
	166	0	02	11
	Cart track	0	01	53
	150	0	00	96
	151	0	13	90
	154	0	20	77
	153	0	00	27
	158	0	12	56
	157	0	11	41
	124	0	03	45
	123	0	19	09
	120	0	16	06
	Cart track	0	01	53

[No. O-12016/18/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का. आ. 2610.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं. 30 से पादरा इपी एस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड



निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा—  
9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर  
कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनि-  
विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है  
कि उसकी सुनवाई व्यक्ति रूप से हो या किसी विधि व्यव-  
सायी की माफत।

#### अनुसूची

कूप नं.—30 से पादरा इ. पी. एस. तक पाइप  
लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : बड़ोदरा तालुक : पादरा

गांव	ब्लाक नं.	हेक्टेयर आरे	सेंटीयर	
1	2	3	4	5
डभासा	854	0	05	55
	853	0	19	57
	852	0	04	94
	864	0	05	90
	865	0	07	85
	867	0	09	10
	890	0	00	10
	879	0	19	50
	880	0	14	30
	886	0	34	06
	885	0	01	25
	974	0	05	72
	973	0	05	46
	972	0	22	22
	975	0	12	09
	976	0	07	80
	979	0	19	24
	980	0	01	82
	981	0	12	09
कार्टट्रेक		0	01	56
1003		0	02	60
1002		0	12	09
1011		0	03	90
1001		0	08	97
1019		0	13	39
कार्टट्रेक		0	01	60
1020		0	15	26
1026		0	04	50
		0	01	58
1025		0	03	38
1029		0	06	26

1	2	3	4	5
डभासा—जारी	1028	0	03	12
		0	01	30
	1248	0	05	33
	1247	0	05	85
	1245	0	06	50
		0	01	50
	1241	0	11	70
	1244	0	00	10
	1235	0	10	14
	1236	0	08	48
	1234	0	01	32
	1212	0	00	60
	1213	0	05	98
	1214	0	05	85
	1180	0	10	01
	1278	0	02	98
	1279	0	04	42
	1277	0	13	00
	1276	0	11	44
	1171	0	00	91
	1172	0	00	90
	1407	0	04	42
	1408	0	05	20
	1425	0	11	70
	1424	0	09	62
	1413	0	14	69
	1415	0	10	14

[सं. ओ.—12016/12/97—ओ एन जी. डी —IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th September, 1997

S.O. 2610.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Well No. 30 to Padara EPS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline From Well No. 30 To Padara EPS.

State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Padara

Village	Block No.	Hec- tare	Are	Centi- tiare
1	2	3	4	5
Dabhasa	854	0	05	55
	853	0	19	57
	852	0	04	94
	864	0	05	90
	865	0	07	85
	867	0	09	10
	890	0	00	10
	879	0	19	50
	880	0	14	30
	886	0	34	06
	885	0	01	25
	974	0	05	72
	973	0	05	46
	972	0	22	22
	975	0	12	09
	976	0	07	80
	979	0	19	24
	980	0	01	82
	981	0	12	09
	Cart track	0	01	56
	1003	0	02	60
	1002	0	12	09
	1011	0	03	90
	1001	0	08	97
	1019	0	13	39
	Cart track	0	01	60
	1020	0	15	26
	1026	0	04	50
	Cart track	0	01	58
	1025	0	03	38
	1029	0	06	26
	1028	0	03	12
	Cart track	0	01	30
	1248	0	05	33
	1247	0	05	85
	1245	0	06	50
	Cart track	0	01	50
	1241	0	11	70
	1244	0	00	10
	1235	0	10	14
	1236	0	08	48
	1234	0	01	32
	1212	0	00	60
	1213	0	05	98
	1214	0	05	85
	1180	0	10	01
	1278	0	02	98

1	2	3	4	5
Dabhasa—Cont'd.	1279	0	04	42
	1277	0	13	00
	1276	0	11	44
	1171	0	00	91
	1172	0	00	90
	1407	0	04	42
	1408	0	05	20
	1425	0	11	70
	1424	0	09	62
	1413	0	14	69
	1415	0	10	14

[No. O-12016/12/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का. आ. 2611.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं. 30 से पादरा इ पी एस तक पेट्रो-लियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन आयाल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रो-लियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयाल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, मड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मारफतः

## अनुसूची

## SCHEDULE

कूप नं. 30 से पादरा इ. पी. एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जाल : वडोदरा तालुका : पादरा

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आरे	सेंटीयर
1	2	3	4	5
रानू	630	0	06	76
		0	01	56
	748	0	09	10
	751	0	02	60
	752	0	05	85
	753	0	05	07
	768	0	00	18
	767	0	07	15
	766	0	08	85
	765	0	09	65
	787	0	04	25
	788	0	05	85
	789	0	14	04
	790	0	00	08
	791	0	16	51
कार्टट्रैक		0	06	85

[सं. ओ-12016/13/97-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2611.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Well No 30 to Padara E.P.S. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

Pipeline from Well No. 30 to Padra EPS

State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Padra

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Ranu	630	0	06	76
	Cart track	0	01	56
	748	0	09	10
	751	0	02	60
	752	0	05	85
	753	0	05	07
	768	0	00	18
	767	0	07	15
	766	0	08	85
	765	0	09	65
	787	0	04	25
	788	0	05	85
	789	0	14	04
	790	0	00	08
	791	0	16	51
	Cart track	0	06	85

[No. O-12016/13/97-ONG. D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का. आ. 2612 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं. 30 से पादरा इ. पी. एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

कूप नं. 30 से पादरा ई. पी. एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : वडोदरा तालुका : पादरा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आरे	सेंटीयर
पादरा	691	0	01	30
	707	0	11	96
	706	0	11	59
	705	0	03	00
	704	01	12	00
	703	0	06	10
	702	0	09	10
	727/2	0	04	90
कार्ट ट्रैक	0	01	82	
	740	0	12	45
	739	0	09	65
	738	0	13	26
	749	0	09	10
	751/2	0	13	09
	752/1	0	07	80
	753/1	0	05	20
	753	0	05	10
	828	30	07	02
	829	0	10	01
कार्ट ट्रैक	0	01	92	
	832	0	10	40
	831	0	05	85
	933	0	10	14
	932	0	00	30
	931	0	51	34
	953	0	08	82
	955/953/2	0	04	64

[मं. ओ. 12016/14/97-ओ एन जी डी -IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Well No. 30 to Padra EPS

State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Padra

Village	Survey No.	Hecatre	Are	Centi-are
Padra	691	0	01	30
	707	0	11	96
	706	0	11	59
	705	0	03	00
	704	01	12	00
	703	0	06	10
	702	0	09	10
	723/2	0	04	90
	Cart track	0	01	82
	740	0	12	45
	739	0	09	65
	738	0	13	26
	749	0	09	10
	751/2	0	13	09
	752/1	0	07	80
	753/1	0	05	20
	753	0	05	10
	828	30	07	02
	829	0	10	01
	Cart track	0	01	92
	832	0	10	40
	831	0	05	85
	933	0	10	14
	932	0	00	30
	931	0	51	34
	953	0	08	82
	955/953/2	0	04	64

[No. O-12016/14/97-ONG. D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

S.O. 2612.-Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Well No. 30 to Padra EPS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

New Delhi, the 8th September, 1997

का. आ. 2613:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में संघान इन सीतू से डिस्ट्रीब्यूशन—II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिनियम का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बनते कि उक्त भूमि में हितवादी कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ोदा—9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिवृत्तः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

संघान, इन सीतू से डिस्ट्रीब्यूशन—II तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : महेसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर आरे	सेन्टियर	
कसलपुर	680	0	11	70
	679	0	04	60
	678	0	05	40
	676	0	09	90

[सं. ओ-12016/15/97-ओ. एन. जी. डी. IV]

एन. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

S.O. 2613:—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Santhal IN-SITU to Distribution-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from Santhal In-Situ to Distribution-II

State : Gujarat District &amp; Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Kasalpur	680	0	11	70
	679	0	04	60
	678	0	05	40
	676	0	09	90

[No. O-12016/15/97-ONG. D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का.आ. 2614:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बकोल इन सीतू से बकोल जीवीएस-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिनियम का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्षों कि उक्त भूमि में हितवद् कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सम्मम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी को मांपत।

### अनुसूची

बलोल इन सितु से बलोल जीजीएस-III तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला महेसाणा तालुका: चानस्मा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आरे	सेन्टियर
1	2	3	4	5
सदुथला	171	0	17	60
	172/2/पी	0	15	40
	171/1	0	28	30
	164	0	00	96
	173	0	05	70
	163	0	08	72
	174/पी	0	05	00
	162	0	13	05
	157	0	08	84
	150	0	01	20
	151	0	32	50
	136	0	09	80
	137	0	02	00
	135	0	11	80
	134	0	14	80
	133	0	16	00
	132	0	30	20
	117	0	11	92
	118	0	00	32
	कार्ट ट्रैक	0	02	90
	79	0	05	40
	78/2	0	10	40
	78/1	0	11	83
	75/1	0	02	47
	75/2			
76/2	0	17	80	
76/1	0	12	20	
74/2	0	08	10	

[सं. ओ-12016/16/97-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2614.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Balol IN-SITU to Balol GGS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

### SCHEDULE

Pipeline Balol In-Situ to Balol GGS: III

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Saduthala	171	0	17	60
	172/2/P	0	15	40
	171/1	0	28	30
	164	0	00	96
	173	0	05	70
	163	0	08	72
	174/P	0	05	00
	162	0	13	05
	157	0	08	84
	150	0	01	20
	151	0	32	50
	136	0	09	80
	137	0	02	00
	135	0	11	80
	134	0	14	80
	133	0	16	00
	132	0	30	20
	117	0	11	92
	118	0	00	32
	Cart track	0	02	90
	79	0	05	40
	78/2	0	10	40
	78/1	0	11	83
	75/1	0	02	47
	75/2			
	76/2	0	17	80
	76/1	0	12	20
	74/2	0	08	10

[No. O-12016/16/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

1	2	3	4	5
	608	0	14	20
	528/पी	0	21	20
	616/1	0	01	48
	616/2			
	527	0	08	35
	529	0	01	00
	526	0	12	40
	कार्ट ट्रैक	0	03	60
	525	0	03	80
	524/1	0	32	00
	507	0	15	00
	508	0	08	00
	509	0	29	20
	488	0	23	04
	489/पी	0	02	16
	487	0	01	80
	490	0	13	80
	491	0	16	40
	494	0	13	60

[सं० 0-12016/17/97-ओ. एन.जी.सी.-IV]

एम० माटिन, डैस्क अधिकारी

कां०आ० 2615.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बलोल इन सीतु से बलोल जी जी.एस III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन आयाल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी आयाल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति बिनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

सलोल इन सीतु से सलोल जीजीएस III तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाणा तालुका : चाणश्मा

गांव	सर्व सं०	हे.	आरे	सेन्टी.
1	2	3	4	5
फनोडा	कार्ट ट्रैक	0	01	00
	587/1	0	23	20
	590	0	20	60
	591	0	09	40
	592	0	16	00
	600	0	12	00
	601	0	12	00
	602	0	09	80
	603	0	08	46
	604	0	13	54
	605	0	10	00
	607	0	12	92

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2615.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Balol IN-SITU to Balol-GGS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User: in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from Balol In-Situ to Balol GGS. III

State : Gujarat District : Mehsana :  
Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec- tare	Arc	Centi- tiare
1	2	3	4	5
Hudda	Cart track	0	01	00
	587/1	0	23	20
	590	0	20	60
	591	0	09	40
	592	0	16	00
	600	0	12	00
	601	0	12	00
	602	0	09	80
	603	0	08	46
	604	0	13	54
	605	0	10	00
	607	0	12	92
	608	0	14	20
	528/P	0	21	20
	616/1 } 616/2 }	0	01	48
	527	0	08	35
	529	0	01	00
	526	0	12	40
	Cart track	0	03	60
	525	0	03	80
	524/1	0	32	00
	507	0	15	00
	508	0	08	00
	509	0	29	20
	488	0	23	04
	489/P	0	02	16
	487	0	01	80
	490	0	13	80
	491	0	16	40
	494	0	13	60

[No. O-12016/17/97-ONG. D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का०आ० 2616 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में लनबा इ० टी० पी० से बलोल इन सीतु तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपात्र अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा I द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई ब्याप्तगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

लनबा इटीपी प्लान्ट से बलोल इन-सीतु तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : महेसाना	ता. : चाणस्मा		
गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	आर	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
ककासना	206	0	07	29
	204	0	08	83
	205	0	09	03
	85	0	19	27
	84	0	02	88
	83	0	05	94
	87	0	17	28
	88	0	21	44
	80	0	00	25
	79	0	09	98
	78	0	09	98
	73	0	09	60
	21	0	09	60
	35	0	21	21
	34	0	04	70
	36	0	18	43
	37	0	15	30
	38	0	16	89
	41	0	14	59
	43	0	14	59
	44	0	07	93
	45	0	06	14
	46	0	25	25

[सं० ओ-12016/18/97-ओ एन जी-डी-IV]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी



New Delhi, the 8th September, 1997

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

S.O. 2616.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Lanwa ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user thereon ;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

### SCHEDULE

Pipeline from Lanwa ETP Plant to Balol In-situ  
(Main)

State : Gujarat District : Mehsana  
Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Centi- tiare
Kakasana	206	0	07	29
	204	0	08	83
	205	0	09	03
	85	0	19	27
	84	0	02	88
	83	0	05	94
	87	0	17	28
	88	0	21	44
	80	0	00	25
	79	0	09	98
	78	0	09	98
	73	0	09	60
	21	0	09	60
	35	0	21	21
	34	0	04	70
	36	0	18	43
	37	0	15	30
	38	0	16	89
	41	0	14	59
	43	0	14	59
	44	0	07	93
	45	0	06	14
	46	0	25	25

[No. O-12016/18/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

कां० प्रा० 2617 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में लनवा इटीपी से बलोल इन सीतु तक पेट्रोलियम के परिवहन से लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा I द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

### अनुसूची

लनवा इटीपी प्लान्ट से बलोल इन सीतु तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाना	ता : चानस्मा		
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	ग्राम	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
कनोडा	171	0	15	86
	174	0	25	72
काटें ट्रेक		0	09	79
	178	0	00	96
	208	0	25	75
काटें ट्रेक		0	01	92
	251	0	14	84
	249	0	24	59
	247	0	19	58
	248	0	00	55
	246	0	15	74
	276	0	01	34
काटें ट्रेक		0	01	15

1	2	3	4	5
	277	0	06	68
	278	0	17	28
	283	0	13	44
	284	0	30	27
	290	0	16	12
	291	0	22	96
	293	0	04	60
	292	0	01	53
	75	0	12	67
	कार्ट ट्रैक	0	02	30
	534	0	00	58
	535	0	18	81
	536/पी } 536 }	0	19	96
	538	0	10	76
	539	0	04	72
	553	0	16	79
	555/पी	0	00	60
	551 } 551/1 }	0	21	67
	557	0	14	43
	661	0	23	30
	581	0	12	28
	582	0	03	00
	580	0	31	06
	कार्ट ट्रैक	0	02	30

[सं० ओ-12016/20/97-ओ एन जी-डी-IV]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2617.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Lanwa ETP to Balol IN-SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

# SCHEDULE

Pipeline from Lanwa ETP Plant to Balol In-situ (Main)

State : Gujarat District : Mehsana

Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec- tare	Are centiare	
1	2	3	4	5
Kanoda	171	0	15	86
	174	0	25	72
	Cart track	0	09	79
	178	0	00	96
	208	0	25	75
	Cart track	0	01	92
	251	0	14	84
	249	0	24	59
	247	0	19	58
	248	0	00	55
	246	0	15	74
	276	0	01	34
	Cart track	0	01	15
	277	0	06	68
	278	0	17	28
	283	0	13	44
	284	0	30	27
	290	0	16	12
	291	0	22	96
	293	0	04	60
	292	0	01	53
	75	0	12	67
	Cart track	0	02	30
	534	0	00	58
	535	0	18	81
	536/P } 536 }	0	19	96
	538	0	10	76
	539	0	04	72
	553	0	16	79
	555/P	0	00	60
	551 } 551/1 }	0	21	67
	557	0	14	43
	661	0	23	30
	581	0	12	28
	582	0	03	00
	580	0	31	06
	Cart track	0	02	30

[No. O-12016/20/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

कां०आ० 2618:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप सं० 18 से पादरा इपीएस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा जिआई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा I द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

कूप सं० 18 से पादरा इपीएस तक पाइपलाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला: बड़ौदा तालुका: पादरा

गांव	सर्वे सं०	हे.	आर.	सेन्टी.
1	2	3	4	5
पाहरा	691	0	12	74
	700	0	00	15
	707	0	10	66
	705	0	06	95
	706	0	08	38
	704	0	19	37
	703	0	07	54
	727/2	0	01	30
	कार्ट ट्रैक	0	00	70
	740	0	11	05
	739	0	09	36

1	2	3	4	5
	738	0	13	39
	749	0	08	95
	कार्ट ट्रैक	0	00	65
	752/1	0	04	29
	751/2	0	09	42
	753/1	0	05	59
	753	0	05	07
	828	0	08	32
	829	0	09	24
	कार्ट ट्रैक	0	01	15
	832	0	08	45
	831	0	06	11
	933	0	09	10
	932	0	00	14
	931	0	12	49
	कार्ट ट्रैक	0	00	10
	953	0	09	10
	955	0	09	10
	954	0	04	20
	395	0	00	11
	394	0	13	34
	399	0	10	14
	400	0	02	75
	401	0	04	65
	402	0	00	30
	403	0	07	18
	404	0	04	85
	407	0	05	59
	कार्ट ट्रैक	0	00	13
	409/2	0	02	60
	408	0	08	45
	380	0	00	12
	382	0	08	40
	376	0	09	55
	375	0	05	46
	कार्ट ट्रैक	0	00	65
	374	0	14	20
	कार्ट ट्रैक	0	00	19
	355	0	05	65
	240	0	07	80
	241	0	08	19
	कार्ट ट्रैक	0	00	35
	242	0	12	19
	244/2	0	05	20

[सं० ओ 12016/21/97-ओ एन जी-डी-IV]

एम० माटिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2618.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Well No. 18 to Padra EPS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from Well No. 18 to Padra EPS

State : Gujarat District : Vadodara  
Taluka : Padra

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Centi- tiare
1	2	3	4	5
Padra	691	0	12	74
	700	0	00	15
	707	0	10	66
	705	0	06	95
	706	0	08	38
	704	0	19	37
	703	0	07	54
	727/2	0	01	30
	Cart track	0	00	70
	740	0	11	05
	739	0	09	36
	738	0	13	39
	749	0	08	95
	Cart track	0	00	65
	752/1	0	04	29
	751/2	0	09	42
	753/1	0	05	59
	753	0	05	07
	828	0	08	32
	829	0	09	24
	Cart track	0	01	15
	832	0	08	45
	831	0	06	11
	933	0	09	10
	932	0	00	14
	931	0	12	49

1	2	3	4	5
	Cart track	0	00	10
	953	0	09	10
	955	0	09	10
	954	0	04	20
	395	0	00	11
	394	0	13	34
	399	0	10	14
	400	0	02	75
	401	0	04	65
	402	0	00	30
	403	0	07	18
	404	0	04	85
	407	0	05	59
	Cart track	0	00	13
	409/2	0	02	60
	408	0	08	45
	380	0	00	12
	382	0	08	40
	376	0	09	55
	375	0	05	46
	Cart track	0	00	65
	374	0	14	20
	Cart track	0	00	19
	355	0	05	65
	240	0	07	80
	241	0	08	19
	Cart track	0	00	35
	242	0	12	19
	244/2	0	05	20

[No. O-12016/21/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का०आ० 2619.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जे०एनडी०एस-80 से जे०एनडी०टी-64 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण

और देखभाल प्रभाग मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

जेअनडी 60 से जेअनडी 64 तक पाईप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जीला : महेसाणा तालुका : महेसाणा

गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	आरे	सेन्टीआर
1	2	3	4	5
मीडा	कार्ट ट्रैक	0	00	72
	55/पी	0	10	92
	54/1/2	0	09	00
	39	0	10	32
	38	0	07	08
	33	0	05	64
	कार्ट ट्रैक	0	00	60
	31/1/2	0	09	24
	30/1/2/3	0	10	44
	19	0	11	40
	18	0	08	52
	73/पी	0	02	76
	71	0	06	60

[सं० ओ-12016/22/97-ओ एन जी डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2619.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from JNDS (60) to JNDT (64) in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner

2419 GI/97—9

#### SCHEDULE

Pipeline from JNDS (60) to JNDT (64)

State : Gujarat District & Taluka Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiar e
Mitha	Cart track	0	00	72
	55/P	0	10	92
	54/1/2	0	09	00
	39	0	10	32
	38	0	07	08
	33	0	05	64
	Cart track	0	00	60
	31/1/2	0	09	24
	30/1/2/3	0	10	44
	19	0	11	40
	18	0	08	52
	73/P	0	02	76
	71	0	06	60

[No. O-12016/22/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का०आ० 2620 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बीएलएलओ-173 से बल्लोल इन्स्टीट्यूट तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदप्राप्त अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

बकोल-173 से बलोल इनसाटु प्लांट तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात

जिला और तालुका : महेसाणा

गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	आरे	सेन्टीआर
1	2	3	4	5
मीठा	400/पी	0	09	48
	399	0	03	60

[सं० ओ-12016/23/97-ओ एन जी डी IV]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2620.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from BLLO-173 to Balol IN SITU Plant in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from BLLO-173 to Balol Insitu Plant

State : Gujarat District &amp; Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cent-tiare
Mitha	400/P	0	09	48
	399	0	03	60

[No. O-12016/23/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का०आ०. 2621—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जेअन डीक्यू-63 से जेअनडी अंस-60 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितवृद्ध कोई व्यक्ति उन भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किनी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

## अनुसूची

ज अेन डी क्यू (63) से जे अेन डी अेन (60) तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात

जिला-तालुका : महेसाणा

गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	आरे	सेन्टीआर
1	2	3	4	5
देवीपुरा	228	0	01	68
	228/पी	0	08	40
	223/पी	0	06	48
	222/पी	0	08	04
	221/पी	0	04	20

[सं० ओ-12016/24/97-ओ एन जी डी-IV]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2621.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNDQ-63 to JNDS-60 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from JNDO/63 to JNDS/60

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
Devinapura	228	0	01	68
	228/P	0	08	40
	223/P	0	06	48
	222/P	0	08	04
	221/P	0	04	20

[No. O-12016/24/97-ONG-D-IV]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का०अ० 2622 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जेओनडीक्यू-63 से जेओनजेओस-47 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जन करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बग़र्ज़ कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति दिनिर्दिष्टतः यह भी बयान करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या कितने बिधि व्यक्तियों की मार्फत।

#### अनुसूची

जेओनडीक्यू (63) से जेओनजेओस (47) तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात

जिला और तालुका : मेहसाणा

गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	आरे	सेन्टोअर
मीठा	कार्ट ट्रेक	0	00	84
	660	0	04	80
	559	0	10	32
	661	0	07	80
	657/पी	0	07	68
	665	0	09	36
	665	0	04	80
	676	0	07	32
	666	0	02	04
	673	0	09	72
	672	0	00	60
	671	0	18	12
	689	0	07	92

[सं० ओ-12016/25/97-ओ एन जी डी-IV]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2622.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNDO-63 to JNAS-47 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acqui-

sition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from JNDO (63) to JNAS (47)

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
Mitha	Cart track	0	00	84
	660	0	04	80
	559	0	10	32
	661	0	07	80
	657/P	0	07	68
	665	0	09	36
	665	0	04	80
	676	0	07	32
	666	0	02	04
	673	0	09	72
	672	0	00	60
	671	0	18	12
	689	0	07	92

[No. O-12016/25/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का०आ० 2623 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जेअनबीजी-77 से जेअनबीएच-78 से जेएन डी.एस-60 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसा लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निम्नलिखित और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

जेअन बीजी-77 से जेअन बी.एच-78 से जेएन डी.एस-60 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात

जिला और तालुका : महेसाणा

गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	आरे	सेन्टीआरे
1	2	3	4	5
देवीनापुरा	14/पी	0	10	68
	13	0	06	96
	12/1	0	07	32
	11 व 10	0	09	96
	9/पी	0	06	12
	8/पी	0	00	48
	8/पी	0	10	32
	6	0	00	96
	7	0	03	00
	7 व 4 व 5	0	13	56
	5/पी	0	02	28
	5/पी	0	04	92
	कार्ट ट्रैक	0	00	36
	32	0	12	12
	515	0	01	56
	515	0	01	20
	514	0	06	48
	कार्ट ट्रैक	0	01	20
215	213/पी	0	06	60
	211/1	0	06	00
	210/1	0	05	40
	207	0	03	96



1	2	3	4	5
देवीनापुरा (जारी)	206/2	0	13	68
	203	0	05	64
कार्ट ट्रैक		0	00	48
	199/2	0	11	40
	196/2	0	08	40
	195	0	08	76
	181	0	06	60
	182	0	11	28
	183	0	04	68
	184/पी	0	07	68

[नं० ओ-12016/26/97-ओ एन जी-डी-I]  
एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2623.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNBG-77 to JNBH-78 to JNDS-60 Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

# SCHEDULE

Pipeline From JNBG/77 TO JNBH/78 TO JNDS-60.

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Area	Centiare
1	2	3	4	5
Devinapura	14/P	0	10	68
	13	0	06	96
	12/1	0	07	32
	11 & 10	0	09	96
	9/P	0	06	12
	8/P	0	00	48
	8/P	0	10	32
	6	0	00	96
	7	0	03	00
	7 & 4 & 5	0	13	56
	5/P	0	02	28
	5/P	0	04	92
	Cart track	0	00	36
	32	0	12	12
	515	0	01	56
	515	0	01	20
	514	0	06	48
	Cart track	0	01	20
	215	0	05	28
	213/P	0	06	60
	211/1	0	06	00
	210/1	0	05	40
	207	0	03	96
	206/2	0	13	68
	203	0	05	64
	Cart track	0	00	48
	199/2	0	11	40
	196/2	0	08	40
	195	0	08	76
	181	0	06	60
	182	0	11	28
	183	0	04	68
	184/P	0	07	68

[No. O-12016/26/97-ONG-D-IV]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का०आ० 2624 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जेजेनडी यू-63 से जेजेनडी एस-47 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई ब्याक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

जेअेनडीक्यू (63) से जेअेनजेअेस (47) तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात

जिला और तालुका : महेसाणा

गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	आरे	सेंटीआर
1	2	3	4	5
देविनापुरा	228/पी	0	06	84
	229	0	10	44
	230	0	09	96
	कार्ट ट्रैक	0	00	60
	249/पी	0	11	40
	250	0	08	28
	251/पी	0	01	56
	258	0	10	80
	कार्ट ट्रैक	0	00	48
	282	0	07	44
	281	0	07	44
	286	0	02	28
	287/4	0	06	12
	287/18	0	13	08
	287/8	0	03	60
	287/12	0	03	36
	287/11	0	05	16

[सं० ओ-12016/27/97-ओ एन जी-डी-IV]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2624.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNDG-63 to JNAS-47 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline From JNDG/63 To JNAS/47

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Devinapura	228/P	0	06	84
	229	0	10	44
	230	0	09	96
	Cart track	0	00	60
	249/P	0	11	40
	250	0	08	28
	251/P	0	01	56
	258	0	10	80
	Cart track	0	00	48
	282	0	07	44
	281	0	07	44
	286	0	02	28
	287/4	0	06	12

New Delhi, the 25th September, 1997

1	2	3	4	5
Devinapura (Contd.)	287/18	0	13	08
	287/8	0	03	60
	287/12	0	03	36
	287/11	0	05	16

[No. O-12016/27/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का० आ० सं० 2625.—अतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जेएनडीयू-37 ने जेन-एस० ईटीपी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनड्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसने उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अन्त आशय एनड्पाबद्ध घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि से हितबद्ध कोई व्यक्ति उक्त भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निमाण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को दस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

जे एन डी यू-37 से एन एस ई टी पी तक पार्श्व लाइन बिछाने के लिये

राज्य : गुजरात जिला तालुका महेसाना

गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	आरे	सेन्टी आरे
कसलपुरा	572	0	05	64
	571	0	12	48
	573	0	08	52
	570	0	07	08
	568	0	01	92
	566	0	09	00
	565	0	07	08
	563	0	04	08
	564	0	05	88

[सं० ओ०-12016/28/97-ओ एन जी-डी-IV]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

S.O. 2625.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNDU/37 to N.S.E.T.P. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline From JNDU/37 To N. S. ETP.

State : Gujarat District &amp; Taluka : Mchana

Village:	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Kasalpura	572	0	05	64
	571	0	12	48
	573	0	08	52
	570	0	07	08
	568	0	01	92
	566	0	09	00
	565	0	07	08
	563	0	04	08
	564	0	05	88

[No. O-12016/28/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का० आ० सं० 2626.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जेएन जीएल-87 से बलोल जो जी एस-2 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

जे एन पी ओल (87) से बलोल जो जी एस 2 तक पाइप लाइन बिछाने के लिये

राज्य : गुजरात जिल्ला और तालुका : महेशाना

गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	आरे	सेंटीआरे
गमनपुरा	511	0	02	76
	512	0	09	12
	513	0	01	32
	508/पी	0	08	52
	507	0	08	16
	504	0	04	44
	505	0	02	56
	497 एंड	0	06	84
	498			
	497	0	02	04
	495	0	03	48
	कार्ट ट्रैक	0	01	20
	449/2/पी	0	09	48
	कार्ट ट्रैक	0	01	56
	449/2	0	16	80
	424	0	15	66

1	2	3	4	5
	425	0	00	60
	417	0	12	84
	416	0	07	56
	415	0	11	28
	408	0	01	44
	कार्ट ट्रैक	0	01	20
	405	0	09	24
	404/2	0	03	96
	406	0	06	24
	कार्ट ट्रैक	0	00	60
	403	0	01	44
	402	0	06	72
	400	0	14	88
	248	0	12	24

[सं० ओ०-12016/29/97-ओ एन जी-डी-IV]

एम० मार्टिन, हेम्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2626.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNBL-87 to BALOL-GGS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline From JNBL(87) To Balol GGS II.

State : Gujarat District &amp; Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Gamanpura	511	0	02	76
	512	0	09	12
	513	0	01	32
	508/P	0	08	52
	507	0	08	16
	504	0	04	44
	505	0	02	56
	497 &	0	06	84
	498			
	497	0	02	04
	495	0	03	48
	Cart track	0	01	20
	449/2/P	0	09	48
	Cart track	0	01	56
	449/2	0	16	80
	424	0	15	96
	425	0	00	60
	417	0	12	84
	416	0	07	56
	415	0	11	28
	408	0	01	44
	Cart track	0	01	20
	405	0	09	24
	404/2	0	03	96
	406	0	06	24
	Cart track	0	00	60
	403	0	01	44
	402	0	06	72
	400	0	14	88
	248	0	12	24

[No. O-12016/29/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का० आ० 2627.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बलोल-173 और 177 से बलोल इन सी टू, प्रोजेक्ट तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

2419 GI/97—10

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा (1) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

बलोल-173 और 177 से बलोल इन सी टू प्रोजेक्ट तक पाइप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य : गुजरात जिला और तालुका : महेसाना

गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	आरे	सेंटी आरे
बलोल	760	0	05	13
	760	0	05	16
	769/1	0	01	44
	768	0	06	12
	767	0	07	20
	762/2	0	03	00
	765	0	04	80
	763	0	10	65
	812	0	05	25
	830	0	06	15
	827	0	11	40
	780	0	03	24
	781	0	04	80

[सं० ओ०-12016/30/97-ओ एन जी-डी-IV]  
एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2627.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from BALOL-173 & 177 to BALOL IN-SITU PROJECT in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline From Balol-173 & 177 To Balol Insitu Project.

State : Gujarat

District & Taluka : Mhsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
1cl	760	0	05	13
	760	0	05	16
	769/1	0	01	44
	768	0	06	12
	767	0	07	20
	762/2	0	03	00
	765	0	04	80
	763	0	10	65
	812	0	05	25
	830	0	06	15
	827	0	11	40
	780	0	03	24
	781	0	04	80

[No. O-12016/30/97-ONG-D-IV]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का. आ. 2628.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में पश्चिम सोभासण-13 से सोभासण ई. टी. पी. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जाती चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अतः सूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आशय सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निराणि और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी व्यवसायी की मापत।

#### अनुसूची

पश्चिम सोभासण-13 से सोभासण ई. टी. पी. तक पाइपलाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात

जिला और तालुका : महेसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आरे	सेन्टीआरे
1	2	3	4	5
रेवुआ	160	0	02	76
	159	0	01	20
	165	0	03	60
	165	0	03	80
	165	0	03	72
	165	0	05	70
काट ट्रेक		0	00	48
	166	0	09	80
	167	0	05	76
	117	0	00	48

1	2	3	4	5
	116	0	17	88
	115	0	01	32
	115	0	04	80
	115	0	04	92
	114	0	05	88
	111	0	01	08
	कार्ट ट्रैक	0	00	60
	79	0	01	68
	80	0	09	36
	81	0	00	72
	80	0	06	24
	106	0	07	68
	100	0	11	76
	88	0	02	28
	89	0	07	80
	90	0	08	64
	92	0	06	72
	67	0	16	92
	69	0	00	48
	70	0	06	12

[सं. ओ. -- 12016/31/97--ओ. एन. सी. सी. iv]

एम. - मार्टिन, डेस्क ऑफिसर

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2628.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from W. SOB-13 to SOB-E.T.P. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline From W. SOB-13 To SOB. E.T.P.

State : Gujarat District &amp; Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hectare	Area	Centiare
1	2	3	4	5
Hebuva	160	0	02	76
	159	0	01	20
	165	0	03	60
	165	0	03	60
	165	0	03	72
	165	0	05	60
	Cart track	0	00	48
	166	0	09	60
	167	0	05	76
	117	0	00	48
	116	0	17	88
	115	0	01	32
	115	0	04	80
	115	0	04	92
	114	0	05	88
	111	0	01	08
	Cart track	0	00	60
	79	0	01	68
	80	0	09	36
	81	0	00	72
	80	0	06	24
	106	0	07	68
	100	0	11	76
	88	0	02	28
	89	0	07	80
	90	0	08	64
	92	0	06	72
	67	0	16	92
	69	0	00	48
	70	0	06	12

[No. O-12016/31/97-ONG D IV]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का. आ. 2629.—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस.बी.सी. एस.-182 से एस.बी.सी.-21 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा विद्यार्थी जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावडा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए अक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ीबा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा अक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिवृष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

एस बी जी एम/182 से एस सीबी /21 तक पाईप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला और तालुका : मेहसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर घाटे	सेन्टीयर	
1	2	3	4	5
कडवासन	101	0	01	68
	104	0	03	72
	103	0	09	84

[सं. ओ.—12018/32/97—बी एन जी-बी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2629.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SBGM-182 to SCB-21 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline From SBGM/182 To SCB/21

State : Gujarat

District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	He- tare	Arc Cen- tiare	
1	2	3	4	5
Kadwasan	101	0	01	68
	104	0	03	72
	103	0	09	84

[No. O-12016/32/97-ONGD-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

कां० 2630.—अतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सांयाल-119, 157, 158 से नोर्थ सांयाल इनसीटू प्रोजेक्ट तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावडा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।



बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिवृष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

सांथाल-119, 157, 158 से नोर्थ सांथाल इनसितु प्रोजेक्ट तक पाईप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला और तालुका : मेहसाणा

गांव	सर्वे न०	हेक्टर	आरे	सेन्टी-आरे
1	2	3	4	5
बलौल	1308	0	07	68
	1317	0	01	92
	1318	0	03	36
	1423	0	06	24
	1421	0	00	60
	1416	0	03	24
	1415	0	05	16
	1414/1	0	08	76
	1412/1	0	03	12
	1412/1	0	03	96
	1410	0	09	00
	1409	0	08	85
	1405	0	06	00
	1405	0	15	30
कार्टट्रेक		0	03	06
	1628	0	04	86
	1629	0	18	72
	1633	0	23	40
	1635	0	08	82
	1636	0	05	22
	1775	0	12	06
	1620	0	14	22
	1781/1	0	08	82
	1785	0	12	78
	1783	0	09	54
	1784	0	05	40

[सं० ओ०-12016/33/97-ओ०एन०जी०-डी-IV]

एम० शास्त्रि, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2630.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Santhal-119, 157, 158 to N. Santhal Insitu Project in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline From Santhal-119, 157, 158 To North Santhal Insitu Project

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Balol	1308	0	07	68
	1317	0	01	92
	1318	0	03	36
	1423	0	05	24
	1421	0	00	60
	1416	0	03	24
	1415	0	05	16
	1414/1	0	08	76
	1412/1	0	03	12
	1412/1	0	03	96
	1410	0	09	00

1	2	3	4	5
	1409	0	08	85
	1405	0	06	00
	1405	0	15	30
	Carl track	0	03	06
	1628	0	04	86
	1629	0	18	72
	1633	0	23	40
	1635	0	08	82
	1636	0	05	22
	1775	0	12	06
	1620	0	14	22
	1781/1	0	08	82
	1785	0	12	78
	1783	0	09	54
	1784	0	05	40

[No. O-12016/33/97-ONG-D-IV]

M. M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का०आ० 2631.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जेएनबीएल-87 से बलोल जीजीएस-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करत हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सभ्य प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

जेएनबीएल (87) से बलोल जीजीएस-II तक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला और तालुका : मेहसाणा

गांव सर्वे नं० हेक्टेयर आरे सेन्टी-आर

1	2	3	4	5
बेविनापुरा	397	0	06	72
	400	0	00	72
	399	0	11	28
	411	0	07	44
	410	0	07	56
	409	0	09	72
	407	0	15	72
	415	0	01	44
	377, 378	0	15	96
	376	0	03	48

[सं० ओ-12016/34/97-ओएनजीडी-IV]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2631.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNBL (87) to BALOL GGS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline From JNBI(87) to Balol GGS.II

State: Gujarat District &amp; Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Devinapura	397	0	06	72
	400	0	00	72
	399	0	11	28
	411	0	07	44
	410	0	07	56
	409	0	09	72
	407	0	15	72
	415	0	01	44
	377&378	0	15	96
	376	0	03	48

[No. O-12016/34/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer.

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.प्र. 2632.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जे एन डी टी से एन.एस.ई.टी.पी. वाया जेओटी-65 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद् द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवश कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

जे एन डी टी से एन.एस.ई.टी.पी. वाया जेओटी-65 तक पाइप लाईन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला एवं तालुका : मेहसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आरे	सेन्टीआर
मीठ्ठा	72	0	03	00
	75	0	03	30
	76/2	0	06	45
	76/3	0	06	30
	76/4	0	13	05
	174	0	18	30
	176/ए	0	13	20

[सं. ओ-12016/35/97-ओ एन जी-डी-IV]

एम० मार्टिन; डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2632.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JNDT to N.S.E.T.P. VIA JOT, 65 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipe line From JNDT to N.S.E.T.P. Via JOT. 65

State: Gujarat District &amp; Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Mitha	72	0	03	00
	75	0	03	30
	76/2	0	06	45
	76/3	0	06	30
	76/4	0	13	05
	174	0	18	30
	176/A	0	13	20

[No. O-12016/35/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Office

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.आ. 2633.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बीएलएलएन-172 और बीएलएलएल-174 में बलोल इनसिटु प्लांट तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूचि में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

बीएलएलएन-172 और बीएलएलएल-174 में बलोल इनसिटु प्लांट तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात; जिला और तालुका मेहसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आरे सेम्टीघारे	
1	2	3	4	5
बलोल	1210	0	03	00
	1209	0	09	96
	1207	0	03	12
	1205	0	07	80
	1206	0	00	48
कार्ट ट्रेक		0	05	76
	915	0	09	12
	918/1	0	02	40
	917	0	06	45
कार्ट ट्रेक		0	02	40
	899	0	21	45
	898	0	05	70
	895	0	04	95
	887	0	12	45

1	1	3	4	5
	कार्ट ट्रेक	0	00	75
	869/1 + 2	0	06	75
	868	0	01	95
	870/1	0	05	85
	873	0	03	00
	कार्ट ट्रेक	0	00	90
	822/2	0	12	15
	823	0	11	10
	839	0	07	65
	827	0	02	16

[सं. ओ-12016/36/97-ओएनजी-डी-IV]

एम. माटिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2633.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from BLN-172 and BLN-174 to Balol in SITU Plant in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto; rity, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline From BLN-172 & BLN 174 to Balol Insitu Plant.

State : Gujarat

District &amp; Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Balol	1210	0	03	00
	1209	0	09	96
	1207	0	03	12
	1205	0	07	80
	1206	0	00	48
Cart track		0	05	76
	915	0	09	12
	918/1	0	02	40
	917	0	06	45
Cart track		0	02	40
	899	0	21	45
	898	0	05	70
	895	0	04	95

1	2	3	4	5
	887	0	12	45
	Cart track	0	00	75
	869/1-2	0	06	75
	868	0	01	95
	870/1	0	05	85
	873	0	03	00
	Cart track	0	00	90
	822/2	0	12	15
	823	0	11	10
	839	0	07	65
	827	0	02	16

[No. O-12016/36/97-ONG-D-IV]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

को.आ. 2634.--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस एन एफएफ-160 और एस एन एफ आई-159 से नोर्थ सांथल इनसिटु प्लांट तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट : यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

एस एन एफ एफ-160 और एस एन एफ आई-159 से नोर्थ सांथल इनसिटु प्लांट तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात		ज़िला और तालुका : मेहसाणा		
गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर	सेन्टीआर
1	2	3	4	5
बलोच	1640/1	0	08	82
	1639	0	16	38

1	2	3	4	5
	1638	0	13	32
	1774	0	11	52
	1773	0	03	42
	1776	0	07	92
	1778	0	05	58
	1778	0	07	74
	1781/2	0	08	82
	1782	0	04	68
	1783	0	12	50
	1774	0	02	70
	1322	0	04	68
	1322	0	02	52
	1385	0	10	32
	1386/2	0	08	40
	1293/1	0	08	40
	1393/2	0	07	44
	1422	0	07	32
	1421	0	00	48
	1420	0	06	96
	1417	0	10	08
	1399	0	15	24
	1394	0	11	10
	1295	0	02	16
	कार्ट ट्रैक	0	01	08
	1678	0	05	58
	कार्ट ट्रैक	0	02	52
	1643/1	0	12	42
	1643/2	0	14	22

[सं. ओ.-12016/37/97-ओ.एन.जी.डी.-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2634.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SNFF-160 and SNFI-159 to N Santhal Insitu Plant in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by Legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline From SNFF-160 & SNFI-159 to N.Santhal  
INSITU Plant

State:Gujarat District &amp; Taluka:Mehsana

Village	Survey No.	Hectare are Centiare		
1	2	3	4	5
BALOL	1640/1	0	08	82
	1639	0	16	38
	1638	0	13	32
	1774	0	11	52
	1773	0	03	42
	1776	0	07	92
	1778	0	05	58
	1778	0	07	74
	1781/2	0	08	82
	1782	0	04	68
	1783	0	12	50
	1784	0	02	70
	1322	0	04	68
	1322	02	02	52
	1385	0	10	32
	1386/2	0	08	40
	1393/1	0	08	40
	1393/2	0	07	44
	1422	0	07	32
	1421	0	00	48
	1420	0	06	96
	1417	0	10	08
	1399	0	15	24
	1394	0	11	10
	1395	0	02	16
	Cart track	0	01	08
	1678	0	05	58
	Cart track	0	02	52
	16431	0	12	42
	16432	0	14	22

[No.O-12016/37/97-ONG-D-IV]

M.MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.आ. 2635.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बी एल ए सी-20 से बी एल ई पी-128 से बलोल मुख्य इनसिटु प्लांट तक पेट्रोलियम परिवहन के लिए पाइप लाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962) का

50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में द्वित्व कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट है: वह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी गुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

बी एल ए सी-20 से बी एल ई पी-128 बलोल मुख्य प्लांट तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : महेसाणा तालुका : चाणस्मा

1	2	3	4	5
सदुथला	65	0	09	74
	64	0	03	48
	63	0	02	40
	60	0	13	05
	59	0	11	85
	51	0	21	75
	52	0	13	80
	185	0	04	20
	184	0	14	40
	186	0	10	05
	188	0	11	10
	182	0	16	30
	181	0	11	85

[मं.-O-12016/38/97-ओ.एन.जी.डी.-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2635.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from BLAC-20 to BLEP-128 to Balol main INSITU Plant in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Author-

City, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

### SCHEDULE

Pipeline from BLAC-20 to BLEP-128  
to Balol Main IN-SITU plant,

State : Gujarat District : Mehsana

Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec- tare	Are.	Cent- tiare
1	2	3	4	5
SADUTHALA	65	0	09	84
	64	0	03	48
	63	0	02	40
	60	0	13	05
	59	0	11	85
	51	0	21	75
	52	0	13	80
	185	0	04	20
	184	0	14	40
	186	0	10	05
	188	0	11	10
	182	0	16	30
	181	0	11	85

[No. O- 12016/38/97-O.N.G D.IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.भा. 2636.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में डी आई एंडी (5) से जे एन बी एफ (80) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आणख्य एतद्वारा घोषित किया है।

यशों कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उक्त भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप, मक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

### अनुसूची

डी आई एंडी (5) से जे एन बी एफ (80) तक पाइपलाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात

जिला और तालुका : महेसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आरे	सेन्टीयर
बोदला	203	0	06	00
	204/1	0	07	80
	186/1	0	06	36
	186/3	0	03	60
	180/1&5	0	03	24
	180/2, 3	0	11	88
	115/1	0	12	48
	काटे टैंक	0	00	48
	118	0	08	40
	120	0	09	12
	121	0	06	84
	108	0	04	20
	109	0	20	27
	काटे टैंक	0	00	84
	88	0	01	56
	89/1	0	07	20
	89/2	0	09	24
	91	0	04	32
	92	0	09	24
	93	0	12	96
	94/2	0	08	04
	94/1	0	02	76
	59/1	0	01	92
	59/1	0	05	40
	59/1	0	05	28
	59/2	0	08	64
	58/3	0	03	12

[सं. O-12016/39/97-ओ.एन.जी.सी.-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2636.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from DIAD (5) to JNBF (80) in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to

laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road. Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

### SCHEDULE

Pipeline from DIAD (5) to JNBF (80)

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are centaire	
1	2	3	4	5
Bodala	203	0	06	00
	204/1	0	07	80
	186/1	0	06	36
	186/3	0	03	60
	180/1&5	0	03	24
	180/2&3	0	11	88
	115/1	0	12	48
	Cart track	0	00	48
	118	p	08	40
	120	0	09	12
	121	0	06	84
	108	0	04	20
	109	0	20	27
	Cart track	0	00	84
	88	0	01	56
	89/1	0	07	20
	89/2	0	09	24
	91	0	04	32
	92	0	09	24
	93	0	12	96
	94/2	0	08	04
	94/1	0	02	76
	59/1	0	01	92
	59/1	0	05	40
	59/1	0	05	28
	59/2	0	08	64
	58/3	0	03	12

[No. O-12016/39/97-ONG.D-IV]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का. आ. 2637.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य से संथाल इन सीटु से डिस्ट्रीब्यूशन-1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाठ्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1961 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप, लाइन बिछाने के लिए आक्षेप, सख्त प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी गणन करेगा कि क्या यह यह चाहता है कि उसकी मुत-बाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

### अनुसूची

संथाल इन सीटु से डिस्ट्रीब्यूशन-1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात

जिला व तालुका : महेसाणा

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर आरे	सेन्टीयर
संथाल	690	0	06
	674	0	32
	673	0	19
	671	0	00
	972	0	15
	705	0	01
	फाट्टे ट्रेक	0	01
	704	0	15
	720	0	00
	721	0	08
	703	0	00
	726	0	00
	725	0	12
	724	0	05
	फाट्टे ट्रेक	0	01
	737	0	29
	738	0	08
	757	0	27
	756	0	03
	1018	0	05
	1032	0	04
	1020	0	04
	1031	0	08
	1030	0	24
	982	0	20
	979	0	26
	1051	0	29

[सं. ओ-12016/40/97-ओ.एनजी.डी.-IV]

एम मार्टिन, डेस्क अधिकारी



New Delhi, the 25th September, 1997

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

S.O. 2637.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Santhal IN-SITU to Distribution-I in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

### SCHEDULE

#### Pipeline from Santhal IN-SITU to Distributions -I.

Starte Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cent- tiare
1	2	3	4	5
Santhal	690	0	06	40
	674	0	32	40
	673	0	19	88
	671	0	00	12
	672	0	15	48
	705	0	01	14
	Cart track	0	01	30
	704	0	15	90
	720	0	00	91
	721	0	08	83
	703	0	00	06
	726	0	00	84
	725	0	12	66
	724	0	05	30
	Cart track	0	01	90
	737	0	29	80
	738	0	08	00
	757	0	27	57
	756	0	03	00
	1018	0	05	50
	1032	0	04	50
	1020	0	04	50
	1031	0	08	04
	1030	0	24	80
	982	0	20	60
	979	0	26	78
	1051	0	29	06

का.आ. 2638.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कृप. सं. 18 में से पादरा इपीएस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन लिए एतद् पाइपलाइन अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा I द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है;

बगलें कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे बाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी आयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

कृप. सं. 18 से पादरा इपीएस तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : बड़ोदरा	तालुका : पादरा			
गांव	प्लॉक सं.	है.	घार.	सेन्टी.	
1	2	3	4	5	
डभाशा	983	0	02	30	
	981	0	03	25	
	982	0	11	28	
	काटे ट्रैक	0	01	56	
	1003	0	04	00	
	1002	0	11	65	
	1011	0	03	50	
	1001	0	09	45	
	काटे ट्रैक	0	01	30	
	1020	0	16	03	
	1025	0	04	65	
	1019	0	11	54	
	1026	0	01	69	
	काटे ट्रैक	0	01	13	
	1029	0	05	84	
	1228	0	03	25	
	काटे ट्रैक	0	01	13	
	1248	0	04	94	
	1247	0	05	59	
	1245	0	06	64	
	काटे ट्रैक	0	01	20	
	1240	0	07	44	
	1241	0	11	47	

1	2	3	4	5
डभाशा—जारी	1235	0	09	62
	1236	0	08	36
	1234	0	01	00
कार्ट ट्रैक		0	01	17
	1212	0	01	00
	1213	0	07	08
	1214	0	05	65
	1215	0	01	00
	1180	0	02	76
	1279	0	02	92
	1178	0	02	50
	1177	0	09	65
	1176	0	10	19
	1171	0	04	35
	1172	0	00	54
	1407	0	04	54
	1408	0	05	07
	1425	0	08	32
	1424	0	08	77
	1413	0	13	47
	1414	0	10	50
	1415	0	09	95

[सं-ओ-12016/41/97-ओ.एन.जी.सी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2638.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. 18 to Padra E.P.S. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from Well No. 18 to Padra EPS.

State : Gujarat District - Vadodara  
Taluka : Padra

Village	Block No.	Hec- tare	Are Cent- tiare
1	2	3	4
Dabhasha	983	0	02 30
	981	0	03 25

1	2	3	4	5
	982	0	11	28
	Cart track	0	01	56
	1003	0	04	00
	1002	0	11	65
	1011	0	03	50
	1001	0	09	45
	Cart track	0	01	30
	1020	0	16	03
	1025	0	04	65
	1019	0	11	54
	1026	0	01	69
	Cart track	0	01	13
	1029	0	05	84
	1228	0	03	25
	Cart track	0	01	13
	1248	0	04	94
	1247	0	05	59
	1245	0	06	64
	Cart track	0	01	20
	1240	0	07	44
	1241	0	11	47
	1235	0	09	72
	1236	0	08	36
	1234	0	01	00
	Cart track	0	01	17
	1212	0	01	00
	1213	0	07	08
	1214	0	05	65
	1215	0	01	00
	1180	0	02	76
	1279	0	02	92
	1178	0	02	50
	1177	0	09	65
	1176	0	10	19
	1171	0	04	35
	1172	0	00	54
	1407	0	04	54
	1408	0	05	07
	1425	0	08	32
	1424	0	08	77
	1413	0	13	47
	1414	0	10	50
	1415	0	09	95

[No. O-12016/41/97-ONGD-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.प्र. 2639.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में ब्लॉक सं. 18 से पादरा इपीएस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पादप लाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अथ पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा I द्वारा प्रयुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

कूप सं. 18 से पादरा इमपी एस तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात

जिला : बड़ोदा

तालुका : पादरा

गाँव	ब्लॉक सं.	है.	आर.	सेन्टी.
लतीपुरा	466	0	06	76
	468	0	15	19
	469	0	03	77
	470	0	10	76
	471	0	08	95
	472	0	10	24
	कार्ट ट्रैक	0	01	10
	473	0	07	84
	452	0	01	49
	474	0	08	22
	488	0	09	62
	489	0	02	96
	487	0	11	05
	542	0	08	74
	543	0	00	15
	536	0	08	87
	530	0	08	87
	529	0	00	10
	कार्ट ट्रैक	0	00	91
	531	0	00	22
	522	0	35	36

[सं. ओ-12016/42/97-ओ.एन.जी.सी.-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2639.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. 18 to Padra E.P.S. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390 009

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Well No. 18 to Padra EPS.

State : Gujarat District : Vadodara

Taluka : Padra

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centiare
LATIPURA	466	0	06	76
	468	0	15	19
	469	0	03	77
	470	0	10	76
	471	0	08	95
	472	0	10	24
	Cart Track	0	01	10
	473	0	07	84
	452	0	01	49
	474	0	08	22
	488	0	09	62
	489	0	02	96
	487	0	11	05
	542	0	08	74
	543	0	00	15
	536	0	08	87
	530	0	08	87
	529	0	00	10
	Cart track	0	00	91
	531	0	00	22
	522	0	35	36

[No. O-1016/42/97-ONGD-IV]

M. Martine, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.आ. 2640—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में उत्तर मंधाल ईटीपी से सधान फेज-2 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईपलाईन शक्ति एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों का बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईपलाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिमूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से ही या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

उत्तर सान्थाल ईटीपी से सान्थाल फेज-2 तक पाईपलाईन बिछाने के लिये

राज्य : गुजरात जिला, व तालुका : मेहसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर	सेंटीयर
सान्थाल	455	0	08	46
	457	0	05	20
	456	0	07	05
	458	0	08	75
	462	0	09	40
	463	0	08	00
	464	0	00	50
	465	0	08	10
	467	0	08	80
	466	0	10	80
	469	0	17	60
	474	0	17	00
	478	0	18	60
	479	0	17	60
	488	0	14	60
	489	0	37	70
	490	0	06	10
	491	0	18	68
	492	0	01	00
	493	0	00	90
	494	0	14	32

1	2	3	4	5
	495	0	12	20
	496	0	27	90
	कार्ट ट्रैक	0	16	40
	679	0	06	24
	678	0	22	73
	677	0	35	43
	676	0	19	92
	689	0	08	04

[सं. ओ-12016/43/97-ओ.एम. जी.डी-IV]

एम. मादिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2640.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal E.T.P. to Santhal Phase II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from North Santhal ETP to Santhal Phase II.

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tar	Arc Cen- tiare
SANTHAL	455	0	08 46
	457	0	05 20
	456	0	07 05
	458	0	08 75
	462	0	09 40
	463	0	08 00
	464	0	00 50
	465	0	08 10
	467	0	08 80
	466	0	10 80
	469	0	17 60
	474	0	17 00

1	2	3	4	5
Santhal	478	0	18	60
	479	0	17	60
	488	0	14	60
	489	0	37	70
	490	0	06	10
	491	0	18	68
	492	0	01	00
	493	0	00	90
	494	0	14	32
	495	0	12	20
	496	0	27	90
	Cart track	0	16	40
	679	0	06	24
	678	0	22	73
	677	0	35	43
	676	0	19	92
	689	0	08	04

[No. O-12016/43/97-ONGD-IV]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.आ. 2641.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में लनवा ईटीपी से बलोल इन सीतु तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन आयन एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आणख एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयन एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

2419 GI/97-12

अनुसूची				
लनवा ई टी पी प्लांट से बलोल इन सीतु तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।				
राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाणा	तालुका : चानास्मा		
गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	अरे	सेन्टीयर
सदुथला	84/पी	0	13	84
	82/1/2	0	16	89
	110	0	16	12
	कार्ट ट्रैक	0	02	68
	111	0	03	64
	112	0	16	32
	113	0	03	96
	114	0	25	07
	152	0	14	49
	151	0	32	97
	157	0	15	16
	174/पी	0	08	83
	162	0	06	84
	173	0	10	75

[सं. ओ.-12016/44/97-ओ एन जी डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2641.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lanwa ETP to Balol IN SITU in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390 009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Lanwa ETP Plant to  
Balol In-SITU (MAIN)

State : Gujarat District : Mehsana

Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Centi- tiare
1	2	3	4	5
Sadutnala	84/P	0	13	84
	82/1/2	0	16	89

1	2	3	4	5
Saduthala (Contd.)	110	0	16	12
Cart track		0	02	68
111		0	03	64
112		0	16	32
113		0	03	96
114		0	25	07
152		0	14	49
151		0	32	97
157		0	15	16
174/P		0	08	83
162		0	06	84
173		0	10	75

[No. O-12016/4497-ONGD-IV]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.आ. 2642.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बलोल इन सीतु से बलोल जी जी एस-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन और एल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उक्त भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, औद्योगिक एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर बत सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी मुसद्दी व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

बलोल इन सीतु से बलोल जी जी एस-II तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य गुजरात	जिला : मेहसाणा	तालुका : चानस्मा		
गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	आरे	सेन्टीयर
सधुथला	171	0	06	75
	170 पी	0	15	60
	कार्ट ट्रैक	0	01	00

[सं० ओ-12016/45/97-ओ एन जी-सी-IV]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2642.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Balol IN-SITU to Balol GGS II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Balol IN-SITU to Balol GGS. II

State : Gujarat District : Mehsana  
Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
SADUTHALA	171	0	06	75
	170/P	0	15	60
	Cart track	0	01	00

[No. O-12016/44/97-ONGD-IV]  
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.आ. 2643.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में संधाल इन सीतु से डिस्ट्रीब्यूटर-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

बजाल इन सोनु से बजाल जॉर्जीएच-II तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

#### अनुसूची

संथाल इनसीट से वितरण II तक पाइप लाइन बिछाने के लिए,  
राज्य : गुजरात जिला और ताल्लुक : मेहसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेटर	आर	सेंटीघर
संथाल	689	0	09	85
	676	0	19	90
	686	0	12	60
	677	0	07	50
	684	0	24	05
	678	0	01	35
	679	0	18	60
	682	0	25	50
	681	0	18	80

[सं. ओ-12016/46/97-ओ एन जी डी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2643.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Santhal IN-SITU to Distribution-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Santhal IN-SITU to Distribution-II

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are.	Centiare
SANTHAL	689	0	09	85
	676	0	19	90
	686	0	12	60
	677	0	07	50
	684	0	24	05
	678	0	01	35
	679	0	18	60
	682	0	25	50
	681	0	18	80

[No. O-12016/46/97-ONG.D.IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.आ.सं. 2644:- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में शोभासण-107 से शोभासण सीटीएफ तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत

## अनुसूची

## SCHEDULE

शोभासण -107 मे शोभासण सी टी एफ तक पाइप लाइन बिछाने के लिये

राज्य : गुजरात जिला-तालुका : महेसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आरे	मेंटीआरे
हेबुआ	177	0	10	20
	175	0	05	52
	177	0	08	52
	161	0	08	04
	165	0	05	88
	164	0	10	12
	167	0	07	20
	166	0	16	32
	115	0	10	32
	111	0	07	20
	110	0	09	00
	106	0	09	90
	99	0	01	95
	99	0	04	20
	96	0	03	60
	100	0	14	25
	96	0	04	20

[सं. ओ-12016/47/97-ओएनजीडी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2644.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SOB-107 to SOB-CTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal practitioner.

Pipline from SOB-107 to SOB. CTF,  
State : Gujarat District & Taluka :Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
HEBUVA	177	0	10	20
	175	0	05	52
	177	0	08	52
	161	0	08	04
	165	0	05	88
	164	0	10	12
	167	0	07	20
	166	0	16	32
	115	0	10	32
	111	0	07	20
	110	0	09	00
	106	0	09	90
	99	0	01	95
	99	0	04	20
	96	p	03	60
	100	0	14	25
	96	0	04	20

[No. O-12016/47/97-ONG.D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.आ. 2645:- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बलोल इन सीतु से बलोल जीजीएम-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाईन आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पात्र अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा, रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।



और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

### अनुसूची

बलोल इन सीतु से बलोल जीजीएस-2 तक पाइप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : मेहेसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेंटियर
1	2	3	4	5
देलासी	50 1	0	17	50
	50/2	0	00	40
	51	0	17	50
	54	0	17	88
	62/पी	0	06	35
	55	0	01	42
	61	0	22	78
	67	0	14	15
	68	0	04	95
कार्ट ट्रैक		0	01	60
	152/1	0	05	20
	152/2	0	10	10
	139/1	0	09	10
	129/2	0	08	80
	138	0	09	75
	137/1	0	06	60
	131	0	14	35
	128/2	0	07	50
	127/1	0	02	40
	127/2	0	12	55
	120	0	00	22
	121	0	18	65
	114	0	07	05
कार्ट ट्रैक		0	01	80
	221/1/2	0	15	15
	222/2	0	17	65
	225/1	0	11	00
	225/3	0	06	00
	225/5	0	06	30
	232/2	0	13	20
	232/4	0	15	20
	253/1	0	00	95
कार्ट ट्रैक		0	01	20
	247	0	23	60

1	2	3	4	5
	248/1	0	11	20
	248/2	0	11	20
	कार्ट ट्रैक	0	01	80
	276/1	0	16	40
	276/2	0	16	00
	277/1	0	15	20

[सं. ओ-12016/48/97-ओ एनजीडी-4]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2645.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Balol IN-SITU to Balol GGS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.,

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal practitioner.

### SCHEDULE

Pipeline from Balol IN-SITU to Balol. GGS.II.

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Centi- tiare
1	2	3	4	5
DELOLI	50/1	0	17	50
	50/2	0	00	40
	51	0	17	50
	54	0	17	88
	62/P	0	06	35
	55	0	01	42
	61	0	22	78
	67	0	14	15
	68	0	04	95
	Cart track	0	01	60
	152/1	0	05	20
	152/2	0	10	10
	139/1	0	09	10
	139/2	0	08	80
	138	0	09	75

1	2	3	4	5
	137/1	0	06	60
	131	0	14	35
	128/2	0	07	50
	127/1	0	02	40
	127/2	0	12	55
	120	0	00	22
	121	0	18	65
	114	0	07	05
	Cart track	0	01	80
	221/1/2	0	15	15
	222/2	0	17	65
	225/1	0	11	00
	225/3	0	06	00
	225/5	0	06	30
	232/2	0	13	20
	232/4	0	15	20
	253/1	0	00	95
	Cart track	0	01	20
	247	0	23	60
	248/1	0	11	20
	248/2	0	11	20
	Cart track	0	01	80
	276/1	0	16	40
	276/2	0	16	00
	277/1	0	15	20

[No. O-12016/48/97-ONG.D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.आ.सं०:-2646 यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एसबीबीबी-157 से शोभासण जीजीएस-2 वाया सोभासण-144 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाईन अयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, अयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

एस बीबीबी (157) से शोभासण जीजीएस-II वाया शोभासण-144 तक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला-तालुका : महेसाणा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर	सेंटीयर
जगुहण	347	0	02	88
	348	0	14	40
	कार्ट ट्रैक	0	00	36
	352	0	07	20
	352	0	07	08
	382	0	05	88
	383	0	21	48
	384	0	06	48
	391	0	10	56

[सं. ओ-12016/49/97-ओ एन जीडी-4]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2646.-Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SBBB-157 to SOBH GGS-II VIA SOBH-144 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to require the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## अनुसूची

Pipeline from SBBB (157) to SOBH.

GGs II Via SOBH. 144.

State : Gujarat District &amp; Taluka : MEHSANA

बलोल इन सीत् से बलोल जीपीएस-2 तक पाइप लाइन बिठाने के लिये।

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : महेसाणा

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Centi- are
JAGUDAN	347	0	02	88
	348	0	14	40
	Cart track	0	00	36
	352	0	07	20
	352	0	07	08
	382	0	05	88
	383	0	21	48
	384	0	06	48
	391	0	10	56

गांव	सर्वे.	हेक्टेयर	आर	सेंटियर
डाशनपुरा	487/पी	0	10	40
	485	0	07	83
	486	0	09	72
	484	0	03	90
	477	0	17	35
	478	0	07	00
	479	0	12	40
	457	0	04	08
	456	56	08	90
	455	0	12	60
	426	0	06	48
	430	0	11	50
	429	0	11	70
	416	0	08	40
	435	0	01	50
	415	0	00	06
	काट ट्रेक	0	01	50
	436	0	12	20
	437	0	03	80
	438	0	10	90
	439	0	15	30
	441	0	00	20
	440	0	17	10
	396	0	11	00
	395	0	12	20
	397	0	03	42
	248	0	31	70

[No. O-12016/49/97-ONG.D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

## अधिसूचना

का.आ. 2647.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बलोल इन सीत् से बलोल जीपीएस-2 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन आयल गण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी साईनों को बिठाने के प्रयोजन के लिए एतद्पात्र अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा I द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्त कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिठाने के लिये आक्षेपसम्य प्राधिकारी, आयल गण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाव, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मापदंड।

[सं. ओ-12016/50/97-ओएनजीसी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2647.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Balol IN-STU to Balol GGS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, for laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline From Balol In-Situ To Balol GGS. II.

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey	No.	Hectare	Ac	Centiar
Gamanpura	487/P	0	10	40	
	485	0	07	83	
	486	0	09	72	
	484	0	03	90	
	477	0	17	35	
	478	0	07	60	
	479	0	12	40	
	457	0	04	08	

1	2	3	4	5
	456	056	08	90
	455	0	12	60
	426	0	06	48
	430	0	11	50
	429	0	11	70
	416	0	08	40
	435	0	01	50
	415	0	00	06
	Cart track	0	01	50
	436	0	12	20
	437	0	03	80
	438	0	10	90
	439	0	15	30
	441	0	00	20
	440	0	17	10
	396	0	11	00
	395	0	12	20
	397	0	03	42
	248	0	31	70

[No. O-12016/50/97-ONG.D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

#### पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 सितम्बर 1997

का.आ. 2648.-केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (अब से इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 1 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2852 तारीख 10 अक्टूबर, 1995 द्वारा विशाखापट्टनम से पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन आंध्र प्रदेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन की अपने आशय की घोषणा की थी, और उक्त राजपत्र में अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 25 नवम्बर, 1995 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है,

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने को बनाए रखा जावे बिना किसी भी प्रकार से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

#### अनुसूची

मण्डल : कासिमकोटा राज्य : आंध्र प्रदेश जिला : विशाखापट्टनम।

ग्राम	सर्वे सं./सब डिवीजन	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	आर	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
थोडा	127.4 भाग	00	18.0	00	44

[फा.सं. आर. 31015/6/95-ओ आर II

के.सी. कटोच, अवर सचिव

# MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 11th September, 1997

S.O. 2648.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2852 dated the 10th October, 1995 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of Petroleum products from Visakhapatnam to Vajayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited ;

And whereas, copies of the said gazette notification were made available to the public on the 25th day of November, 1995;

And whereas, the competent authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And further whereas, the Central Government has after considering the said report

decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying pipelines;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

## SCHEDULE

Mandal : Kasimkota District : Visakhapatnam  
State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division	Area			
		Hectare	Ares	Acres	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
THEEDA	127/4 Part	00	18.0	00	44

[F. No. R-31015/6/95-OR II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली; 25 सितम्बर, 1997

का. घा. 2649.—पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अंतर्गत पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के का. घा. संख्या 848 दिनांक 7-3-96 द्वारा भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा केन्द्रीय सरकार ने पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन से उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग का अधिकार अर्जित करने संबंधी अपने आशय की घोषणा की थी।

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा-6 की उप-धारा (1) के तहत अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कर दी थी।

और यह कि चूंकि केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निर्णय लिया है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए घोषणा करती है कि इस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन एतद्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए किया है।

और इसके अतिरिक्त उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार के स्थान पर सभी बाधाओं में मुक्त गैस अर्थोमेट्री आफ इंडिया लिमिटेड में निहित होगा।

## प्रनुसूची

आई.एस.आर.एम. टेप आफ़ पोटेंट से शक्ति कैमिकल्स एण्ड चोला पाइप्स गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

राज्य	जिला	तालुक	ग्राम	सर्वे सं.	एरिया		विवरण
					हेक्टा. में	एकड़ सैन्ड. में	
तमिलनाडु	नगई इक्काद ई मिलह	नान्नीलम	122 नारीमानम	17.2बी	0.09.0	0.22	
				17.2 सी	0.08.0	0.20	
				17.डी	0.16.0	0.39	
				58.3	0.03.5	0.09	
				59.1बी	0.05.0	0.12	
				59.2	0.05.0	0.12	
				59.4	0.15.0	0.37	

[सं. एन-14016/7/96-जी.पी.]

आई.एस.एन. प्रसाद, उप सचिव

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2649.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 248 dated 7-3-96 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this appended notification hereby acquired for laying the pipeline.

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

## SCHEDULE

ISRM TAP OFF POINT TO SAKTHI CHEMICALS AND CHOLA PIPES NARIMANAM  
GAS PIPE LINE PROJECT

State	District	Taluk	Village	Survey Numbers	Area		Remark
					In Hectare	In Acre Cent	
1	2	3	4	5	6	7	8
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E Milleth	Nannilam	122 Narimanam	17.2B	0.09.0	0.22	
				17.2C	0.08.0	0.20	
				17.2D	0.16.0	0.39	
				58.3	0.03.5	0.09	
				59.1B	0.05.0	0.12	
				59.2	0.05.0	0.12	
				59.4	0.15.0	0.37	

[No. L-14016/7/96-G.P.]

I. S. N. PRASAD, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.आ. 2650.—पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अंतर्गत पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के का. आ. संख्या 849, दिनांक 7-3-96 द्वारा भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा केन्द्रीय सरकार ने पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन से उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग का अधिकार अर्जित करने संबंधी अपने आशय की घोषणा की थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के तहत अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कर दी थी;

और यह कि चूंकि केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निर्णय लिया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए घोषणा करती है कि इस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन एतद्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए किया है;

और इसके अतिरिक्त उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार के स्थान पर सभी बाधाओं से मुक्त गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड में निहित होगा।

## अनुसूची

भुवनागिरी वेल नं. 2 से सुमंगला स्टील्स गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

राज्य	जिला	तालुक	ग्राम	सर्वे नं.	एरिया		विवरण
					हेक्टे. में	एकड़ सैन्ट. में	
तमिलनाडु	साउथ अरकोट जिल्ला	चिदम्बरम	37-बी आधिवरंगनाथम	153-3बी	0.03.5	0.09	
				153-1ए	0.04.0	0.10	
				140-1	0.01.5	0.03	
				140-3	0.18.0	0.44	
				144-1ए	0.00.5	0.01	

[सं. एल-14016/7/96-जी.पी.]

आई.एस.एन. प्रसाद, उप सचिव

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2650.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 849 dated 7-3-96 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this appended notification hereby acquired for laying the pipeline.

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

**SCHEDULE**  
**BHUVANAGIRI WELL NO. 2—SUMANGALA STEELS, BHUVANAGIRI**  
**GAS PIPE LINE PROJECT**

State	District	Taluk	Village	Survey Number	Area		Remarks
					In Hectares	In Acre Cent	
1	2	3	4	5	6	7	8
Tamil Nadu	South Arcot Vallalar	Chidambaram	37 B	153-3B	0.03.5	0.09	
			Adhivarana-Tham	153-1A	0.04.0	0.10	
				140-1	0.01.5	0.03	
				140-3	0.18.0	0.44	
				144-1A	0.00.5	0.01	

[No. L-14016/7/96-G.P.]

I. S. N. PRASAD, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.आ. 2651.—पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा-3 की उपधारा (1) के अंतर्गत पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के का.आ. संख्या 854, दिनांक 8-3-96 द्वारा भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा केन्द्रीय सरकार ने पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन से उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग का अधिकार अर्जित करने संबंधी अपने आशय की घोषणा की थी।

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के तहत अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कर दी थी।

और यह कि चूंकि केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निर्णय लिया है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा-6 उपधारा-(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा करती है कि इस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन एतद्वारा पाइप लाइन बिछाने के लिए किया है?

और इसके अतिरिक्त उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख में केन्द्रीय सरकार के स्थान पर सभी बाधाओं से मुक्त गैस मथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड में निहित होगा।

## अनुसूची

के.एस.सी.एल. टेप ऑफ पोन्ट से मीनाक्षी सिलिकेट, पोलागम गैस पाइपलाइन परियोजना

राज्य	जिला	तालुका	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल		टिप्पणी
					हेक्टर में	सेन्टी. एकड़ में	
पांडिचेरी	पांडिचेरी	कराइकेल	35 पोलागम	143-1	0.11.0	0.24	
				155-1	0.36.0	0.76	
				155-2	0.01.0	0.02	
				164-1ए	0.09.0	0.22	
				164-1बी	0.02.5	0.06	
				166-4	0.05.5	0.13	

[सं. एल-14016/7/96-जी.पी.]

आई.एस.एन. प्रसाद, उप सचिव



New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2651.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 854 dated 8-3-96 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this appended notification hereby acquired for laying the pipeline.

And, further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

## SCHEDULE

**KSCL TAP OFF POINT TO MEENAKSHI SILICATES, POLAGAM  
GAS PIPE LINE PROJECT**

State	District	Taluk	Village	Survey Number	Area		Remarks
					In Hectares	In Acre Cent	
1	2	3	4	5	6	7	8
Pondicherry	Pondicherry	Karaikal	35 Polagam	143-1	0.11.0	0 24	
				155-1	0.36.0	0.76	
				155-2	0.01.0	0.02	
				164-1A	0.09.0	0.22	
				164-1B	0.02.5	0.06	
				166-4	0.05.5	0.13	

[No. L-14016/7/96-G.P.]

I. S. N. PRASAD, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1997

का.आ. 2652.—चूँकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहिन में यह आवश्यक है कि नेल्लूर ग्रामी प्रोडक्शन सिस्टम से थिरुमाको टटाई टी एन ई बी से तमिलनाडु राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और चूँकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम और अन्निज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित करती है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हस्तबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, मागापट्टिनम को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## धनुसूची

नैल्लूर अरली प्रोडक्शन सिस्टम से यिरुमाकोट्टाई टी एन ई बी गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

राज्य	ज़िला	तालुक	ग्राम संख्या तथा नाम	सर्वे नं	एरिया		टिप्पणी
					हेक्टे. में	एकड़ सैन्ट में	
1	2	3	4	5	6	7	8
तमिलनाडु	यिरुमाकोट्टाई	मन्नारगुडी	74, नैल्लूर	25. 2ए	0. 03. 0	0. 08	
				25. 4ए	0. 10. 5	0. 26	
				5. 6	0. 04. 0	0. 10	
				5. 7	0. 14. 0	0. 35	
				7. 1	0. 06. 5	0. 16	
				7. 2ए	0. 09. 5	0. 23	
				7. 2बी	0. 00. 5	0. 01	
				8. 1	0. 07. 0	0. 18	
				8. 2	0. 10. 5	0. 26	
				131. 2ए	0. 12. 5	0. 31	
				131. 2बी	0. 03. 0	0. 08	
				129. 3	0. 02. 0	0. 05	
				129. 6	0. 05. 5	0. 14	
				129. 7	0. 11. 5	0. 29	
				150. ए. 1	0. 00. 5	0. 01	
				150. ए. 2	0. 07. 5	0. 19	
				150. ए. 3	0. 07. 5	0. 19	
				150. बी. 2	0. 03. 0	0. 06	
				154. एफ. 5	0. 07. 0	0. 18	
				153. 1	0. 02. 0	0. 05	
				153. 2	0. 02. 0	0. 05	
				153. 3	0. 02. 0	0. 05	
				152. 1	0. 18. 0	0. 44	
				152. 2	0. 01. 5	0. 04	
				155ई. 3	0. 07. 5	0. 19	
				153ई. 5	0. 05. 5	0. 14	
				153ई. 6	0. 07. 5	0. 19	
				156. 3	0. 02. 5	0. 06	
				156. 4ए	0. 04. 0	0. 10	
				156. 4बी	0. 02. 5	0. 06	
				156. 6	0. 02. 0	0. 05	
				156. 10	0. 04. 5	0. 11	
				155डी. 4	0. 05. 0	0. 12	
				157. जे. 2	0. 07. 0	0. 18	
				1571. 1	0. 02. 5	0. 06	
				1571. 2	0. 05. 5	0. 14	
				1571. 3ए	0. 04. 5	0. 11	
				157एच. 1	0. 06. 0	0. 14	
				157. एम. 3	0. 01. 0	0. 02	
				157एम. 4	0. 07. 5	0. 19	
				157. एन. 1	0. 12. 0	0. 30	
				157. एन. 3	0. 00. 5	0. 01	
				95. 3	0. 10. 0	0. 25	

1	2	3	4	5	6	7	8
तमिलनाडु	विरुवाहूर	मन्नारगुडी	073, ओरेपूर	203.2डी	0304.0	0.10	
				203.6बी	0.01.5	0.04	
				203.7	0.10.5	0.26	
				203.8	0.00.5	0.01	
				205.1ए	0.05.5	0.13	
				205.1बी1	0.02.0	0.04	
				205.1बी2	0.00.5	0.01	
				205.6	0.04.0	0.10	
				165.1	0.03.0	0.08	
				165.2	0.03.0	0.08	
				165.3	0.0675	0.18	
				170.1ए	0.09.0	0.22	
				170.2ए	0.05.0	0.12	
				170.2बी	0.01.0	0.02	
				171.4	0.04.5	0.11	
				171.5	0.07.5	0.19	
				171.6	0.08.0	0.20	
				171.9	0.06.0	0.14	
				171.10	0.01.5	0.04	
				116.3	0.03.0	0.08	
तमिलनाडु	विरुवाहूर	मन्नारगुडी	72, कैलवाधूर	144.1	0.12.5	0.31	
				143	0.15.0	0.32	
				141.1ए	0.09.0	0.22	
				15.1	0.01.5	0.04	
				16	0.07.5	0.18	
				17	0.15.5	0.33	
				18.3	0.05.5	0.13	
				20.2ए	0.07.5	0.18	
				20.2सी	0.08.0	0.20	
				21.2	0.09.0	0.22	
				40.3बी	0.07.5	0.18	
				40.3सी	0.00.5	0.02	
				41.3ए	0.09.5	0.23	
				42.3	0.07.0	0.17	
				43.2	0.06.5	0.16	
				43.4	0.13.0	0.32	
				45.	0.06.0	0.15	
तमिलनाडु	विरुवाहूर	मन्नारगुडी	071, वैनपराई	427.2सी	0.17.0	0.42	
				434.2	0.02.5	0.06	
				434.3	0.04.5	0.11	
				434.4	0.04.5	0.11	
				434.5	0.04.5	0.11	
				434.6	0.03.0	0.08	
				434.7	0.01.0	0.02	
				233.9ए	0.04.5	0.11	
				284.5बी	0.00.5	0.01	

1	2	3	4	5	6	7	8
				284. 6ए	0. 01. 0	0. 02	
				284. 6बी	0. 05. 0	0. 12	
				284. 7सी	0. 00. 5	0. 01	
				284. 8ए	0. 06. 0	0. 15	
				284. 8बी	0. 05. 5	0. 14	
				284. 9बी	0. 04. 0	0. 10	
				284. 10	0. 07. 5	0. 19	
				284. 11ए	0. 01. 0	0. 02	
				284. 14	0. 05. 0	0. 12	
				284. 15	0. 01. 0	0. 02	
				268.	0. 10. 5	0. 26	
				267. 1	0. 04. 0	0. 10	
				267. 2	0. 01. 0	0. 02	
				267. 3	0. 09. 5	0. 23	
				269.	0. 11. 0	0. 27	
तमिलनाडु	थिरुवारनूरु	मन्नारगुडी	071, थैत्ताराई	270.	0. 12. 0	0. 30	
				251.	0. 08. 0	0. 20	
				254.	0. 09. 5	0. 24	
				253.	0. 28. 5	0. 70	
				256.	0. 04. 0	0. 10	
				209. 2ए	0. 09. 0	0. 22	
				209. 2 बी	0. 03. 5	0. 09	
				209. 2 सी	0. 05. 5	0. 13	
				210. 1 ए	0. 04. 5	0. 11	
				210. 1 बी	0. 08. 0	0. 20	
				210. 1 सी	0. 01. 5	0. 04	
				206. 5	0. 03. 0	0. 08	
				211. 1	0. 03. 0	0. 08	
				211. 2 ए	0. 07. 5	0. 19	
				211. 2 बी	0. 12. 0	0. 30	
				211. 3	0. 03. 5	0. 09	
				211. 4	0. 00. 5	0. 01	
				212. 1	0. 04. 0	0. 10	
				212. 2 ए	0. 01. 0	0. 02	
				212. 2 बी	0. 00. 5	0. 01	
				203.	0. 16. 0	0. 40	
				196. 1ए	0. 03. 0	0. 08	
				196. 3 ए	0. 05. 5	0. 14	
				196. 3 बी	0. 0. 5	0. 01	
				197. 5 ए	0. 17. 0	0. 42	
तमिलनाडु	थिरुवारनूरु	मन्नारगुडी	66; बैल्लूर	168.	0. 22. 0	0. 55	
				173. 1 ए	0. 05. 5	0. 14	
				173. 13	0. 00. 5	0. 01	
				175. 1 ए	0. 04. 0	0. 10	
				175. 1 बी	0. 03. 5	0. 13	
				175. 1 सी	0. 04. 5	0. 11	

1	2	3	4	5	6	7	8
तमिलनाडु	थिरुवास्सर	मन्नारगुडी	66, वेल्लूर	175.1 डी	0.03.0	0.08	
				175.1-ई	0.07.5	0.19	
				163.1 ए 1	0.00.5	0.01	
				163.1 ए 2	0.01.5	0.04	
				163.1 ए 3	0.05.0	0.12	
				163.1 ए 5	0.03.5	0.09	
				163.2	0.00.5	0.01	
				163.3 ए	0.05.5	0.13	
				162.2 सी 1	0.05.0	0.12	
				162.2 सी 2	0.06.0	0.14	
				184.1	0.08.0	0.14	
				184.2	0.00.5	0.01	
				184.3	0.09.5	0.24	
				184.4	0.02.0	0.04	
				161.2 बी 9	0.02.5	0.06	
				161.2 बी 10	0.03.5	0.09	
				161.2 बी 11	0.09.0	0.22	
				187.1	0.21.0	0.52	
				187.2	0.00.5	0.01	
				155.4 ए	0.07.0	0.17	
				155.4 बी	0.06.5	0.16	
				154. ए 2	0.02.5	0.06	
				154. ए 3	0.06.5	0.16	
				150. ए 2	0.15.5	0.39	
				150. ए 3	0.07.0	0.17	
				150 बी 1 हए	0.00.5	0.01	
				148 ए. 1 बी 2	0.10.0	0.25	
				148. ए 4	0.01.0	0.02	
				147. 2 ई	0.00.5	0.01	
				151. 1 ए	0.13.5	0.33	
				151. 1 बी	0.12.0	0.30	
				151. 1 सी 4	0.00.5	0.01	
				146. 2 डी 2	0.04.0	0.10	
				146. 2 डी 3	0.03.5	0.09	
				146. 2 ई	0.00.5	0.01	
				143. 2	0.02.5	0.06	
तमिलनाडु	थिरुवास्सर	मन्नारगुडी	66-1, राधा- नरसिमापुरम	516.4	0.05.5	0.13	
तमिलनाडु	थिरुवास्सर	मन्नारगुडी	067, थिरुमा- कोट्टाई	23.1	0.07.5	0.18	
				23.2 ए	0.03.0	0.08	
				23.2 बी	0.04.5	0.11	
				171.1 ए	0.00.5	0.01	
				171.1 बी	0.09.0	0.22	
				171.2	0.01.0	0.03	

	1	2	3	4		
तमिलनाडु	थिरुवारूर	मन्नारगुडी	067, थिरुमा- कोट्टाई	171.3	0.00.5	0.01
				171.6	0.04.0	0.10
				171.7	0.00.5	0.01
				171.14	0.05.0	0.12
				171.5	0.02.0	0.05
				172.3	0.06.0	0.15
				174.1बी1	0.00.5	0.01
				174.1सी	0.04.5	0.11
				174.1डी	0.04.0	0.10
				174.1ई	0.00.5	0.01
				174.1एफ	0.03.0	0.08
				174.1जी	0.06.0	0.15
				173.2बी	0.01.0	0.02
				176.1ए	0.04.5	0.11
				176.2	0.05.5	0.13
				176.3	0.14.0	0.35
				176.4बी	0.03.0	0.08
				177.8	0.01.0	0.02
				190.5	0.06.5	0.16
				190.7	0.01.0	0.02
				191.8सी1	0.06.0	0.15
				191.8सी2	0.02.0	0.05
				191.9बी	0.01.5	0.04
				191.10	0.04.0	0.10
				530.1बी	0.11.5	0.29
				530.2ए	0.03.0	0.08
				530.2बी	0.01.0	0.02
				530.2सी	0.00.5	0.01
				530.2डी	0.11.0	0.27
				530.2एफ	0.01.0	0.02
				511.4ए	0.07.5	0.19
				511.4बी	0.08.0	0.20
				510.3	0.00.5	0.01
				512.1ए	0.00.5	0.01
				513.	0.08.0	0.20

[सं. एल.—14016/2/97—जी. पी.]

आर्क. एम. एन. प्रसाद, उप सचिव

New Delhi, the 25th September, 1997

S.O. 2652.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from Nallur Early Production System to Thirumakottai TNEB in Tamil Nadu State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interest in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., Nagapattinam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## NALLUR EARLY PRODUCTION SYSTEM TO THIRUMAKOTTAI TNEB GAS PIPELINE PROJECT

State	District	Taluk	Village No. & Name	Survey Number	Area		Remarks
					In Hectares	In Acre Cent	
1	2	3	4	5	6	7	8
Tamilnadu	Thiruvavur	Mannargudi	74. Nallur	25 2A	0.03.0	0.08	
				25.4A	0.10.5	0.26	
				5.6	0.04.0	0.10	
				5.7	0.14.0	0.35	
				7.1	0.06.5	0.16	
				7.2 A	0.09.5	0.23	
				7.2 B	0.00.5	0.01	
				8.1	0.07.0	0.18	
				8.2	0.10.5	0.26	
				131.2A	0.12.5	0.31	
				131.2B	0.03.0	0.08	
				129.3	0.02.0	0.05	
				129.6	0.05.5	0.14	
				129.7	0.11.5	0.29	
				150.A.1	0.00.5	0.01	
				150.A.2	0.07.5	0.19	
				150.A.3	0.07.5	0.19	
				150.B.2	0.03.0	0.06	
				154.F.5	0.07.0	0.18	
				153.1	0.02.0	0.05	
				153.2	0.02.0	0.05	
				153.3	0.02.0	0.05	
				152.1	0.18.0	0.44	
				152.2	0.01.5	0.04	
				155E.3	0.07.5	0.19	
				153E.5	0.05.5	0.14	
				153E.6	0.07.5	0.19	
				156.3	0.02.5	0.06	
				156.4A	0.04.0	0.10	
				156.4B	0.02.5	0.06	
				156.6	0.02.0	0.05	
				156.10	0.04.5	0.11	
				155D.4	0.05.0	0.12	
				157 J.2	0.07.0	0.18	
				157I.1	0.02.5	0.06	
				157I.2	0.05.5	0.14	
				157I.3A	0.04.5	0.11	
				157H.1	0.06.0	0.14	
				157M.3	0.01.0	0.02	
				157M.4	0.07.5	0.19	
				157N.1	0.12.0	0.30	
				157N.3	0.00.5	0.01	
				95.3	0.10.0	0.25	

1	2	3	4	5	6	7	8
Tamilnadu	Thiruvavur	Mannargudi	073 Orathur	203.2D	0.04.0	0.10	
				203.6B	0.01.5	0.04	
				203.7	0.10.5	0.26	
				203.8	0.00.5	0.01	
				205.1A	0.05.5	0.13	
				205.1B1	0.02.0	0.04	
				205.1B2	0.00.5	0.01	
				205.6	0.04.0	0.10	
				165.1	0.03.0	0.08	
				165.2	0.03.0	0.08	
				165.3	0.07.5	0.18	
				170.1A	0.09.0	0.22	
				170.2A	0.05.0	0.12	
				170.2B	0.01.0	0.02	
				171.4	0.04.5	0.11	
				171.5	0.07.5	0.19	
				171.6	0.08.0	0.20	
				171.9	0.06.0	0.14	
				171.10	0.01.5	0.04	
				116.3	0.03.0	0.08	
Tamilnadu	Thiruvavur	Mannargudi	72 Keluvathur	144.1	0.12.5	0.31	
				143.	0.13.0	0.32	
				141.1A	0.09.0	0.22	
				15.1	0.01.5	0.04	
				16	0.07.5	0.18	
				17	0.15.5	0.33	
				18.3	0.05.5	0.13	
				20.2A	0.07.5	0.18	
				20.2C	0.08.0	0.20	
				21.2	0.09.0	0.22	
				40.3B	0.07.5	0.18	
				40.3C	0.00.5	0.02	
				41.3A	0.09.5	0.23	
				42.3	0.07.0	0.17	
				43.2	0.06.5	0.16	
				43.4	0.13.0	0.32	
				45.	0.06.0	0.15	



1	2	3	4	5	6	7	8
Tamilnadu	Thiruvarur	Mannargudi	071 Thenparai	427.2C	0.17.0	0.42	
				434.2	0.02.5	0.06	
				434.3	0.04.5	0.11	
				434.4	0.04.5	0.11	
				434.5	0.04.5	0.11	
				434.6	0.03.0	0.08	
				434.7	0.01.0	0.02	
				283.9A	0.04.5	0.11	
				284.5D	0.00.5	0.01	
				284.6A	0.01.0	0.02	
				284.6B	0.05.0	0.12	
				284.7C	0.00.5	0.01	
				284.8A	0.06.0	0.15	
				284.8B	0.05.5	0.14	
				284.9B	0.04.0	0.10	
				284.10	0.07.5	0.19	
				284.11A	0.01.0	0.02	
				284.14	0.05.0	0.12	
				284.15	0.01.0	0.02	
				268.	0.10.5	0.26	
				267.1	0.04.0	0.10	
				267.2	0.0*.0	0.02	
				267.3	0.09.5	0.23	
				269.	0.11.0	0.27	
				270.	0.12.0	0.30	
				251.	0.08.0	0.20	
				254.	0.09.5	0.24	
				253.	0.28.5	0.70	
				256.	0.04.0	0.10	
				209.2A	0.09.0	0.22	
				209.2B	0.03.5	0.09	
				209.2C	0.05.5	0.13	
				210.1A	0.04.5	0.11	
				210.1B	0.08.0	0.20	
				210.1C	0.01.5	0.04	
				206.5	0.03.0	0.08	
				211.1	0.03.0	0.08	
				211.2A	0.07.5	0.19	

1	2	3	4	5	6	7	8
Tamilnadu	Thiruvarur	Mannargudi	071 Thenparai	211.2B	0.12.0	0.30	
				211.3	0.03.5	0.09	
				211.4	0.00.5	0.01	
				212.1	0.04.0	0.10	
				212.2A	0.01.0	0.02	
				212.2B	0.00.5	0.01	
				203.	0.16.0	0.40	
				196.1A	0.03.0	0.08	
				196.3A	0.05.5	0.14	
				196.3B	0.00.5	0.01	
				197.5A	0.17.0	0.42	
Tamilnadu	Thiruvarur	Mannargudi	66 Vallar	168.	0.22.0	0.55	
				173.1A	0.05.5	0.14	
				173.13	0.00.5	0.01	
				175.1A	0.04.0	0.10	
				175.1B	0.05.5	0.13	
				175.1C	0.04.5	0.11	
				175.1D	0.03.0	0.08	
				175.1E	0.07.5	0.19	
				163.1A1	0.00.5	0.01	
				163.1A2	0.01.5	0.04	
				163.1A3	0.05.0	0.02	
				163.1A5	0.03.5	0.09	
				163.2	0.00.5	0.01	
				163.3A	0.05.5	0.13	
				162.2C1	0.05.0	0.12	
				162.2C2	0.06.0	0.14	
				184.1	0.06.0	0.14	
				184.2	0.00.5	0.01	
				184.3	0.09.5	0.24	
				184.4	0.02.0	0.04	
				161.2B9	0.02.5	0.06	
				161.2B10	0.03.5	0.09	
				161.2B11	0.09.0	0.22	
				187.1	0.21.0	0.52	

1	2	3	4	5	6	7	8
Tamilnadu	Thiruvavarur	Mannargudi	66 Vallur	187.2	0.00.5	0.01	
				155.4A	0.07.0	0.17	
				155.4B	0.06.5	0.16	
				154.A.2	0.02.5	0.06	
				154.A.3	0.06.5	0.16	
				150.A.2	0.15.5	0.39	
				150.A.3	0.07.0	0.17	
				150B.1A	0.00.5	0.01	
				148A.1B2	0.10.0	0.25	
				148A.4	0.01.0	0.02	
				147.2E	0.00.5	0.01	
				151.1A	0.13.5	0.33	
				151.1B	0.12.0	0.30	
				151.1C	0.00.5	0.01	
				146.2D2	0.04.0	0.10	
				146.2D3	0.03.5	0.09	
				146.2E	0.00.5	0.01	
				143.2	0.02.5	0.06	
Tamilnadu	Thiruvavarur	Mannargudi	66-1	516.4	0.05.5	0.13	
			Radha Nerasi- mapuram				
Tamilnadu	Thiruvavarur	Mannargudi	067	23.1	0.07.5	0.18	
			Thirumakkottai	23.2A	0.03.0	0.08	
				23.2B	0.04.5	0.11	
				171.1A	0.00.5	0.01	
				171.1B	0.09.0	0.22	
				171.2	0.01.0	0.03	
				171.3	0.00.5	0.01	
				171.6	0.04.0	0.10	
				171.7	0.00.5	0.01	

1	2	3	4	5	6	7	8
Tamilnadu	Ttiruvarur	Mannargudi	Thirumakkottai 067	171.14	0.05.0	0.12	
				171.5	0.02.0	0.05	
				172.3	0.06.0	0.15	
				174.1B1	0.00.5	0.01	
				174.1C	0.04.5	0.11	
				174.1D	0.04.0	0.10	
				174.1E	0.00.5	0.01	
				174.1F	0.03.0	0.08	
				174.1G	0.06.0	0.15	
				173.2B	0.01.0	0.02	
				176.1A	0.04.5	0.11	
				176.2	0.05.5	0.13	
				176.3	0.14.0	0.35	
				176.4B	0.03.0	0.08	
				177.8	0.01.0	0.02	
				190.5	0.06.5	0.16	
				190.7	0.01.0	0.02	
				191.8C1	0.06.0	0.15	
				191.8C2	0.02.0	0.05	
				191.9B	0.01.5	0.04	
				191.10	0.04.0	0.10	
				530.1B	0.11.5	0.29	
				530.2A	0.03.0	0.08	
				530.2B	0.01.0	0.02	
				530.2C	0.00.5	0.01	
				530.2D	0.11.0	0.27	
				530.2F	0.01.0	0.02	
				511.4A	0.07.5	0.19	
				511.4B	0.8.0	0.20	
				510.3	0.00.5	0.01	
				512.1A	0.00.5	0.01	
				513.	0.08.0	0.20	

			(1)	(2)	(3)
नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1997				156 / 3	0.200
				157	0.070
				158 / 1	0.290
				191	0.020
				193	0.430
का. आ. 2653.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में वाडीनार से मध्य प्रदेश राज्य में बीना तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये भारत ओमान रिफाईनरीज लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;				263 / 196	0.050
			गुलजारपुरा	6	0.410
				7 / 2	0.020
				8	0.120
				24	0.010
				25	0.210
				26	0.520
				27	0.060
				28	0.110
				30	0.060
और कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में, उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;				34 / 2	0.140
				34 / 3 अ	0.253
			कानडियाखेड़ी	2	0.100
				8	0.030
				10	0.150
				12 / 3	0.080
				13 / 1	0.060
				13 / 2	0.150
				13 / 3	0.120
				16	0.500
अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन ( भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन ) अधिनियम, 1962 ( 1962 का 50 ) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार अर्जित करने का आशय घोषित करती है ;			रतनपुरा	59	0.250
				60	0.010
				62	0.010
				69	0.030
				70	0.280
				71	0.080
				73	0.260
				80	0.020
				84	0.016
				92	0.010
उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, भारत के राजपत्र में, यथाप्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 21 (इक्कीस) दिन के भीतर, उनमें उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में आक्षेप लिखित रूप से श्री दीपक देशपांडे, सक्षम प्राधिकारी, भारत ओमान रिफाईनरीज लिमिटेड, 31 बार्ड, जैन तख्तमल कॉलोनी, सिविल लाईन, मेन रोड, विदिशा-464001, म. प्र. को कर सकेगा।				94	0.135
				95	0.100
				112 / 83	0.060
			भूकनी	5	0.010
				11 / 2	0.020
				12	0.020
				13	0.010
				21	0.030
				22	0.160
				23	0.130
अनुसूची				24	0.120
				25	0.160
				26	0.150
				27	0.250
तहसील : ब्यावरा      जिला : राजगढ़      राज्य : मध्य प्रदेश					
गाँव का नाम	सर्वे क्रमांक	क्षेत्र			
		हेक्टेयर/आरे			
(1)	(2)	(3)			
बांकपुरा	24 / 2	0.800			
	59	0.260			
	67	0.140			
	68 / 2	0.080			
	140 / 2	0.070			
	141	0.041			
	142	0.080			
	143	0.070			
	154	0.145			
	155	0.010			

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	28	0.010		110	0.170
	34 / 1	0.030		111	0.220
	35	0.250		112	0.260
बरखेड़ी	64	0.020		114	0.070
	66 / 1	0.035		147	0.050
	66 / 2	0.110		149	0.050
	67 / 1	0.120		150	0.100
	67 / 2	0.170		182 / 2	0.100
	68 / 2	0.040		183	0.070
	69 / 1	0.030		184	0.090
	95 / 1	0.010		185	0.120
	95 / 2	0.080		186	0.090
	96 / 1	0.110		187	0.085
	96 / 2	0.070		189	0.020
	97	0.020		559	0.220
	104	0.330		564 / 2	0.020
	105	0.160		602	0.280
	108 / 1	0.010		606	0.100
	108 / 2	0.130		607	0.360
	112	0.280		608	0.120
	118	0.050		613	0.350
	119 / 1	0.050		618 / 2	0.280
	119 / 2	0.060		618 / 3	0.290
	121	0.031		618 / 4	0.290
	122 / 1	0.120		618 / 5	0.100
	122 / 2	0.130		622 / 2	0.470
	123	0.010		623 / 1	0.180
	124	0.060		624 / 2	0.020
	127	0.010		628 / 2	0.020
	142	0.040		772 / 614	0.250
	144	0.030		773 / 614	0.050
	145	0.280		774 / 614	0.020
	150	0.010		777 / 615	0.440
	151	0.110	देयरी खेड़ा	9 / 2	0.040
	152	0.140		9 / 3	0.350
	154	0.290		10	0.010
	155	0.220		11	0.010
	160	0.250		30 / 2	0.100
	163	0.050		30 / 4	0.380
	164	0.070		40 / 1	0.650
	165	0.010		41	0.280
	210 / 153	0.015		42 / 4	0.140
नापानेरा	85	0.290		82 / 1	0.190
	86	0.530		82 / 3	0.020
	87	0.070		82 / 5	0.500
	96	0.270		85 / 2 / 1	0.060
	97	0.150		85 / 2 / 2	0.070
	98	0.130		86 / 3	0.040
	109	0.120		86 / 4	0.370

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	116 / 41 / 1	0.150		222	0.240
	116 / 41 / 2	0.120		223 / 2	0.220
	116 / 41 / 3	0.095		225	0.700
	116 / 41 / 4	0.175		226	0.010
	130 / 41	0.480		227	0.090
	134 / 41	0.280		228	0.020
गोलाखेड़ा	1 / 1	0.010		236	0.360
	1 / 2	0.330		528	0.180
	1 / 316	0.170	पिपलिया पेड़ात	32	0.051
	1 / 4 / 1	0.180		57	0.040
	1 / 4 / 2	0.180		58	0.070
	1 / 5	0.160		59	0.430
	1 / 6	0.050		60	0.130
	1 / 12 / 1	0.590		61 / 1	0.230
	1 / 13	0.030		62 / 1	0.140
	1 / 14	0.290		62 / 2	0.120
	1 / 18 / 1	0.425		63 / 2	0.350
	1 / 26	1.130		63 / 4	0.240
	1 / 27	0.040		64	0.090
	1 / 29	0.250		65 / 5	0.120
	1 / 33	0.400		68	0.590
	1 / 36	0.010		81	0.051
	2	0.260		89	0.170
	13 / 1	0.080		91	0.025
	182 / 2	0.220		92	0.024
रायपुरा	49	0.041		93	0.060
	50	0.230		94 / 1	0.310
	51	0.190		94 / 2	0.290
	52 / 1 / 1	0.140		276 / 11	0.320
	53 / 2	0.300	भगवानपुरा	5	0.470
	53 / 5 / 2	0.320		6	0.260
	62	0.170		12 / 2	0.100
	64 / 1 }			18	0.320
	64 / 2 }	0.520	सावपुरा उर्फ रामपुरा	4 / 4	0.110
	76	0.100		10 / 3	0.160
	77	0.330		15	0.330
	78	0.950		24	0.260
	79	0.400		25 / 1	0.410
	80	0.230		25 / 2	0.230
	81	0.180		25 / 3	0.070
	173 / 1	0.310		27	0.025
	173 / 2	0.250		38	0.150
	176	0.150		45	0.140
	177	0.290		46	0.050
	178	0.140		48 / 1	0.760
	183	0.010		48 / 2	0.040
	184	0.300		50	0.010
	185	0.230		53 / 1	0.080
	186	0.090			
	188	0.420			
	189	0.060			
	191	0.340			

[ सं. आर-31015/27/97-ओआर. II ]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 6th October, 1997

S.O. 2653.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum products from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh, pipelines should be laid by the Bharat Oman Refineries Limited;

And whereas that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the lands described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of the Right of User in Land) Act, 1962 ( 50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the lands described in the said Schedule may within twenty-one days from the date on which the copies of the notification, as published in the gazette of India are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipelines under the land to Shri Deepak Deshpande, competent authority, Bharat Oman Refineries Limited, 31 Ward, Jain Takhtmal Colony, Civil Line, Main Road, Vidisha 464-001, Madhya Pradesh.

## Schedule

Tehsil : Biaora Dist: Rajgarh State : Madhya Pradesh

Name of Village	Survey No.	Area Hectare/Are
(1)	(2)	(3)
Bankpura	24 / 2	0.800
	59	0.260
	67	0.140

(1)	(2)	(3)
	68 / 2	0.080
	140 / 2	0.070
	141	0.041
	142	0.080
	143	0.070
	154	0.145
	155	0.010
	156 / 3	0.200
	157	0.070
	158 / 1	0.290
	191	0.020
	193	0.430
	263 / 196	0.050
Guljarpura	6	0.410
	7 / 2	0.020
	8	0.120
	24	0.010
	25	0.210
	26	0.520
	27	0.060
	28	0.110
	30	0.060
	34 / 2	0.140
	34 / 3 अ	0.253
Kanadiya Khedi	2	0.100
	8	0.030
	10	0.150
	12 / 3	0.080
	13 / 1	0.060
	13 / 2	0.150
	13 / 3	0.120
	16	0.500
Ratanpura	59	0.250
	60	0.010
	62	0.010
	69	0.030
	70	0.280
	71	0.080
	73	0.260
	80	0.020
	84	0.016
	92	0.010
	94	0.135
	95	0.100
	112 / 83	0.060
Bhunkni	5	0.010
	11 / 2	0.020
	12	0.020
	13	0.010



(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	21	0.030		96	0.270
	22	0.160		97	0.150
	23	0.130		98	0.130
	24	0.120		109	0.120
	25	0.160		110	0.170
	26	0.150		111	0.220
	27	0.250		112	0.260
	28	0.010		114	0.070
	34 / 1	0.030		147	0.050
	35	0.250		149	0.050
Barkhedi	64	0.020		150	0.100
	66 / 1	0.035		182 / 2	0.100
	66 / 2	0.110		183	0.070
	67 / 1	0.120		184	0.090
	67 / 2	0.170		185	0.120
	68 / 2	0.040		186	0.090
	69 / 1	0.030		187	0.085
	95 / 1	0.010		189	0.020
	95 / 2	0.080		559	0.220
	96 / 1	0.110		564 / 2	0.020
	96 / 2	0.070		602	0.280
	97	0.020		606	0.100
	104	0.330		607	0.360
	105	0.160		608	0.120
	108 / 1	0.010		613	0.350
	108 / 2	0.130		618 / 2	0.280
	112	0.280		618 / 3	0.290
	118	0.050		618 / 4	0.290
	119 / 1	0.050		618 / 5	0.100
	119 / 2	0.060		622 / 2	0.470
	121	0.031		623 / 1	0.180
	122 / 1	0.120		624 / 2	0.020
	122 / 2	0.130		628 / 2	0.020
	123	0.010		772 / 614	0.250
	124	0.060		773 / 614	0.050
	127	0.010		774 / 614	0.020
	142	0.040		777 / 615	0.440
	144	0.030	Devari Kheda	9 / 2	0.040
	145	0.280		9 / 3	0.350
	150	0.010		10	0.010
	151	0.110		11	0.010
	152	0.140		30 / 2	0.100
	154	0.290		30 / 4	0.380
	155	0.220		40 / 1	0.650
	160	0.250		41	0.280
	163	0.050		42 / 4	0.140
	164	0.070		82 / 1	0.190
	165	0.010		82 / 3	0.020
	210 / 153	0.015		82 / 5	0.500
Napanera	85	0.290		85 / 2 / 1	0.060
	86	0.530		85 / 2 / 2	0.070
	87	0.070		86 / 3	0.040

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	86 / 4	0.370		222	0.240
	116 / 41/ 1	0.150		223 / 2	0.220
	116 / 41/ 2	0.120		225	0.700
	116 / 41/ 3	0.095		226	0.010
	116 / 41/ 4	0.175		227	0.090
	130 / 41	0.480		228	0.020
	134 / 41	0.280		236	0.360
Gola Kheda	1 / 1	0.010		528	0.180
	1 / 2	0.330	Pipaliya pedat	32	0.051
	1 / 316	0.170		57	0.040
	1 / 4 / 1	0.180		58	0.070
	1 / 4 / 2	0.180		59	0.430
	1 / 5	0.160		60	0.130
	1 / 6	0.050		61 / 1	0.230
	1 / 12 / 1	0.590		62 / 1	0.140
	1 / 13	0.030		62 / 2	0.120
	1 / 14	0.290		63 / 2	0.350
	1 / 18 / 1	0.425		63 / 4	0.240
	1 / 26	1.130		64	0.090
	1 / 27	0.040		65 / 5	0.120
	1 / 29	0.250		68	0.590
	1 / 33	0.400		81	0.051
	1 / 36	0.010		89	0.170
	2	0.260		91	0.025
	13 / 1	0.080		92	0.024
	182 / 2	0.220		93	0.060
Raipura	49	0.041		94 / 1	0.310
	50	0.230		94 / 2	0.290
	51	0.190		276 / 11	0.320
	52 / 1 / 1	0.140	Bhagwan pura	5	0.470
	53 / 2	0.300		6	0.260
	53 / 5 / 2	0.320		12 / 2	0.100
	62	0.170		18	0.320
	64 / 1 }		Lalpura(Rampura)	4 / 4	0.110
	64 / 2 }	0.520		10 / 3	0.160
	76	0.100		15	0.330
	77	0.330		24	0.260
	78	0.950		25 / 1	0.410
	79	0.400		25 / 2	0.230
	80	0.230		25 / 3	0.070
	81	0.180		27	0.025
	173 / 1	0.310		38	0.150
	173 / 2	0.250		45	0.140
	176	0.150		46	0.050
	177	0.290		48 / 1	0.760
	178	0.140		48 / 2	0.040
	183	0.010		50	0.010
	184	0.300		53 / 1	0.080
	185	0.230			
	186	0.090			
	188	0.420			
	189	0.060			
	191	0.340			

[ No. R-31015/27/97-OR. II ]

K. C. Katoch, Under Secy.

	(1)	(2)	(3)
		76	0.190
		77	0.506
		80	0.342
		81	0.114
		82	0.468
		83	0.240
		84	0.379
		86	0.025
नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1997	देवी टोरी	145 / 2	0.354
	सादिक गंज	115	0.177
		118	0.405
		119	0.228
		151	0.013
		155	0.278
		156	0.240
		157	0.013
		158	0.126
		166	0.051
		167	0.430
		168	0.025
	पीपला खेड़ा	151	}
		152	
		153	
		157	
		158	
		164	0.357
		167	0.070
		168	0.160
		172	0.025
		310	0.531
		311	0.392
	गाहन	1	0.670
		6	1.012
		11	0.063
		12	0.089
		13	0.152
		14	0.164
		15	0.126
		16	0.101
		20	0.291
		21	0.215
		22	0.025
		36	0.468
		120	0.013
		121	0.139
		122	0.417
		123	0.038
		136	0.051
	जलालपुरा	53	0.152
का. आ. 2654.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में वाड़ीनार से मध्य प्रदेश राज्य में बीना तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए भारत ओमन रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;			
और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाई जानेके प्रयोजन के लिए, इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में, उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;			
अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन ( भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन ) अभिनियम, 1962 ( 1962 का 50 ) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के आदेश की घोषणा करती है ;			
उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति, उस तारीखसे, जिसको भारत के राजपत्र में, यथाप्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के संबंध में या उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित में आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, श्री दीपक देशपाण्डे, मध्य भारत परिष्कारणी परियोजना, भारत ओमन रिफाइनरीज लिमिटेड , 31 वार्ड, जैन तख्तमल कॉलोनी, सिविल लाईन मेन रोड, विदिशा-464001 (मध्य प्रदेश) को कर सकेगा।			
<b>अनुसूची</b>			
तहसील : सिरोंज	जिला : विदिशा	राज्य : मध्य प्रदेश	
गाँव का नाम	सर्वे क्रमांक	क्षेत्र हेक्टेयर/आरे	
(1)	(2)	(3)	
बाबरोद	37	0.392	
	47	0.025	
	50	0.468	
	52	0.114	
	53	0.266	
	54	0.126	
	56	0.139	
	57	0.291	
	74	0.316	
	75	0.063	

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
कल्याणपुर	54	0.303	पामाखेड़ी	1088	1.290
	56	0.304		1090	0.140
	57	0.038		1126	0.026
	58	0.013		1129	0.063
	59	0.253		1130	0.291
	60	0.013		1131	0.026
	61	0.063		1132	0.013
	62	0.190		1133	0.215
	63	0.139		1135	0.417
	64	0.089		1136	0.013
	70	0.076		1137	0.063
	71	0.126		1141	0.745
	99 / 1	0.038		230	0.329
	101	0.646		232	0.025
	103	0.190		245	0.013
	104	0.101		249	0.240
	105	0.607		250	0.312
	110 / 1	0.266		251	0.114
	110 / 2	0.025		253	0.164
	21	0.215		254	0.126
	27	0.152		255	0.190
	29	0.063		257	0.139
	30	0.038		279	0.152
	31	0.552		280	0.506
	34	0.196		281	0.291
	34	0.196		282	0.038
	35	0.316		427	0.220
	37	0.316		428	0.379
	38	0.404		429	0.038
	39	0.202		430	0.013
	39	0.202		431	0.367
	65	0.013		432	0.089
	66	0.481		433	0.342
	67	0.481		454	0.051
	68	0.026		457	0.139
	73	0.063		680	0.089
	74	0.506		681	0.076
	75	0.443		682	0.051
	76	0.443		683	0.089
	77	0.342		684	0.126
	79	0.391		685	0.215
बरना सिरोज	43	0.114		703	0.077
	47	0.316		704	0.026
	48	0.253		705	0.038
	53	0.026		707	0.038
	57	0.405		708	0.620
	59	0.650		719	0.417
	77	0.810		720	0.038
	77	0.810		721	0.582

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	725	0.708		766	0.419
	726	0.114		769	0.316
	730	0.051		839	0.202
	737 / 840	0.013		840	0.696
	738	0.607		858	0.595
	741	0.152		859	0.013
	745	0.177		860	0.152
	746	0.594		861	0.354
	747	0.266		862	0.051
	766	0.177		1627	0.810
	767	0.407		1629	0.272
	769	0.202		1651	0.320
	770	0.038		1652 / 1	0.506
मनी रागपुर	1	0.063		1655	0.190
	3	0.190	रफसोल	20	0.114
	4	0.089		21	0.557
	8	0.013		22	0.228
	9	0.506		23	0.228
	10	0.430		24	0.089
	11	0.114		110	0.051
	13	0.455		118	0.152
बमुपियाउदा	451	0.253		119	0.038
	453	0.544		120	0.228
	491	0.417		121	0.228
	493	0.532		126	0.139
	487	0.089		127	0.076
	488	0.279		128	0.089
	503	0.405		130	0.013
	504	0.329		131	0.468
	505	0.443		143	0.202
	512	0.595		144	0.013
	513	0.026		145	0.101
	518	0.005	एचन बाड़ा	226	0.076
	566	0.329		227	0.114
	563	0.013		233	0.215
बागरोद	116	0.013		235	0.240
	117	0.797		237	0.126
	119	0.417		238	0.113
चाठोली	632	0.949		239	0.076
	636	0.430		240	0.142
	637	0.126		246	0.013
	638	0.190		247	0.228
	639	0.139		248	0.013
	643	0.190		282	0.038
	645	0.430		286	0.253
	647	0.126		287	0.531
	758	0.582		301	0.038
	759	0.013		302	0.253
	760	0.228		303	0.215

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	304	0.126		272	0.038
	308	0.303		273	0.026
	309	0.114		274	0.026
	311	0.164	राजपुरा	107	0.139
	312	0.026		108	1.000
	313	0.164		109	0.279
	318 / 7	0.013		111	0.190
	319 / 1	0.127		113	0.190
	319 / 2	0.294		114	0.253
	320	0.013		116	0.228
	321	0.051		122	0.228
	322	0.114		123	0.051
	323	0.114		124	0.051
	324	0.038		125	0.089
	328	0.164		126	0.038
	327	0.051		127	0.013
	330	0.126		128	0.114
	335	0.038		129	0.063
	336	0.114		132	0.063
	337	0.051		133	0.063
	338	0.051		136	0.139
	340	0.038		137	0.076
अपार्ड सेवा	125	0.094		160	0.025
	128 / 1	0.531		164	0.051
	129 / 1	0.026		165	0.087
	130 / 1	0.576		166	0.177
	131	0.450		167	0.228
	132	0.013		175	0.228
	133	0.215		176	0.202
	134	0.076		177	0.010
	242	0.038	बरेज	142	0.030
	243	0.215		143	0.040
	244	0.114		144	0.140
	246	0.126		408	0.101
	249	0.177		409	0.152
	250	0.038		412	0.038
	251	0.073		413	0.215
	252	0.013		414	0.215
	262	0.089		415	0.177
	263	0.443		416	0.013
	264	0.013		417	0.320
	266	0.038		419	0.177
	267	0.278		427	0.281
	270 / 1	0.140		428	0.417
	270 / 2	0.230		429 / 1	0.190

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	429 / 2	0.519		46	0.051
	430	0.013		47	0.139
	431	0.190		48	0.397
करवातास	28	0.152		50	0.278
	29	0.164		51	0.177
	31	0.405		60	0.319
	56	0.063		61	0.013
	57	0.038		65	0.089
	59	0.188		67	0.038
	60	0.324		68	0.329
	63	0.324		70	0.051
	107	0.304		71	0.190
	108	0.063		91	0.354
	109	0.209		92	0.114
	113	0.021		94	0.114
	118	0.167		95	0.013
	119	0.063		102	0.405
	120 / 1	0.072		103	0.202
	120 / 2	0.052		104	0.202
	121	0.465	नारखेड़ा ताल	61	0.188
	122	0.418		64	0.157
	123	0.042		296	0.139
	126	0.470		396	0.836
	127	0.072		403	0.312
	232	0.582		404	0.031
	241	0.240		405	0.188
	242	0.076		407	0.534
	246	0.266		410	0.114
	255	0.025		425	0.450
	256	0.278		426	0.470
	262 / 789	0.316		427	0.187
	263	0.215		428	0.515
	268	0.360		429	0.013
	269	0.582		430	0.523
	270 / 1	0.051		431	0.013
	291	0.341		432	0.240
	292	0.240		458	0.038
	293	0.076		468	0.721
	294	0.013		469	0.139
तथा नगर	18	0.164		470	0.089
	23	0.240		471	0.493
	24	0.361		472	0.013
	31	0.376		476	0.379
	35	0.038		500	0.367
	42	0.013			
	43	0.330			
	45	0.430			

[ सं. आर- 31015/31/97-ओआर. II ]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 6th October, 1997

S.O. 2654.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum products from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh, pipelines should be laid by the Bharat Oman Refineries Limited;

And whereas, the Central Government for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of the Right of User in Land) Act, 1962 ( 50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Deepak Deshpande, Competent Authority of Central India Refinery Project of Bharat Oman Refineries Limited, 31 Ward, Jain Takhtmal Colony, Civil Line, Main Road, Vidisha 464 001 ( Madhya Pradesh).

## Schedule

Tehsil : Sironj District : Vidisha State : Madhya Pradesh

Name of Village	Survey No.	Area Hectare/Arc
(1)	(2)	(3)
Babrod	37	0.392
	47	0.025
	50	0.468
	52	0.114

(1)	(2)	(3)
	53	0.266
	54	0.126
	56	0.139
	57	0.291
	74	0.316
	75	0.063
	76	0.190
	77	0.506
	80	0.342
	81	0.114
	82	0.468
	83	0.240
	84	0.379
	86	0.025
Devi Tori	145 / 2	0.354
Siddik Ganj	115	0.177
	118	0.405
	119	0.228
	151	0.013
	155	0.278
	156	0.240
	157	0.013
	158	0.126
	166	0.051
	167	0.430
	168	0.025
	151	}
Pipaliya Kheda	152	
	153	
	157	
	158	0.481
	164	0.607
	167	0.038
	168	0.357
	172	0.070
	168	0.160
	172	0.025
	310	0.531
	311	0.392
Patan	1	0.670
	6	1.012
	11	0.063
	12	0.089
	13	0.152
	14	0.164
	15	0.126
	16	0.101
	20	0.291
	21	0.215
	22	0.025



(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
Jalalpur	36	0.468	Kasba Sironj	43	0.114
	120	0.013		47	0.316
	121	0.139		48	0.253
	122	0.417		53	0.026
	123	0.038		57	0.405
	136	0.051		59	0.650
	53	0.152		77	0.810
	54	0.303		77	0.810
	56	0.304		1088	1.290
	57	0.038		1090	0.140
	58	0.013		1126	0.026
	59	0.253		1129	0.063
	60	0.013		1130	0.291
	61	0.063		1131	0.026
	62	0.190		1132	0.013
	63	0.139		1133	0.215
	64	0.089		1135	0.417
	70	0.076		1136	0.013
	71	0.126		1137	0.063
Kalyanpur	99 / 1	0.038	Pama Khedi	1141	0.745
	101	0.646		230	0.329
	103	0.190		232	0.025
	104	0.101		245	0.013
	105	0.607		249	0.240
	110 / 1	0.266		250	0.312
	110 / 2	0.025		251	0.114
	21	0.215		253	0.164
	27	0.152		254	0.126
	29	0.063		255	0.190
	30	0.038		257	0.139
	31	0.552		279	0.152
	34	0.196		280	0.506
	34	0.196		281	0.291
	35	0.316		282	0.038
	37	0.316		427	0.220
	38	0.404		428	0.379
	39	0.202		429	0.038
	39	0.202		430	0.013
	65	0.013		431	0.367
	66	0.481		432	0.089
	67	0.481		433	0.342
	68	0.026		454	0.051
	73	0.063		457	0.139
	74	0.506		680	0.089
	75	0.443		681	0.076
	76	0.443		682	0.051
	77	0.342		683	0.089
	79	0.391		684	0.126

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	685	0.215		636	0.430
	703	0.077		637	0.126
	704	0.026		638	0.190
	705	0.038		639	0.139
	707	0.038		643	0.190
	708	0.620		645	0.430
	719	0.417		647	0.126
	720	0.038		758	0.582
	721	0.582		759	0.013
	725	0.708		760	0.228
	726	0.114		766	0.419
	730	0.051		769	0.316
	737 / 840	0.013		839	0.202
	738	0.607		840	0.696
	741	0.152		858	0.595
	745	0.177		859	0.013
	746	0.594		860	0.152
	747	0.266		861	0.354
	766	0.177		862	0.051
	767	0.407		1627	0.810
	769	0.202		1629	0.272
	770	0.038		1651	0.320
Mani Rampur	1	0.063		1652 / 1	0.506
	3	0.190		1655	0.190
	4	0.089	Rafsol	20	0.114
	8	0.013		21	0.557
	9	0.506		22	0.228
	10	0.430		23	0.228
	11	0.114		24	0.089
	13	0.455		110	0.051
Bamuriyauda	451	0.253		118	0.152
	453	0.544		119	0.038
	491	0.417		120	0.228
	493	0.532		121	0.228
	487	0.089		126	0.139
	488	0.279		127	0.076
	503	0.405		128	0.089
	504	0.329		130	0.013
	505	0.443		131	0.468
	512	0.595		143	0.202
	513	0.026		144	0.013
	518	0.005		145	0.101
	566	0.329	Achan vada	226	0.076
	563	0.013		227	0.114
Bagrod	116	0.013		233	0.215
	117	0.797		235	0.240
	119	0.417		237	0.126
Chathholi	632	0.949		238	0.113

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	239	0.076		250	0.038
	240	0.142		251	0.073
	246	0.013		252	0.013
	247	0.228		262	0.089
	248	0.013		263	0.443
	282	0.038		264	0.013
	286	0.253		266	0.038
	287	0.531		267	0.278
	301	0.038		270 / 1	0.140
	302	0.253		270 / 2	0.230
	303	0.215		272	0.038
	304	0.126		273	0.026
	308	0.303		274	0.026
	309	0.114	Rajpura	107	0.139
	311	0.164		108	1.000
	312	0.026		109	0.279
	313	0.164		111	0.190
	318 / 7	0.013		113	0.190
	319 / 1	0.127		114	0.253
	319 / 2	0.294		116	0.228
	320	0.013		122	0.228
	321	0.051		123	0.051
	322	0.114		124	0.051
	323	0.114		125	0.089
	324	0.038		126	0.038
	328	0.164		127	0.013
	327	0.051		128	0.114
	330	0.126		129	0.063
	335	0.038		132	0.063
	336	0.114		133	0.063
	337	0.051		136	0.139
	338	0.051		137	0.076
	340	0.038		160	0.025
Athai Kheda	125	0.094		164	0.051
	128 / 1	0.531		165	0.087
	129 / 1	0.026		166	0.177
	130 / 1	0.576		167	0.228
	131	0.450		175	0.228
	132	0.013		176	0.202
	133	0.215		177	0.010
	134	0.076		142	0.030
	242	0.038	Barej	143	0.040
	243	0.215		144	0.140
	244	0.114		408	0.101
	246	0.126		409	0.152
	249	0.177			

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
Kasbatal	412	0.038		35	0.038
	413	0.215		42	0.013
	414	0.215		43	0.330
	415	0.177		45	0.430
	416	0.013		46	0.051
	417	0.320		47	0.139
	419	0.177		48	0.397
	427	0.281		50	0.278
	428	0.417		51	0.177
	429 / 1	0.190		60	0.319
	429 / 2	0.519		61	0.013
	430	0.013		65	0.089
	431	0.190		67	0.038
	28	0.152		68	0.329
	29	0.164		70	0.051
	31	0.405		71	0.190
	56	0.063		91	0.354
	57	0.038		92	0.114
	59	0.188		94	0.114
	60	0.324		95	0.013
	63	0.324		102	0.405
	107	0.304		103	0.202
	108	0.063		104	0.202
	109	0.209	Narkheda Tal	61	0.188
	113	0.021		64	0.157
	118	0.167		296	0.139
	119	0.063		396	0.836
	120 / 1	0.072		403	0.312
	120 / 2	0.052		404	0.031
	121	0.465		405	0.188
	122	0.418		407	0.534
	123	0.042		410	0.114
	126	0.470		425	0.450
	127	0.072		426	0.470
	232	0.582		427	0.187
	241	0.240		428	0.515
	242	0.076		429	0.013
	246	0.266		430	0.523
	255	0.025		431	0.013
	256	0.278		432	0.240
	262 / 789	0.316		458	0.038
	263	0.215		468	0.721
	268	0.360		469	0.139
	269	0.582		470	0.089
	270 / 1	0.051		471	0.493
	291	0.341		472	0.013
	292	0.240		476	0.379
	293	0.076		500	0.367
	294	0.013			
Tava Nagar	18	0.164			
	23	0.240			
	24	0.361			
	31	0.376			

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1997

का. आ. 2655.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में वाडीनार से मध्य प्रदेश राज्य में बीना तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए भारत ओमन रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाई जानेके प्रयोजन के लिए, इस अधिसूचना से उपलब्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन ( भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन ) अधिनियम, 1962 ( 1962 का 50 ) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के आशय की घोषणा करती है;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीखसे, जिसको भारत के राजपत्र में, यथाप्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के संबंध में या उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित में आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, श्री दीपक देशपाण्डे, मध्य भारत परिष्करण परियोजना, भारत ओमन रिफाइनरीज लिमिटेड, 31 बार्ड, जैन तख्तमल कॉलोनी, सिविल लाईन मेन रोड, विदिशा-464001 (मध्य प्रदेश) को कर सकेगा।

### अनुसूची

तहसील : कुरवाई	जिला : विदिशा	राज्य : मध्य प्रदेश
गाँव का नाम	सर्वे क्रमांक	क्षेत्र हेक्टेयर/आरे
(1)	(2)	(3)
मंदी जागीर	203	0.523
	211	0.011
	212	0.408
	215	0.742
इमलिया	19 / 1	0.606
	20	
	44 / 4	0.408
	21 / 4	
	44 / 1	0.143
	21 / 3	
	44 / 3	0.324
	21 / 1	
	44 / 5	0.481
	21 / 5	0.345
	27	0.378

(1)	(2)	(3)
	28	
	29	
	30	0.449
	32	0.011
	33	
	34	
	35	0.815
	46 / 2	0.324
	48 / 2	
	50 / 4	
	65	0.439
	50 / 1	0.366
	51 / 1	0.439
	52 / 1	0.063
	52 / 2	0.324
	52 / 3	0.178
	52 / 4	0.178
	87	0.230
	88	
	90 / 2	
	91 / 3	
	92 / 3	0.094
	93	
	91 / 4	
	92 / 1	0.167
	91 / 2	
	92 / 2	
	124 / 5	0.188
	124 / 1	0.376
	124 / 4	0.470
	127	
	128 / 1	0.585
नेहपिपरिया	14	0.021
	15	0.011
	20 / 2	
	21	
	26 / 1	0.669
	27	
	28	0.387
	31	0.230
	32	0.178
	33 / 1	0.063
	33 / 2	0.324
	34 / 1	0.115
	114	0.575
	118 / 1	
	119 / 1	0.190
	118 / 2	
	119 / 2	0.115
	120	
	121	
	122	0.251
	123	
	124	0.251
	37 / 1-2	
नार्दी सौरासा	38 / 1-2	0.387

(1)			(2)		
(1)			(2)		
रेषा	254 / 2		436/2		
	255	0.261	450		
	257	0.188	480		
	259 / 3	0.366	481/1		
	261 / 1	0.491	482		0.836
	299	0.387	451		
	302 / 1		452		
	303	0.314	444 / 2		0.449
	307 / 1	0.042	445		0.281
	309	0.042	483 / 1 / 2		
	309	0.105	484 / 2 / 2		0.052
	310	0.261	485		
	311	0.105	507 / 3		0.031
	312	0.178	486		
	319 / 1 रु	0.042	887 / 2		0.700
	320	0.209	33 / 1		
	170 / 2	0.105	34		
	170 / 3		30		0.470
	186	0.596	32		
	183 / 8		35 / 1		
	184 / 1		36		
	184 / 2	0.240	37 / 2		0.115
	184 / 3	0.575	35/2		
	184 / 4	0.167	35/3		
	185 / 1 / 2	0.281	66/1		
	185 / 2		67		
	185 / 3	0.544	68		0.272
	196		69		
	197/1/2		70/1		
	198		37 / 1		0.251
	199/2/3	0.335	38		0.011
	200/2		39 / 1		0.235
	199 / 1		39 / 3		0.105
	204 / 2	0.449	56		
	199/1		57		0.063
	204/2	0.084	62		0.084
	200 / 1 / 2	0.366	82 / 1		
	204 / 5		81 / 1		
	212 / 5	0.042	81 / 3		0.126
	204 / 7		85 / 1		0.376
	212 / 6		86		
	210 / 2	0.514	87		0.335
	211		89 / 2		
	212 / 7	0.514	90		0.042
	422		33		
टैक	487 / 1	0.094	34 / 1		0.303
	427		35 / 2		0.314
	428		43/2		
	430 / 1	0.670	46/2		
	430 / 2		42/6		
	431 / 432	0.523	43/3		0.638
	436/ 1		46/1		
	446/ 1-2		43/4		
	447/ 1-2	0.342	45		0.031
	448/ 1-2		47		0.071

सिकन्दरपुर

नाऊकुंड

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	47	0.071		142 / 2	0.167
	48	0.199		143	0.303
	49 / 1	0.031		147	0.314
	50	0.272		148	0.011
	50	0.052		170	0.251
	53	0.157		171	0.209
	54	0.105		173	}
	54	0.015		174	
	55	0.523		175	0.303
	70 / 4	0.418		180	0.251
	71	0.209		181	0.084
	77	0.324		182	}
	79	0.366		183	
	80	0.126		184	0.209
	94	0.053		186	0.648
	95	0.042	बोधीवाल	232	0.078
	96	}		232	0.188
	97			242	0.042
	97			243	0.753
	98			244	0.324
	99			245	0.021
	102 / 2			247	0.031
	103			263	0.030
	109 / 2			264	0.240
	109 / 1			267	0.142
	110 / 1		268	0.523	
	111	275	0.042		
	112	308	0.180		
	113	313	0.220		
	114 / 1 / 1	318	0.031		
मूढरी	1	0.031	319	0.209	
	2	0.240	320 / 1	}	
	5	0.063	320 / 2		
	6	0.021	321	0.418	
सांगी कुम्हारिया	259 / 2	0.544	321	0.240	
	260	0.178	321	}	
	261 / 1	0.115	324		
	261 / 2	0.115	325	0.031	
	261 / 3	0.115	327	0.314	
	261 / 4	0.115	328	0.011	
	279	0.052	329	}	
	280	0.142	19		
	281	0.699	20	0.387	
	282	0.021	21	0.031	
	283 / 1 ख	}	27 / 1	0.011	
	283 / 1 घ		27 / 2	0.052	
	283 / 1 क		52 / 1	0.021	
	283 / 1 ग		52 / 2	0.139	
	सचायरा	30	0.084	53	0.251
		31 / 1 / 1	0.167	54	}
		31 / 1 / 2	0.167	57	
31 / 2 / 1		0.063	58 / 1	0.629	
31 / 2 / 2		0.052	58 / 2	0.011	
31 / 2 / 3		0.011	61	0.351	
33		0.361		0.052	
35		0.439			
139		0.251			

[ फा. सां. आर-31015/30/97-ओआर. II ]

से. मी. कच्चे. अन्न. मण्डि.

[ फा. सां. आर-31015/30/97-ओआर. II ]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 6th October, 1997

**S.O. 2655.**—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum products from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh, a pipeline should be laid by the Bharat Oman Refineries Limited;

And where as for the Central Government for the purpose of laying said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of the Right of User in Land) Act, 1962 ( 50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty-one days from the date on which the copies of the notification, as published in the Gazette of India are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Deepak Deshpande, Competent Authority of Central India Refinery Project of Bharat Oman Refineries Limited. 31Ward, Jain Takhtmal Colony, Civil Line, Main Road, Vidisha 464-001 ( Madhya Pradesh).

### Schedule

**Tehsil : Kurwai District : Vidisha State : Madhya Pradesh**

**Name of Village      Survey No.      Area  
Hectare / Are**

(1)	(2)	(3)
Madhi Jagir	203	0.523
	211	0.011
	212	0.408
	215	0.742
	19 / 1	0.606
Emaliya	20	0.408
	44 / 4	
	21 / 4	
	44 / 1	0.143
	21 / 3	
	44 / 3	0.324
	21 / 1	
	44 / 5	0.481

(1)	(2)	(3)
	21 / 5	0.345
	27	0.378
	28	}
	29	
	30	
	32	0.449
	33	}
	34	
	35	
	46 / 2	0.815
	48 / 2	}
	50 / 4	
	65	
	50 / 1	0.439
	51 / 1	0.366
	52 / 1	0.439
	52 / 2	0.063
	52 / 3	0.324
	52 / 4	0.178
	87	0.178
	88	0.230
	90 / 2	}
	91 / 3	
	92 / 3	
	93	0.094
	91 / 4	}
	92 / 1	
	91 / 2	
	92 / 2	}
	124 / 5	
	124 / 1	
	124 / 4	0.188
	127	0.376
	128 / 1	0.470
	14	}
	15	
	20 / 2	
	21	}
	26 / 1	
	27	
	28	0.669
	31	}
	32	
	33 / 1	
	33 / 2	0.387
	34 / 1	0.230
	114	0.178
	118 / 1	0.063
	119 / 1	0.324
	118 / 2	0.115
	119 / 2	}
	120	
	121	
	122	}
	123	
	124	0.251
		0.115
		0.251

Nehripariya



(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
Barri Bhoransa	37 / 1-2	0.387		436/2	0.836
	38 / 1-2		450		
	254 / 2		480		
	255		481/1		
	257		482		
	259 / 3	0.261			
	261 / 1	0.188			
	299	0.366			
		0.491			
		0.387			
	302 / 1	0.314		444 / 2	0.449
	303		445	0.281	
	307 / 1		483 / 1 / 2	0.052	
	309		484 / 2 / 2		
	309		485		
	310	507 / 3	0.031		
	311	0.105	486		0.700
	312	0.178	887 / 2		
	319 / 1 A	0.042	33 / 1		
	320	0.209			
	0.105				
Ravara	170 / 2	0.596	Sikandarpur	34	0.470
	170 / 3		30		
	186		32		
	183 / 8		35 / 1		
	184 / 1		36		
	184 / 2	0.240		37 / 2	0.115
	184 / 3	0.575		35/2	
	184 / 4	0.167		35/3	
	185 / 1 / 2	0.281		66/1	
	185 / 2	0.544		67	
	185 / 3		68	0.272	
	196		69		
	197/1/2		70/1		
	198		37 / 1		0.251
	199/2/3	38	0.011		
	200/2		39 / 1	0.235	
			39 / 3	0.105	
	199 / 1	0.449		56	0.063
	204 / 2		57		
	199/1		62	0.084	
	204/2		82 / 1	0.126	
	200 / 1 / 2		0.366		
	204 / 5	0.042	81 / 3		
	212 / 5		85 / 1		0.376
	204 / 7		86		0.335
	212 / 6		87		
	210 / 2		89 / 2		
	211	90	0.042		
	212 / 7	33			
	422	34 / 1		0.303	
487 / 1	35 / 2	0.314			
427	43/2	0.638			
428	46/2				
430 / 1	42/6				
430 / 2	43/3				
431 / 432	46/1				
436/ 1	0.523	43/4	0.031		
446/ 1-2		45			
447/ 1-2		47		0.071	
448/ 1-2					

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	47	0.071		143	0.303
	48	0.199		147	0.314
	49 / 1	0.031		148	0.011
	50	0.272		170	0.251
	50	0.052		171	0.209
	53	0.157		173	}
	54	0.105		174	
	54	0.015		175	0.303
	55	0.523		180	0.251
	70 / 4	0.418		181	0.084
	71	0.209		182	}
	77	0.324		183	
	79	0.366		184	0.209
	80	0.126		186	0.648
	94	0.053	Bothighat	232	0.078
	95	0.042		232	0.188
	96	}		242	0.042
	97			243	0.753
	97			244	0.324
	97			245	0.021
	98			247	0.031
	99			263	0.030
	102 / 2	}		264	0.240
	103			267	0.142
	109 / 2			268	0.523
	109 / 1			275	0.042
	110 / 1			308	0.180
	111			313	0.220
	112	318		0.031	
	113	319		0.209	
	114 / 1 / 1	}		320 / 1	}
	1			320 / 2	
Mundri	2	0.031		321	0.418
	5	0.240		321	}
	6	0.063		324	
Dangi Kumariya	259 / 2	0.021		325	0.031
	260	0.544		327	0.314
	261 / 1	0.178		328	0.011
	261 / 2	0.115		329	}
	261 / 3	0.115	19		
	261 / 4	0.115	20	0.387	
	279	0.052	21	0.031	
	280	0.142	27 / 1	0.021	
	281	0.699	27 / 2	0.139	
	282	0.021	52 / 1	}	
283 / 1 B	}	52 / 2			
283 / 1 D		53	0.251		
283 / 1 A		54	0.629		
283 / 1 C		57	0.011		
Lachayara	30	0.178	58 / 1	0.351	
	31 / 1 / 1	0.084	58 / 2	0.052	
	31 / 1 / 2	0.167	61	0.523	
	31 / 2 / 1	0.167		0.052	
	31 / 2 / 2	0.063			
	31 / 2 / 2	0.052			
	31 / 2 / 3	0.011			
	33	0.361			
	35	0.439			
	139	0.251			
142 / 2	0.167				

[ File No. R-31015/30/97-OR. II ]

K. C. Katoch, Under Secy.

[ File No. R-31015/30/97-OR. II ]

K. C. Katoch, Under Secy.

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1997

का.आ. 2656.—प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन ओवरसीस बैंक के प्रबन्धकों के संबंध में निोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, बंगलूर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/524/87-डीआई.आई. ए/  
आई आर (बी-II)]  
सनातन, डेस्क अधिकारी

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 12th September, 1997

S.O. 2656.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Overseas Bank and their workman, which was received by the Central Government on 10-9-1997.

[No. L-12012/524/87-DIA/IR (B-II)]  
SANATAN, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-  
LABOUR COURT BANGALORE

Dated this Friday the 29th day of August, 1997

## PRESENT

Sri K. Mohanachandran, B.Sc., B.L.,  
D.L., A.L.  
Presiding Officer

Central Reference No. 18/88

I Party

II Party

Sri K. Nagaiah Vs. M/s. Indian Overseas  
Bank

## AWARD

In the Central Government Reference No.  
L-12012/524/87-D.II (A) dated 28-4-1988  
2419 GI/97--19

the point for adjudication has been fixed as follows :—

“Whether the action of the management of Indian Overseas Bank in dismissing from service Sri K. Nagaiah, Clerk with effect from 27-12-86 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. The (brief) averments of the 1st Party made in his claim statement are as follows:—

The 1st party joined the services of 2nd party as messenger during June, 1973 and he was regularised on 1-4-1974. Subsequently the 1st party was promoted as Shorff/Godown Keeper during January, 1985. The 1st party was issued with a show-cause notice dated 30-11-1985 for alleging misconduct. He submitted his explanation for the same, but an enquiry was conducted against him. Sri N. Parthasarathy who framed the charges against the 1st party himself became Enquiry Officer and the entire proceedings in domestic enquiry were not conducted in accordance with law and principles of natural justice. Enquiry Officer cannot act as a prosecutor. But based on his own findings he had dismissed the 1st party from service. Further, though the alleged incident occurred on 13-7-1985, the 1st party was issued with an additional chargesheet on 1-3-1986. The order of dismissal also not a legal one as the Enquiry Officer himself is a Disciplinary Authority. Hence, the order is an unfair labour practice. Therefore, the domestic enquiry and the order of dismissal against the 1st party has to be set aside and the 2nd party be directed to reinstate the 1st party with all benefits.

3. The (concised) averments of the 2nd Party in counter of objection are as follows:—

The 1st party was issued with charge-sheets dated 30-11-1985 and 1-3-1986. After careful perusal of the explanation given by the 1st Party a domestic enquiry was ordered and it was conducted in accordance with law and principles of natural justice. The domestic enquiry was conducted in Kannada the language known to the 1st party and the proceedings were recorded in English. During the enquiry the 1st party was given full opportunity. Enquiry Officer prepared the findings, based on the records and evidence placed before him proving the 1st party guilty of charge and two show-cause notices dt. 20-9-86 & 22-11-86 were issued to the 1st Party in this regard. The 1st Party was given sufficient time to submit his reply and

he was also given personal hearing on 10-11-86 and 17-12-86. After considering all the records and materials he was dismissed from service as his misconduct was a grave one. Hence, the order of the Disciplinary Authority is final and binding. Therefore, the reference has to be rejected.

4. My predecessor had framed the following preliminary issue :—

“Whether the 2nd party proves that it had held the domestic enquiry in accordance with law”.

5. And after conducting the enquiry on preliminary issue my predecessor had passed an order on 1-2-1989 by setting aside both the enquiries conducted against the 1st party by the management. Subsequently the case was posted for examination of management witnesses with a view to prove their action against the 1st party.

6. While the case is pending in that stage, on 6-8-96 both the parties were present along with their respective counsel and filed a joint compromise memo. Both the parties had also agreed and accepted the terms of the joint compromise memo and also agreed to act accordingly. Hence, the joint compromise memo is recorded.

#### AWARD

7. Award is passed, rejecting the Central Reference No. 18/88 but without cost in terms of joint compromise memo filed by both the parties on 6-8-1996. The said joint compromise memo dated 6-8-1996 will be part and parcel of this award. Submitted to the Government.

8. (Dictated to PA, transcribed by him, corrected by me and signed on this Friday the 29th day of August, 1997).

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

नई दिल्ली 18 सितम्बर, 1997

का.आ. 2657.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विजया बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, एर्नाकुलम के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-9-97 को प्राप्त हुआ।

[पंजा एल-12012/103/94-आई.आर (बी-II)]

पी.जे. माईकल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th September, 1997

S.O. 2657.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Ernakulam as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vijaya Bank and their workman, which was received by the Central Government on 17-9-1997.

[No. L-12012/103/94-IR(B-II)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### IN THE CENTRAL GOVERNMENT LABOUR COURT, ERNAKULAM

(Labour Court Ernakulam)

(Monday, the 2nd day of June, 1997)

PRESENT :

Shri Varghese T. Abraham, B.A., LL.M.,  
Presiding Officer

Industrial Dispute No. 9 of 1994 (C)

#### BETWEEN

The General Manager, Vijaya Bank, H.O.,  
41/2 M.G. Road, Bangalore-560 001.

#### AND

The Joint Secretary, V. B. Employees Association, C/o. Kerala Pradesh Bank Workers Organisation, T.D. Road, Ernakulam, Cochin-682 035.

REPRESENTATION :

Sri P. A. Aziz,  
Manager, Regional Office,  
Thiruvananthapuram.

For Management

#### AWARD

The Government of India as per Order No. L-12012/103/94-IR (B-II), dated 26-9-94 referred the following industrial dispute for adjudication :—

“Whether the action of the management of Vijaya Bank, Bangalore in recovering the amount of city compensatory allowance paid to Smt. P. T. Kanakavally, clerk from 1981

to 1990 is justified? If not, what relief is the said workman entitled to?"

2. No representation from the union, workman and management. From this it follows that the union and the workman are not interested in pursuing the dispute.

In the result, reference is answered holding that no industrial dispute is pending to be adjudicated.

Pronounced in open court on this the 2nd day of June, 1997.

Ernakulam :

VARGHESE T. ABRAHAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1997

का.आ. 2658.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बंगलूर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 17-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/208/93/आई.आर.(बी-II)]

पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th September, 1997

S.O. 2658.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank and their workman, which was received by the Central Government on 17-9-1997.

[No. L-12012/208/93-IR(B II)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-

LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this Friday the 12th day of September,  
1997

### PRESENT :

Sri K. Mohanachandran, B.Sc., B.L., D.L.,  
A.L., Presiding Officer

Central Reference No. 26/94

I Party

Sri Clarence P. D'Souza,

C/o Elizabeth D'mello, Teacher

Nelinapeth, KOPPA, Karnataka,

Vs.

II Party

M/s. Canara Bank,

Staff Section (W),

Circle Office,

Lighthouse Hill Road,

Mangalore-575001.

### AWARD

In this reference made by the Honourable Central Government under its Order No. L-12012/208/93-IR (B.II) dated 24-2-94, the point for adjudication has been framed as follows:—

"Whether the action of the management of Canara Bank, Circle Office, Mangalore in dismissing Sri Clarence D'Souza, Peon from service with effect from 28-11-90 is justified? If not, what relief, is the workman entitled to?"

2. As per the reference the 1st party is Sri Clarence D'Souza, C/o Elizabeth D'Mello, Teacher, Nelinapeth, Koppa, Karnataka. After the case was registered as C. R. No. 26/94, usual notices were sent to both the parties for the hearing date 31-3-94 and on that day Sri P.S. Rajagopal, Advocate, Bangalore filed vakalat for the 1st Party. Subsequently Sri TRK. Prasad, Advocate, Bangalore filed vakalat for the 2nd Party on 26-4-94. From that day onwards the 1st Party was directed to file claim statement. But inspite of the repeated opportunities given to the 1st party till 6-6-96 for filing his claim statement the 1st party not appeared nor filed any claim statement.

3. The counsel for the 2nd party was present on 6-6-96, had vehemently argued that in spite of repeated opportunities given to the 1st Party and even after giving three final last chan-

ces, the 1st party had not filed his claim statement which would reveal that the 1st party had no claim against the 2nd party. It was further argued that in such circumstances the 2nd party was unable to file any written statement to place their case before this Tribunal. I find some force in the said argument of the learned counsel for the 2nd party.

4. As pointed out by the learned counsel for the 2nd party, this Tribunal without any claim statement of the 1st party but only on the reference sent by the Ministry of Labour, Government of India, cannot pass any award either in favour or against the 1st party, in other words on merits. Therefore, the case was posted for passing of award on available materials. But even till this date the 1st party had not taken any steps under the Industrial Dispute Act.

### AWARD

5. As discussed above the Central Reference No. 26/94 is rejected. Submit to Government.

6. Dictated to PA, transcribed by him, corrected by me and signed on this Friday the 12th day of September, 1997).

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

बई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1997

का. शा. 2659-—औद्योगिक विवाद अविनिवृत्त, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबन्धन के संबंध निधियों और उनके कार्यकारी के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 17-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या 12012/230/94-आर्.आर. (बी-II)]  
पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th September, 1997

S.O. 2659.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 17-9-1997.

[No. L-12012/230/94-IR (B-II)]  
P. J. MICHAEL, Desk Officer

### ANNEXURE BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

Present :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I.

Dated : 8th day of August, 1997

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 90 OF 1994

### BETWEEN

The Asstt. Secretary, C. B. Staff Union (Regd.)  
Room No. 2, Unity House, Abide,  
Hyderabad .. Petitioner

### AND

The Dy. General Manager, Canara Bank,  
C. O., 3-5-879, Ruby House Opp. : Old MLA  
Quarters, Himayatnagar, Hyderabad-29. .. Respondent

### APPEARANCES :

S/Sri S. Siva Prasad and D. Siva Rama Goud Advocates for the Petitioner.

Sri. A. Gopal Reddy, Advocate for the Respondent.

### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi referred the following dispute by its Order No. L-12012/230/94-IR (B-II) dated 15-11-94 under Section 10(1)(d) and 2-A of Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication :

"Whether the action of the management of Canara Bank, Hyderabad in imposing the punishment of stoppage of three increments on Shri K. Banerji, Clerk is justified ? If not, what relief is the said workman entitled to ?"

Both parties appeared and filed their respective pleadings.

2. Sri K. Banerjee, workman in this dispute, hereinafter called as 'Petitioner' filed a claim statement contending as follows : He was served with two charge sheets dt. 31-10-89 and 5-7-1990. The first charge is that the petitioner did not issue a Demand Draft to the customer Sri P. Ramachandra Rao and thus caused loss to him. Sri P. Ramachandra Rao intended to send the D.D. with the tender. The tenders were cancelled even before the scheduled time and so the question of loss does not arise. The complaint was given 37 days after the alleged incident at the instance of Branch Manager, who bribed the customer by giving loan. The second charge is that the petitioner walked out of the enquiry on 28-2-90 is not correct. The petitioner expressed his inability to attend the enquiry without defence representative. The first charge in 2nd charge sheet is that the petitioner abused the customer. The customer presented the cheque without submitting any stock statement, which is contrary to the rules. The Bank Manager insisted upon payment of the cheque amount contrary to rules. The Management should not find fault with the petitioner for the irregularities committed by the Manager. So far as the second charge in the 2nd charge sheet is concerned, the registers were not maintained properly as prescribed by the manual of instructions of the Bank. The petitioner brought it to the notice of the Manager and requested the Manager to get the clarification from the Circle Office. The petitioner never refused to acknowledge the inward tappal as alleged by the authorities. The Enquiry Officer conducted the enquiry contrary to the rules and regulations. Hence the enquiry is not proper and valid. The Disciplinary Authority accepted the findings of the enquiry officer without going into the merits of the case. The Petitioner was punished with stoppage of increments which is illegal and arbitrary. The order of the respondent in deferring the increment of the petitioner may be set aside.

3. The respondent filed a lengthy counter to support the charges framed against the petitioner and the domestic enquiry. The details need not be extracted again. The second charge in the first charge sheet is that the petitioner alleged in the Staff meeting on 28-9-89 in connection with the Divl. Manager's visit to the Branch, that the management was showing favoritism to a particular caste in the Branch and when the Branch Manager asked the petitioner, the petitioner failed to substantiate the same and also could not substantiate the same in the domestic enquiry. The domestic enquiry is valid and the punishment imposed upon the petitioner is adequate. The petitioner is not entitled to any relief.

4. The respondent-Management having filed a counter on 20-11-95, did not file the record of domestic enquiry into this Tribunal. The normal procedure that should be followed is that the Management should file the record of domestic enquiry into this Tribunal and requests the Tribunal to decide its validity as a preliminary point and also to give permission to the Management to adduce evidence in proof of misconduct in the event of this Tribunal coming to the conclusion that the domestic enquiry is not valid. But it was not done, inspite of this Tribunal adjourning the dispute from 4-12-95 to 22-4-96 on four occasions. So the petitioner examined himself as WW-1 on 22-4-96 in part and sought time. He did not appear thereafter and so the I.D. was closed on 7-8-96, but again restored to file as per the orders in IA No. 134/96 dt. 19-10-1996. The petitioner was examined on 6-11-96. On 6-11-96, 23-11-96 and on 23-6-97 the respondent did not appear and cross-examine the petitioner. So the matter was reserved for Award on 26-6-97. None appeared for the respondent and sought for permission to cross-examine the petitioner though this Tribunal waited for 1-1/2 months. Hence an Award is passed on the material available on record.

5. The petitioner did not dispute the validity of the domestic enquiry and on the other hand he himself filed the enquiry record into this Tribunal to mark as Exs. W1 to W51. Hence this is an Award passed on the material available on record.

6. The point for consideration is whether the Management of Canara Bank, Hyderabad in imposing the punishment of stoppage of three increments on Shri K. Banerji Clerk is justified?

7. POINT :—The petitioner worked as Clerk in Gandhinagar Branch of Vijaywada before 1991. He was kept in-charge of receipts and payments on 8-8-89. Sri P. Ramachandra Rao proprietor of M/s. Sri Laxmi Biscuits company who has his business in the same building in which the Bank is situated, is a customer of the Bank since about 6 years. His complaint Ex. P 4, his evidence and the evidence of Mr. Sharma, the Branch Manager before the Enquiry Officer disclose that at about 12-30 P.M., Mr. Ramachandra Rao sent a messenger to obtain two Demand Drafts, one for Rs. 3,500/- and the other for Rs. 30,000/-. The petitioner issued a D.D. for Rs. 3,500. The petitioner questioned the messenger to replace the cut soiled note in the bundle of currency notes of Rs. 30,000/- and he did not issue demand draft. So P. Ramachandra Rao himself came to the Branch to enquire as to why there was delay and took the challan for Rs. 30,000/- from the messenger and stood in the queue. The petitioner took the amount of Rs. 1,47,000 from another customer and started counting the said amount for issuing a D. D. P. Ramachandra Rao waited till 1.30 P.M. on that day and asked the petitioner to take his money and issue a Demand Draft. The petitioner refused to receive the same. So Ramachandra Rao approached the Branch Manager Mr. Sharma in this connection. Mr. Sharma came to the seat of the petitioner and offered his assistance in counting the money and issue the Demand Drafts. But the petitioner refused to accept the assistance of Mr. Sharma. Immediately Mr. Sharma endorsed on the application of Mr. Ramachandra Rao to issue a D.D. Nonetheless the petitioner did not care for the orders of Mr. Sharma, Manager.

8. The version of the petitioner is simply a denial. The petitioner argues that he has enmity with Mr. Sharma and so Mr. Sharma instigated Mr. Ramachandra Rao to give a report against him belatedly in the succeeding month after sanctioning a loan to P. Ramachandra Rao. It is true that Mr. Sharma sanctioned the loan to P. Ramachandra Rao in September, 1989. But Ramachandra Rao sent a complaint in August, 1989 itself, to the Divisional Manager. There was a delay in the Divl. Manager receiving the complaint as it was addressed to Arundelpet of Vijayawada from which the Divl. Office was shifted sometime before the Complaint. The enmity with the petitioner by Mr. Sharma is not established. On the other hand Ex W-3 shows that the petitioner complained against an Officer by name P. Nageswara Rao and never against Sri Sharma. There is no doubt that the petitioner refused to issue a D.D. at 1-30 P.M. itself though he has to work upto 2 P.M. No doubt he was busy in counting Rs. 1,47,000/- offered by another customer, but when Mr. Sharma offered to give assistance to issue a D.D. to

Mr. Ramachandra Rao the petitioner refused to take the assistance and issue D.D. He did not care the orders passed by the Branch Manager though he is a Clerk. In this case there is a dereliction of duty as well as insubordination.

9. The second charge is that when the Divl. Manager held staff meeting on 28-9-89, the petitioner remarked that the Management is showing favouritism to a particular caste in the Branch. The evidence disclosed that when the Divl. Manager questioned him to give any such instance, he said that whenever the staff are deputed to the extension counter, they are paid conveyance allowance and that the Manager paid the same to the staff who belong to his caste, but did not pay to Mr. C. H. Bhaskar Rao who belong to Schedule Caste. Mr. Bhaskara Rao is also present in the said meeting and openly stated that nothing is due to him. Thus the petitioner made false accusation against the Branch Manager to blackmail him. The petitioner now deposed that he is the Secretary of the Employees Union of the Gandhinagar Branch and he is entitled to make representation in the staff meeting. But he cannot make a false accusation against the Branch Manager. There is no doubt that the petitioner wanted to blackmail the then Branch Manager by referring the caste. This charge is also proved.

10. The first charge in the second charge sheet is against the behaviour of the petitioner. It is alleged that when Mr. P. Ramachandra Rao came to the Branch on 13-2-90 to present a cheque to retire a ISC Bill, the petitioner refused to pass the cheque, on the ground that Ramachandra Rao had not submitted the stock statement in connection with the loan taken by him. Immediately Mr. Ramachandra Rao asserted that he sent a statement. When the petitioner sent the OCC ledger to the Manager the latter passed the same. When the attender who is called sub-staff got back the Ledger to the petitioner, the petitioner observed that the fellows who do not know the work, send reports against others. Mr. Ramachandra Rao gave a complaint that these words are used against him. He also stated that the petitioner came and apologised to him alongwith other employees. The reading of the words which were said to have been used by the petitioner and written in Telugu in all the documents, suggest that they were uttered by him against the Branch Manager and not against Ramachandra Rao. The reason is a reference to knowledge of work. He is connected to the knowledge of the work of the Branch Manager while discharging his functions as such and no concern with the knowledge of work of Ramachandra Rao who is a businessman. Therefore this charge is not proved. The second charge in the second charge sheet is that the petitioner refused to give acknowledgement to the registered tappal relating to his branch of which he was placed as supervisor temporarily in the concern tappal Book. The petitioner admits to have refused to sign the same but justified his action by stating that the Tappal Book was not maintained in the form prescribed by manual instructions. His excuse is not justified at all.

11. The petitioner was punished with postponing of one increment for Charge No. 1 in the first charge sheet and warning for the second charge in the first charge sheet. Similarly he was punished with stoppage of one increment for the first charge and stoppage of another increment for the second charge in the second charge sheet. I have held that the first charge in second charge sheet is not proved. So the said punishment for the said charge is set aside. So far as the other punishments are concerned they are liable to be confirmed in lieu of continuous conduct of the petitioner. He acted as Branch Secretary of the employees union and he is suffering with too much ego. He complains against each and every man though he does not do his duty. He goes to the extent of making unsubstantiated allegations against Mr. Moses who conducted the first enquiry, simply because Mr. Moses refused to recall the witness for cross-examination on the ground that the petitioner inspite of his request, walked out of the Meeting when the witness is being examined. The petitioner is in habit of making allegations against every man who crosses his path.

12. In the result an Award is passed confirming the punishments awarded for the two charges in the first charge sheet and the second charge in the second charge sheet. The punishment awarded for the first charge in the second charge sheet is set aside.

Dictated to the Steno-typist, transcribed by him, corrected by me and given under my hand the seal of this Tribunal this the 8th day of August, 1997.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I.

#### Appendix of evidence

#### Witness examined for

Petitioner

WW-1 : K. Banerjee

#### Witness examined for

Respondent

NIL

#### Documents marked for the Petitioner

- Ex. W1 : Memo dt. 5-5-89 issued to the petitioner.
- Ex. W2 : Explanation dt. 6-5-89 given by the petitioner to Ex. W1.
- Ex. W3 : Complaint dt. 6-5-89 submitted by the petitioner to the Management.
- Ex. W4 : Complaint dt. 10-8-89 given by P. Ramachandra Rao.
- Ex. W5 : Letter dt. 28-9-89 issued to the petitioner enclosing Ex. W-4 complaint.
- Ex. W6 : Reply dt. 25-10-89 submitted by petitioner to Ex. W5.
- Ex. W7 : Xerox copy of Departmental enquiry Report submitted by the Divl. Manager on 29-9-89.
- Ex. W8 : Tender Notification.
- Ex. W9 : Tender cancellation Publication order dated 8-8-89.
- Ex. W10 : Tender cancellation Publication Order dt. 9-11-89.
- Ex. W11 : Xerox copy of the addressee on the cover.
- Ex. W12 : Letter dt. 23-4-90 enclosing Ex. W11.
- Ex. W13 : Letter dt. 12-6-90 addressed to the petitioner.
- Ex. W14 : Letter dt. 30-10-89 issued to the petitioner regarding non-submission of reply to the letter dt. 28-9-89.
- Ex. W15 : Charge Sheet dt. 31-10-89.
- Ex. W16 : Memo dt. 9-10-90 instructing the petitioner to participate in the Staff Meeting.
- Ex. W17 : Letter dt. 28-2-90 by the petitioner requesting for adjournment.
- Ex. W18 : Complaint of the petitioner against the Enquiry Officer.
- Ex. W19 : Depositions of Management witnesses in the to W23 Enquiry.
- Ex. W24 : Deposition of W.W.1.
- Ex. W25 : Enquiry Officer sent a letter dt. 20-11-90 to WW1 enclosing the finding of report of Enquiry.
- Ex. W-26 : Letter dated 4-3-91 against Ex. W-25.
- Ex. W27 : Order dt. 16-2-91 regarding the punishment imposed on WW-1.
- Ex. W28 : Appeal dated 15-6-91 filed by WW-1.
- Ex. W29 : Appellate Order dt. 9-9-91.
- Ex. W30 : Proceedings of the Dy. G. M., dt. 23-9-91 confirming the Appellate Order.
- Ex. W31 : Complaint dt. 14-2-90/given by P. Ramachandra Rao against WW1.
- Ex. W32 : Withdrawing the complaint by P. Ramachandra Rao by letter dt. 17-2-90.

Ex. W-33 : Letter dt. 26-2-90 given by P. Ramachandra Rao that he is withdrawing the complaint against WW1.

Ex. W-34 : Letter dt. 27-2-90 of P. Ramachandra Rao that WW1 abused on 13-2-90 and not on 14-2-90.

Ex. W-35 : Letter dated 1-3-90 of Sri C. S. Pai.

Ex. W-36 : Charge sheet dated 5-7-90.

Ex. W-37 : Proceedings of the Enquiry Officer to the to W42 charge sheet dated 5-7-90.

Ex. W43 : Deposition of WW1 in connection with charge sheet dt. 5-7-90.

Ex. W-44 : Deposition of I. W. Prabhakara Rao.

Ex. W45 : Extract of manual of instructions with regard to receiving the Inward Post.

Ex. W-46 : Copy of Inward register (Extract) maintained on 19-12-89 20-12-89 and 21-12-89.

Ex. W47 : Proceedings of the Enquiry Officer dt. 29-8-91.

Ex. W48 : Proceedings of the Dy. General Manager dt. 8-10-1991.

Ex. W49 : Appeal of the petitioner dt. 28-11-91.

Ex. W-50 : Order dt. 6-4-92 dismissing the appeal.

Ex. W-51 : Letter dt. 30-4-92 communicating the punishment.

#### Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1997

का.सा. 2660.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रवचन में, केन्द्रीय सरकार विवाद बैंक के प्रवचन के संबंध निरीक्षणों और उनके कर्मचारियों के बीच, प्रवचन में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बैंगलूर, के पंचपट का प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 17-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[असा एन-12012/253/93-आई प्रार. (बी-II)]

पो. जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th September, 1997

S.O. 2660.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Vijaya Bank and their workmen which was received by the Central Government on 17-9-97.

[No. L-12012/253/92-IR (B-II)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer



## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR  
COURT BANGALORE

Dated this Friday the 12th day of September, 1997  
Present : Sri K. Mohanachandran, B.Ss., B.L., D.L.  
A.L. Presiding Officer.

Central Reference No. 27/94

## I Party

General Secretary,  
Vijaya Bank Employees  
Association, No. 67  
2nd floor, KH Road  
Shanthinagar, Bangalore-560027.

Vs.

## II Party

M/s. Vijaya Bank,  
Head Office, M. G. Road,  
Bangalore-560001.

## AWARD

In this reference made by the Honourable Central Government under its order No. L-12012/253/93-IR (B-II), dated 2-3-94, the point for adjudication has been framed as follows :

“Whether the action of the management of Vijaya Bank Hubli in imposing the punishment of stoppage of three annual increments with cumulative effect on Sri P. Manjunath Shetty, Clerk vide order dated 27-11-90 is justified? If not, what relief is the workman entitled to?”

(2) As per the reference the 1st party is General Secretary, Vijaya Bank Employees Association, No. 67, 2nd floor, KH Road, Shanthinagar, Bangalore-560027. After registering the said reference as Central Reference No. 27/94 notice were sent to both the parties as usual for the 1st hearing dated 30-3-94. On that day Sri P. S. Rajagopal, Advocate filed vakalat for the 1st party and Sri B. C. Prabhakar, Advocate had filed vakalat for the 2nd party on 25-9-94. On 30-3-94 the 1st party was directed to file claim statement. But inspite of repeated and prolonged opportunities given to the 1st party, they had not filed any claim statement. In particular when the case called on 14-3-96, time was extended for filing claim statement as last chance and case was adjourned to 2-4-96, since there was no representation for the 1st party. Again on that day time was extended till 23-4-96 for claim statement as final last chance and case was adjourned accordingly. When the case was called on 23-4-96 again there was no representation for the 1st party, but even further time extension was granted to file the claim statement with condonation petition and the

case was adjourned to 17-6-96. But even on 17-6-96 the 1st party neither appeared nor filed any claim statement. In such circumstances, the learned counsel for the 2nd party had argued that, since because the 1st party had not filed any claim statement inspite of the repeated opportunities given from the date of filing of their vakalat (i.e.) on 30-3-94 till 17-6-96 that too one counsel had filed vakalat for the 1st party. Hence, the 2nd party was unable to know what could be the claim of the 1st party, so as to file suitable counter written statement by the 2nd party. I find some force in such argument.

(3) Hence, as I discussed above, if we pursue, the records would clearly reveal that, inspite of repeated opportunities given to the 1st party, they are unable to file any claim statement to detail their dispute which had been raised by them. Again except the reference sent by the Ministry of Labour, Government of India, this Tribunal do not have any records to reveal the case of the 1st party. Therefore, it is clear that this Tribunal cannot pass any award on merits without proper and sufficient materials. In such circumstances the case was posted for passing of award. Even till this date the 1st party had not cared to take any steps under the Industrial Dispute Act.

## AWARD

(4) As discussed above, the reference in Central Reference No. 27/94 is rejected. Submit to the Government.

(5) (Dictated to PA, transcribed by him, corrected by me and signed on this Friday the 12th day of September, 1997).

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 18 मिनस्वर, 1997

का.आ. 2661.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार केन्द्र बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुसूचन में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक, अधिकरण, बंगलोर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 17-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/287/93—आर्डीआर.(बी.II)]

पी.जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th September, 1997

S.O. 2661.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank and their workman, which was received by the Central Government on the 17-9-97.

[No. L-12012/287/93-IR(B-II)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT  
BANGALORE

Dated this Thursday the 11th day of September, 1997  
PRESENT:

Sri K. Mohanachandran, B.Sc. B.L., D.L., A.L.  
Presiding Officer.

Central Reference No. 25/94

## I Party

The Asstt. Secretary  
Canara Bank Staff Union  
Near Capitanio High School  
Mangalore-575002.

Vs.

## II Party

The Deputy General Manager  
Canara Bank, Circle Office  
Bulmatt Road  
Mangalore-575001.

## AWARD

In this reference made by Honourable Central Government under its Order No. L-12012/287/93-IR (B-II) dated 24-2-94 the point for adjudication has been fixed as follows :—

“Whether the action of the management of Canara Bank, Mangalore in dismissing Sri. K. V. Balachandra, Sub-staff from service with effect from 22-1-91 is justified? If not, what relief, is the workman entitled to?”

(2) As per the reference the 1st party is Assistant-Secretary, Canara Bank Staff Union, Triveni Compound, Near Capitanio High School, Mangalore-575002. After the reference was registered by this Tribunal both the parties were issued notice on 2-3-94. Then Sri. V. Gopal Gowda, Advocate Bangalore filed the vakalat on 31-3-94 for the 1st party. Thereafter the case was adjourned to 26-4-94 for filing claim statement by the 1st party. Sri T. R. K. Prasad, Advocate Bangalore filed vakalat on 26-4-94 for the 2nd party. But from 26-4-94 to 16-4-96 number of adjournments were given to the 1st party to file claim statement. But no claim statement was filed. Then two final and last chances also were given on 7-5-96 and 17-5-96. But even then neither the 1st party nor his counsel had taken any steps to file the claim statement.

(3) Again, inspite of specific order dated 7-5-96 for filing of claim statement with delay condonation petition no claim statement was filed even on 17-5-96 even though the case was kept pass order till 4.30 p.m. In such circumstances it is presumed that the 1st party could not file claim petition. The learned counsel for the 2nd party had argued that 2nd party could not state their defence since the 1st party was not able to file any claim petition to substantiate his dispute under

reference. There is some force in the above said argument placed by the learned counsel for the 2nd party. When I perused the records it is seen clearly, that the 1st party was directed to file his claim statement on 26-4-94 for the first time. But till 17-5-96 many opportunities were given for the 1st party to file claim statement. In particular, on 16-4-96 time was granted as last chance and then on 17-5-96 again time was given to file claim statement with petition as final and last chance. Even, then, that too after keeping the case upto 4.30 p.m. neither the 1st party nor his counsel on record present to file proper claim statement as per order. Hence, in such circumstances the case was posted for award. But even till this date no steps is being taken by the 1st party under Industrial Dispute Act.

(4) In such circumstances, this Tribunal cannot pursue any records except the reference received from the Ministry of Labour, Government of India. But the said reference is in no way give any particulars about the case of the 1st party. Therefore, I am of the opinion that this Tribunal cannot pass any award on merits.

## AWARD

(5) Hence, this Central Reference No. 25/94 in the above said peculiar circumstances is rejected. Submit to Government.

(6) Dictated to PA, transcribed by him, corrected by me and signed on this Thursday the 11th day of September, 1997.

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1997

का.आ. 2662.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार तुंगभद्रा बॉर्ड, टी.बी. डैम, बेल्लरी डिस्ट्रिक्ट के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बैंगलूर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-42011/36/90-आई.आर. (डी.यू.)]

के.वी.बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th September, 1997

S.O. 2662.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Tungabhadra Board, T.B. Dam Bellary district and their workman, which was received by the Central Government on 16-9-97.

[No. L-42011/36/90-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT  
BANGALORE

Dated, this Friday, the 21st November, 1996  
PRESENT:

Sri. K. Mohanachandran, B.Sc., B.L., D.L., A.L.  
Presiding Officer.

Central Reference No. 63/90

## I Party

The Secretary  
Tungabhadra Fishnet & Ice,  
Factory Employees Union,  
Tungabhadra Dam, Hospet  
Taluk, Bellary District.

Vs

## II Party

(1) The Secretary,  
Tungabhadra Board,  
Tungabhadra Dam,  
Hospet Taluk, Bellary,  
(2) The Manager,  
Fishnet Making Plant,  
Tungabhadra Dam, Hospet,  
Bellary.

## AWARD

In this Central Government Reference No. L-42011/36/90-IR(DU) dated 9-11-90 the points for adjudication is fixed by the Honourable Government as follows:—

“Whether the action of the Tungabhadra Board, T.B. Dam Bellary District in not conceding the demands (As per Annexure I) of the Union is proper and justified? If not, to what relief the workmen are entitled to?”

The (brief) averments of the I party in the claim Statement are as follows:

The I party is the Registered Trade Union. The II Party engaged in manufacturing Fish nets and twines and it is an industrial concern. The I party submitted a charter of demands to II party on 15-2-1990. The II Party is having three type of employees (viz), Employees of Andhra Pradesh Government, Employees of Karnataka Government, (Services are taken for limited period only and their service condition are regulated by parent department), and the third type of employees are not Government employees but their salaries and other benefits are being adopted according to the Karnataka Government. The II Party had agreed to extend the benefits of Karnataka Government as per the agreement dated 24-7-1986. Hence the II party be directed to fix the scales of the I party on par with Karnataka Government employees.

2419 GI/97.-20.

The (concised) averments of the II party in counter objection statement are as follows :

The II Party do not have separate legal jurisdiction and is a part of Tungabhadra Board. The Tungabhadra Board is not an independent body. It functions under Government of India and the Secretary of Tungabhadra Board is appointed by the Govt. of India. The casual labourers are recruited based on the existence of work. The II Party is not an Industry and the employees are not workmen under the Industrial Dispute Act and as such the Industrial Disputes Act is not applicable to the II Party. The demands of the I Party are being kept under consideration. So if the concerned Government agrees to regularise the services of the employees as Karnataka Government, the same facility will be extended to the I Party. Hence the relief sought by the I Party has to be rejected.

As per the order of my predecessor, this case is posted for evidence and accordingly the case is adjourned on various dates for evidence. But on 21-9-96, the I party alongwith his counsel were present. The II Party also present. Since then the Secretary of the I Parties Union who filed the Claim Petition had expired, the present Secretary for the I Party union filed a fresh vakalat for the I Party. Both the parties filed a joint compromise memo. Both the parties had accepted the terms of the compromise and also agreed to act in accordance with terms of the compromise. Hence the compromise is recorded.

## AWARD

The C.K. No. 63/90 is rejected as settled out of court in terms of joint compromise memo. The parties are directed to bear their own cost. The joint compromise memo dated 21-11-1996 will be part and parcel of this Award. Submit to the Government.

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1997

का.प्र. 2663.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार तुंगभद्रा बोर्ड टीबी. डैम, बैलरी डिस्ट्रिक्ट के प्रबन्धन के संबंध निरोधनों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुसन्ध में निम्नित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, बैंगलोर के पंचाल को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[पं. एन-42011/70/89-आई.आर. (टी.यू.)]

के.वी.बी. उप्पनी, डैस्क अधिकारी)

New Delhi, the 16th September, 1997

S.O. 2663.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the

management of Tungabhadra Board, T. B. Dam, Bellary District and their workman, which was received by the Central Government on 16-9-1997.

[No. L-42011/70/89-IR(DU)]

K.V.B. UNNY, Desk Officer.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this Thursday the 21st day of November, 1996

PRESENT :

Shri K. Mohanachandran, B.Sc. B.L., D.L.,  
A.L. Presiding Officer.

C. R. No. 47/90.

I Party :

S/Shri M. Govindarajan and others C/o. President, Tungabhadra Board Factory Workers and Civil Employees Union, Tungabhadra Dam Hospet taluk, Bellary District.

Vs.

II Party :

The Secretary Tungabhadra Board Tungabhadra Dam Hospet taluk Bellary District.

#### AWARD

In this Central Government reference No. L-42011/70/89-IR(DU), dated 23-8-1990, the points for adjudication is fixed as follows :—

“Whether the action on the part of the management of Tungabhadra Board, T. B. Dam in cancelling the promotion order in respect of S/Shri M. Govindarajan, K. Dharmoji, V. Ramamurthy, SVN. Somayajulu, I. Venkatesulu, Kum. K. Rajalakshmi, Smt. V. Palaniammal, and Shri MA. Khader from Grade I to Selection Grade is justified ? If not, what relief the workmen are entitled to and from what date ?”

(2) The (brief) averments of the 1st party in their claim statement are as follows :—

The 1st party is a registered union of Tungabhadra Dam and they are governed by the rules applicable to Government employees of Andhra Pradesh and Karnataka. The 1st party and the 2nd party had bilateral settlement on 24-7-1986. Subsequently the 1st party requested the 2nd party to reduce the service for Selection Grade from 20 years to 18 years and 1st Grade from 12 years to 11 years. The 2nd party accepted to it and had sent an order (vide) memorandum No. 5521/E-1/72, dated 29-8-1986. Accordingly the 2nd party sanctioned the Selection Grade to the 1st party. But the sanctioned order was cancelled without any reason which

is illegal. The 2nd party cannot say that it is not an industry etc. Such stand is untenable and unfair labour practice. Therefore, the 2nd party be directed to sanction promotions to 1st Party with all the benefits.

(3) The (concised) averments of the 2nd party in the counter objection statement are as under :—

The dispute of the 1st party is not a valid one and also not applicable to Tungabhadra Board. It is also not an independent body. The Tungabhadra Board is functioning under Government and have been listed in para 4(i) and (ii) of Government of India No. DW. VI 4(a) dated 10-3-1955. The Industrial Dispute Act is not applicable to Tungabhadra Board hence the Hon'ble Court has no jurisdiction to entertain the case therefore the 1st party cannot raise a dispute under Industrial Dispute Act moreover promotions cannot be claimed as a matter of right by the 1st party. The latest assessment shows only 28 workers are required as against 48. The surplus are deployed and are allowed to continue on humanitarian grounds though not justified. Therefore, the 1st party has no right to claim any relief. Hence, the prayer of the 1st party has to be rejected.

(4) As per the order of my predecessor, this case is posted for evidence, and accordingly the case is adjourned on various dates for evidence. But on 21-9-1996 the 1st party along with his counsel present. The 2nd party also present. Since the then Union Secretary who filed the claim petition had expired the present secretary for the 1st party filed a fresh vakalath for 1st party. Both the parties filed a joint compromise memo. Both the parties had accepted the terms of the compromise and they also agreed to act in accordance with terms of the compromise. Hence, the compromise is recorded.

#### AWARD

(5) The C. R. No. 47/90 is rejected as settled out of court in terms of joint compromise memo. The parties are directed to bear their own cost. The joint compromise memo dated 21-9-1996 will be part and parcel of this award. Submit to the Government.

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1997

का.प्रा. 2664 .—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आर्कलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, बेंगलूर के प्रबन्धतंत्र के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुसन्ध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बंगलूर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/21/90-आई.आर.(डी.यू.)]

के.वी.बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th September, 1997

S.O. 2664.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Archaeological Survey of India, Bangalore and their workman, which was received by the Central Government on the 16-9-1997.

[No. L-42012/24/90-IR (DU)]

K.V.B. UNNY, Desk Officer.

### ANNEXURE

### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT

### BANGALORE

Dated this Monday the 17th June, 1996

### PRESENT :

Shri K. Mohanachandran, B.Sc., B.L., D.L.,  
A.L. Presiding Officer.  
Central Reference No. 65/90.

### I Party :

Sri Honour Sab;

Vs.

### II Party :

(A) The Superintending Archeologist Archaeological Survey of India, Bangalore.

(B) The Dy. Superintending Archaeologist, Archaeological Survey of India, Bangalore.

### AWARD

In this reference made by the Honourable Central Government under its Order No. 42012/24/90-IR (DU), dated 9-11-1990, the point for adjudication as per schedule is :

“Whether the action of the Management of Archaeological Survey of India, Hampi National Project, Kamalapur under Archaeological Survey of India, Bangalore Circle, Bangalore in terminating the services of Sri Honour Sab Ex-Chowkidar without conducting Departmental Enquiry is justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?”

(2) As per the reference the I Party is Sri Honour Sab S/o. Shri Dawal Sab, 7th Ward Annabhavi Kamalapur P.O. Bellary District and there are two persons in the II party namely 'A' Person, the Superintending Archaeologist and 'B' Person, The Deputy Superintending Archaeologist,  
2419 GI/97—21

(3) After the reference was listed by this Tribunal, notice was issued to both the parties. Accordingly Shri L. M. Chidanandayya filed power for the I Party and Shri J. M. Riazuddin filed power for the II Party. But though a long time was granted for I Party for filing Claim Statement (i.e.,) from 17-12-1991 till 30-3-1994, (nearly about 2 years and 3 months). I Party neither appeared nor filed any Claim Statement till 30-3-1994.

But on 30-3-1994 it was reported that the I Party was died on 20-12-1992. Again, even though time was granted to bring legal representatives for the I Party (since deceased), from 30-3-1992 to 30-4-1996 (nearly about three years) no steps had been taken to bring LR's of the deceased I Party to proceed with the case further. But the Counsel for the II Party had represented on 30-4-1996 that even after 2 years no steps had been taken to bring the legal representative of the I Party and he also pressed for rejection of reference.

(4) Anyhow to give one more final opportunity, this Tribunal had granted time for filing LR Petition for I Party till 17-6-1996 as final last chance. But even then no steps had been taken to bring LR's of the deceased I Party. As I pointed out above, even till the death of the I Party no Claim Statement was filed by the I Party. In such circumstances, if it is seen from the records it is clear that, even though the I Party had represented by Advocate neither the I Party or his Advocate till the death of the I Party filed any sort of Claim Statement Nor any legal representative of the I Party cared enough to take any steps to proceed with the case further. Even, nobody was present on behalf of the deceased I Party, though many adjournments were granted within a period of 2 years.

(5) As correctly pointed out by the learned counsel of the II Party, since no claim statement was filed by the I Party, the II Party was unable to file any Counter Written Statement. This Tribunal cannot grant any relief without any material placed by the I Party on whose petition the Central Reference was made. Hence in such circumstances, I am of opinion that this Tribunal cannot pass any Award in a Vacuum and therefore the reference has to be necessarily rejected.

### AWARD

Award is passed rejecting the reference No. 65/90. Submit to the Government of India.

(Dictated to PA, transcribed by him, corrected by me and signed on this the 17th day of June 1996).

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1997

का.चा. 2665.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार तुंगभद्रा बोर्ड, टी. बी. डेम, बेलरी डिस्ट्रिक्ट के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके

कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बेंगलूर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एन-42012/198/90-आई.आर. (डीयू)]  
के.वी. बी. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th September, 1997

S.O. 2665.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Tungabhadra Board, T. B. Dam, Bellary District and their workman, which was received by the Central Government on the 19-9-1997.

[No. L-42012/198/90-IR (DU)]  
K. V. B. UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this Monday the 8th day of September, 1997  
PRESENT :

Shri K. Mohanachandran, B.Sc., BL, DL, AL.,  
Presiding Officer.  
CENTRAL REFERENCE NO. 33/91.

I Party :

Shri Seenu, S/o. Venkatesh, P.L.C. 15/4,  
Netaji Nagar, T. B. Dam-583 225.

Vs.

II Party :

The Secretary, Tungabhadra Board, Tungabhadra Dam Bellary District-583 225.

#### AWARD

In this reference made by Honourable Central Government under its order No. L-42012/198/90-IR (DU), dated 13-6-1991 the point for adjudication has been framed as follows :—

“Whether the action of the Tungabhadra Board, T. B. Dam, Bellary District, in terminating the services of Shri Seenu, S/o. Shri Venkatesh is justified ? If not, what relief the workman concerned is entitled to ?”

(2) As per the reference, the Ist Party is Shri Seenu, S/o. Venkatesh, residing at P.L.C. 15/4, Netaji Nagar, Tungabhadra Dam-583 225. After the reference was registered by this Tribunal, both the parties had been issued notice as usual. Shri

Vasudev, Advocate Bellary filed vakalth for the 1st party (whereas Shri A. K. Bhatt, Advocate filed vakalath for the 2nd party. Subsequently the claim statement has been filed on behalf of the 1st party. The (brief) averments of the claim statement are as follows :—

(3) The 1st party has joined the services of 2nd party as Daily wage worker and he has been transferred from one department to another frequently. The 1st party was terminated from work on 1-10-85 and his name also did not appear in the seniority list instead the workers who joined during 1983, 1984 and 1985 were shown in the seniority list. The principles of 1st come and last go is not followed by the 2nd party and thus violated the Industrial Dispute Act. The 1st party was also not given any service benefits during termination. The 2nd party is an industrial establishment functioning on behalf of the State. The 1st party was not made permanent on par with other workers as he had worked for 3½ years (i.e.) from 1982 to 1985. Therefore, the 1st party be reinstated with all the benefits.

(4) While the case was pending at the stage of filing written statement by the 2nd party, the case was taken up on 28-2-1997 at Bellary camp Court. Counsel for both the parties present. The counsel for the 1st party represented to this Tribunal that, inspite of the repeated letters, the 1st party was not present to give further instructions to the counsel and that since the 1st party was reinstated by the 2nd party, the 1st party had lost interest in proceeding with the case further. The learned counsel also requested this Tribunal to reject the reference as relief prayed was already granted by the 2nd party. He also filed memo to that effect along with one copy of the proceeding of the 2nd party in their order No. 2790/E-2/95, dated 18-9-1995. Accordingly the memo was recorded.

#### AWARD

(5) The C. R. No. 33/91 is rejected in terms of the memo dated 28-2-1997 filed by the counsel for the 1st party and also as the prayer of the 1st party was already granted by the 2nd party out of Court. The said memo dated 28-2-1997 together with the order of the 2nd party in 2790/E-2/95, dated 18-9-1995 will be part and parcel of the award. Submit to the Government.

(6) (Dictated to P.A., transcribed by him, corrected by me and signed on this Monday the 8th day of September, 1997.)

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1997

का.आ. 2666.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार हिन्दुस्तान साफ्ट लि. के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण,

जयपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-43012/10/86-डी III (बी)]  
बी.एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th September, 1997

S.O. 2666.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal Jaipur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Hindusthan Copper Ltd., and their workman, which was received by the Central Government on 17-9-1997.

[No. L-43012/10/86-D. III (B)]  
B. M. DAVID, Desk Officer.

अनुबन्ध

केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण, जयपुर

केस नं. सी.आई.टी. 55/1987

रेफरेंस : केन्द्र सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश क्रमांक एल-43012/10/86-डी-III बी दिनांक 31 जुलाई, 1987

सी.पी. शर्मा पुत्र श्री वेदराम, कृष्णा भवन, बाई नं. 6 खेतड़ी, जिला झुझनू

—प्रार्थी

बनाम

मैसर्स हिन्दुस्तान कॉपर लि., द्वारा अधिशासी अधिकारी खेतड़ी कॉपर फ़ार्मिंग्स, खेतड़ी नगर, जिला झुझनू

—अप्रार्थी

उपस्थित

पीठासीन अधिकारी: श्री एस. के. बंसल, आर.एच.जे.एस.

प्रार्थी की ओर से : श्री बी.एम. बागडा  
अप्रार्थी की ओर से : श्री मनोज कुमार शर्मा  
दिनांक अवाह : 3-6-97

अवाह

इस प्रकरण में निम्नलिखित अधिसूचना केन्द्रीय सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा अधिनिर्णय हेतु प्रेषित की गई है:—

“Whether the action of the management of Mines Suptt. Khetri copper Complex, Khetrinagar, in dismissing from service of Shri C. P. Sharma w.e.f. 2-5-81 is justified? If not, to what relief is the workman entitled and from what date?”

2. इसके पश्चात् इस प्रकरण में निम्नलिखित “शुद्धि पत्र” भी प्राप्त हुआ है:

“Whether the action of the management of Mines Suptt. Khetri Copper Complex, Khetrinagar, dismissing from service Shri C. P. Sharma w.e.f. 7-3-81 is justified? If not to what relief is the workman entitled and from what date?”

3. प्रार्थी सी.पी. शर्मा ने स्टेटमेंट ऑफ क्लेम पेश किया और उसका कथन है कि वह विपक्षी के यहाँ रिकार्ड कीतर के पद पर कार्य कर रहा था और उसे अचानक दिनांक 31-3-80 को आरोप पत्र दिया गया और उस आरोप पत्र में जो तथ्य वर्णित किये थे वे बिन्वुल झूठे व गलत थे और उसने उन आरोपों का जवाब भी पेश किया था परन्तु विपक्षी के जनरल मैनेजर जो कि आजकल अधिशासी अधिकारी कहलाते हैं, ने उसके जवाब पर विचार नहीं किया परन्तु यांत्रिक तरीके से जांच का आदेश दे दिया। प्रार्थी का यह भी कथन है कि जनरल मैनेजर प्रार्थी के खिलाफ थे इसलिए उसने प्रार्थी को विक्टोमाईज करने के लिए यह एक योजना बनाई हुई थी और उस योजना के अनुसार नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्तों की पालना नहीं की गई परन्तु विपक्षी के प्रतिनिधि को भी माध्य में पेश होने का मौका दिया गया, असल रिकार्ड भी जांच में पेश नहीं किया गया इसलिए जांच नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्तों के अनुरूप नहीं थी। प्रार्थी का यह भी कथन है कि इस प्रकरण के लिए आवश्यक रिकार्ड वेरीफाइल डाटा, जो कि कम्प्यूटर में डाला जाता है, और श्रमिक द्वारा बनाया गया था। इसके अलावा दूसरा रिकार्ड III पार्स, जो कि श्रमिक द्वारा बनाया गया था, और 15-9-78 से 31-1-80 तक था। प्रार्थी का यह भी कथन है कि उस समय ई.पाम रजिस्टर, मेजिकल लीव रजिस्टर, सी.एल. आर.एल. रजिस्टर, ई.एल. रजिस्टर, ओवरटाईम रिकॉर्ड-बीशन पार्स चैक लिस्ट वेरीफाइल डाटा, मेजिकल बिल नं. 84/662 जो कि श्रमिक द्वारा तैयार किया गया था और बिल नं. 55/6652 अक्टूबर, नवम्बर, 1983 का जो कि गलवाई सिंह द्वारा तैयार किया गया था, आवश्यक रिकार्ड था, परन्तु उसको पेश नहीं किया गया और श्रमिक के खिलाफ, साक्ष्य नहीं थी इसलिए उसे गलत दोषी ठहराया गया है। प्रार्थी का यह भी कथन है कि विपक्षी ने केवल एक नाथू सिंह साक्षी को पेश किया है जो कि विश्वास योग्य नहीं क्योंकि अधिक राशि उसको मिली थी, जो कि नाथू सिंह को ही जमा करनी थी, अन्य किसी साक्षी को पेश नहीं किया गया इसलिए कोई आरोप सिद्ध नहीं होता। प्रार्थी का यह भी कथन है कि प्रार्थी के खिलाफ जो आरोप लगाये गये हैं कि वह नाथू सिंह से रुपये वापस लेने उसके घर गया उस समय नन्दलाल उपस्थित था, परन्तु नन्दलाल को भी माध्य में पेश नहीं किया गया इसलिए नाथू लाल के कथन को नहीं माना जा सकता। प्रार्थी का यह भी कथन है कि ओवरटाईम की स्लिप जांच में पेश की गई है जिसमें श्री बी.वी. वत्सा अधीक्षक अभियन्ता

(यांत्रिक) के हस्ताक्षर हैं, जिस पर नाथू सिंह ने ही हस्ताक्षर करवाये और जब नाथू सिंह के ही अधिकारी ने उस पर हस्ताक्षर कर दिये थे तो प्रार्थी को इस अस्से की अदायगी के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। प्रार्थी का यह भी कथन है कि नाथू सिंह शराब पीता है इसलिए उसके कथन पर विश्वास नहीं किया जा सकता। यह भी कथन है कि उसने बैंक लिस्ट और बैरीएबिल डाटा में आने वाली भिन्नताओं को रिकार्ड पर रखा है जिससे भोत्पट्ट है कि जांच सही नहीं है। प्रार्थी का यह भी कथन है कि जांच अधिकारी के विनिश्चय केवल अनुमानों पर आधारित हैं और बैरीएबिल डाटा में बदलाव प्रार्थी द्वारा करना एक कल्पना है। यह भी कथन है कि उसने खेती की वॉपर प्रोजेक्ट में 13 वर्ष सेवा की है और उसका रिकार्ड बिना धब्बे के है और कोई भी व्यक्ति इस बात का विश्वास नहीं करेगा कि प्रार्थी ऐसी छोटी बातों में अन्तर्गत होगा। प्रार्थी का यह भी कथन है कि बहस के दौरान प्रार्थी पर लगाये गये आरोप मान भी लिये जायें तो भी ये नैकनियति से की गई गलतियाँ हैं जिनपर सेवा मुक्ति का दण्ड नहीं दिया जा सकता इसलिए 7-3-81 को सेवा मुक्ति का जो दण्ड दिया गया है वह अपास्त किया जाये और प्रार्थी को पूर्णतः सहित सेवा में बहाल किया जाये।

4. विपक्षी ने जवाब पेश किया और उन्होंने इस बात को स्वीकार किया है कि सी० पी० शर्मा उनके यहाँ रिकार्ड वॉपर का काम करता था परन्तु घरेलू जांच में वह बेईमान पाया गया था। यह भी कथन है कि आरोप पत्र प्रार्थी को दिया गया था और जो आरोप लगाये गये थे, वे सही थे और नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत के अनुसार जांच की गई व जो दण्डादेश पारित किया गया वह भी सही है इसलिए प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारिज किया जाये। विपक्षी का यह भी कथन है कि अगर न्यायालय द्वारा जांच आजु व उचित नहीं पाई जाये तो उन्हें न्यायालय के सनक्ष आरोप साबित करने का मौका दिया जाये।

5. दिनांक 9-5-89 को पक्षकारान् को मुनवाई का मौका दिये जाने के पश्चात् जांच को अवैध घोषित किया गया इस पर विपक्षी ने अपनी साक्ष्य पेश की। विपक्षी ने साक्ष्य में श्री नाथू सिंह, बन्नी प्रसाद भट्टाचार्य, ए०के० रायजादा व एस० आर० सोनी के कथन करवाये हैं। इसके खण्डन में प्रार्थी श्री सी पी० शर्मा ने अपने व श्री जामीर सिंह के बयान करवाये हैं। विपक्षी ने मौखिक साक्ष्य के साथ-साथ प्रदर्श एम-1 से प्रदर्श एम-12 व 13 दस्तावेज पेश किये हैं। प्रार्थी ने मौखिक साक्ष्य के अलावा प्रदर्श डब्ल्यू-1 से डब्ल्यू-17 दस्तावेज पेश किये हैं।

5. पक्षकारान् के प्रतिनिधिगण की बहस मुनी गई, पत्रावली का अवलोकन किया गया।

6. विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि श्री मनोज कुमार शर्मा का तर्क है कि आरोप जो प्रार्थी पर लगाया गया है उसको तीन भागों में बांटा जा सकता है। प्रथम भाग यह है कि

प्रार्थी ने बैरीएबिल डाटा जो कि कम्प्यूटर के लिए गया था बनाते समय नाथू सिंह से रुपये 29.12 पैसे, जो पिछले वसूल किये जाने थे, को दिसम्बर, 1978 के बैरीएबिल डाटा में नहीं दिखाया जिससे नाथू सिंह श्रमिक कोड नं० 23340 से उसकी वसूली नहीं हो सकी और जिससे कम्पनी को नुकसान हुआ। विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि इस आरोप को सिद्ध करने के लिए विपक्षी की ओर से III फार्म प्रदर्श एम-7 व कम्प्यूटर बैरीएबिल डाटा, बैंक लिस्ट प्रदर्श एम-5 पेश की गई हैं। इन दिनों दस्तावेजों से यह साबित होता है कि दिसम्बर 1978 के बैरीएबिल डाटा में रु० 29.12 पैसे नाथू सिंह से जो कि पहले के वसूल किये जाने थे, नहीं दिखाये व इसलिए नाथू सिंह को अधिक अदायगी की गई और नाथू सिंह को अवैध लाभ पहुंचाकर कम्पनी को नुकसान पहुंचाया। यह भी तर्क है कि असल बैरीएबिल डाटा या उसकी कार्बन प्रतिलिपियां जो कि जांच में पेश की गई थी, किन्तु उसके पश्चान् वह फिर गुम हो गई और न्यायालय के समक्ष पेश नहीं की जा सकी और जो प्रदर्श एम-5 बैंक लिस्ट पेश की गई है वह भी बैरीएबिल डाटा के आधार पर बनाई जाती हैं, जैसे कि सी०पी० शर्मा ने एम-11 कथनों में कहा है। इसलिए असल रिकार्ड पेश नहीं होने का कोई प्रभाव नहीं है और इससे कोई प्रार्थी के खिलाफ अवधारणा नहीं ली जानी चाहिए। विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि ने इस तर्क के समर्थन में 1 एल०एल० जे० (एस० सी०) 269, महाराष्ट्र राज्य बनाम मधुकर नरायनन को पेश किया है।

7. विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि का यह तर्क है कि प्रथम आरोप का दूसरा भाग यह है कि प्रार्थी ने नाथू सिंह हेलपर कोड नं० 23340 को बिना किसी स्लिप व उसका अतिकाल (ओवरटाईम) ई-फार्म में दर्ज हुए बिना ही 49 घंटे का अतिकालिक भत्ता दिलाया जो कि उसने बैरीएबिल डाटा में इन्द्राज किया जो कि एक धोखा है। विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि का यह तर्क है कि इस आरोप का तीसरा भाग यह है कि प्रार्थी ने नाथू सिंह को 31 दिन का वेतन दिलवाया जबकि वह उस महीने में केवल 26 दिन का वेतन पाने का अधिकारी है इसलिए उसने श्रमिक नाथू सिंह से मिलकर ऐसा किया इसलिए प्रार्थी के खिलाफ बेईमानी से अधिक वेतन दिलवाना साबित होता है। विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि इस प्रकरण में नाथू सिंह ने अपने शपथ पत्र के पैरा 2 व 3 में यह कथन किया है कि उसको अधिक अदायगी दिलवाई जो बाद में सी०पी० शर्मा उससे वापस ले गया और इसका कहीं भी प्रति परीक्षण में कोई कटाव नहीं आया बन्नी प्रसाद भट्टाचार्य के कथनों से यह साबित होता है कि सी० पी० शर्मा ने नाथू सिंह को अधिक भुगतान किया और जो अदायगी प्राप्त करनी थी वह भी नहीं काटी और इस बयान को कहीं भी चुनौती नहीं दी गई है। श्री रायजादा के शपथ पत्र में भी यह साबित होता है कि प्रार्थी ने अधिक अदायगी नाथू सिंह को की इसलिए प्रार्थी के खिलाफ बना ओवरटाईम स्लिप के भुगतान



करने 26 दिन के बजाय 31 दिन का भुगतान नाथू सिंह का दिलवाने व रुपये 29.12 पैसे वसूल नहीं करने व गलत वैरीएबिल डाटा भेजना साबित होता है।

8. विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि का यह तर्क है कि इस प्रकरण में दिसम्बर, 1978 से जनवरी, 1979 की जो ओवरटाईम की स्लिपें पेश की गई हैं वे साबित नहीं होता क्योंकि ई-फार्म रजिस्टर, जिसमें श्रमिकों की हाजिरी लगाई गई है, श्रमिक नाथू सिंह का कोई ओवरटाईम नहीं दिखाया गया और न ही प्रार्थी द्वारा जो दो ओवरटाईम की स्लिपें प्रदर्श एम-12 व एम-13 जिनके आधार पर भुगतान किया गया है, पर किसी समय पालक के हस्ताक्षर नहीं हैं और न ही पाली अधिकारी के हस्ताक्षर हैं और नाथू सिंह ने भी अपने हस्ताक्षरों में इन्कार किया है इसलिए ये ओवरटाईम की स्लिपें प्रदर्श एम-12 व एम-13-डब्ल्यू-5 व डब्ल्यू-6 फर्जी हैं और इनके आधार पर जो अदायगी की गई है वह कम्पनी को गलत नुकसान पहुंचाने के लिए धोखा देकर की गई है और वह अदायगी स्वयं प्रार्थी ने नाथू सिंह से प्राप्त कर ली है इसलिए उसकी बदनियति साबित होती है। विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि ओवरटाईम की स्लिपें प्रदर्श एम-12 व एम-13 प्रार्थी के कब्जे से पेश हुई हैं जिससे भी यह साबित होता है कि ये ओवरटाईम की स्लिपें फर्जी हैं। इसलिए इनके आधार पर जो भी अदायगी की गई है उसको फर्जी माना जाना चाहिये। विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि का यह तर्क है कि चार्ज नं० 3 मार्च, 1979 के वेतन के बारे में है जिसमें प्रार्थी ने नाथू सिंह श्रमिक को 31 दिन का वेतन दिलवाया है जबकि फार्म III रजिस्टर में नाथू सिंह की अनुपस्थिति लगाई गई है और नाथू सिंह ने स्वयं ने इस बात को स्वीकार किया है कि उसने मार्च, 1979 में कोई काम नहीं किया। इस प्रकार नाथू सिंह के बयानों से चैक लिस्ट से, III फार्म रजिस्टर से बड़ी प्रसाद भट्टाचार्या के बयानों से यह साबित होता है कि प्रार्थी श्रमिक ने नाथू सिंह का मार्च, 1979 का वेतन बिल गलत बनाया और उसमें 31 दिन का वेतन दिखाया गया है जब कि कोई वेतन नहीं था। इस प्रकार उसने कम्पनी को नुकसान पहुंचाया। यह भी तर्क है कि जांच के दौरान श्रमिक सी.पी. शर्मा का प्रदर्श एम-II बयान हुआ है जिसमें भी उसने विपक्षी द्वारा लगाये गये कथनों को स्वीकार किया है इस लिए प्रार्थी के खिलाफ लगाये गये आरोप सिद्ध होते हैं और जो दण्डादेश पारित किया गया है वह उचित है इसमें हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिये। विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि ने इस तर्क के समर्थन में एल०एल०जे० (1972) (बॉल्यूम-I) (एस०सी०) यूनियन ऑफ इण्डिया बनाम सरदार बहादुर व जे० टी० 1996 (2) (एस०सी०) 140, हरीचन्व वगैरह बनाम राज्य सरकार को पेश किया है।

9. प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि श्री बी० एम० बागड़ा का जवाब में कहना है कि नाथू सिंह श्रमिक का बयान विश्वासनीय नहीं है क्योंकि वे गरीब पीता है, और उसको चोरी के आरोप में हटाया गया है और उसका आवरण

सही नहीं है और उसने अधिक अदायगी प्राप्त की थी जिसकी जिम्मेदारी उसको थी उसमें बचने के लिए बयान दिया है, इसलिए उसके कथनों पर विश्वास नहीं किया जाये। यह भी तर्क है नाथू सिंह ने अपने कथनों में माना है कि उसने तीन महीने सरणीज पर व अन्डरग्राउन्ड में काम किया था परन्तु अन्डरग्राउन्ड में कार्य का कोई रिकार्ड पेश नहीं किया इसलिए वह माना जाना चाहिये कि अगर वह रिकार्ड पेश होता तो प्रार्थी के कथन का समर्थन करना और जो ओवरटाईम दिलवाया गया है वह सही है। यह भी तर्क है कि मार्क्स स्लम, 1955 के नियम 59 के अनुसार नियोजक द्वारा I फार्म में ओवरटाईम का रजिस्टर रखा जाता है जिसको नाथू सिंह व बड़ी प्रसाद ने माना है परन्तु कोई I फार्म रजिस्टर पेश नहीं किया गया इसलिए इनके अभाव में यह माना जाये कि नाथू सिंह ने ओवरटाईम काम किया जिसको स्लिप एम-12 व एम-13 के आधार पर अदायगी की गई, वह सही है। प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि नियम 59 के अनुसार ओवरटाईम करने वाले श्रमिकों का ओवरटाईम का इन्द्राज फार्म I में होता है, जिसका प्रोफार्मा भी दिया गया है परन्तु नियोजक ने मार्च/दिसम्बर, 1978, जनवरी 1979 का न तो आई फार्म रजिस्टर पेश किया है और न ही अप्रूवल स्लिप पेश की है तथा सी फार्म भी पेश नहीं किया और 17-12-78 से 15-1-79 तक की अवधि का ई फार्म रजिस्टर भी पेश नहीं किया है इसलिए यह साबित होता है कि प्रदर्श एम 12 व एम 13 ओवरटाईम की स्लिपें सही हैं प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि इस प्रकरण में रिकार्ड रखने का काम गणपत करता था, जिसको भी साक्ष्य में पेश नहीं किया गया और न ही श्री बत्ता कन्दौलिंग अधिकारी को पेश किया गया है तथा शिफ्ट इंचार्ज श्री राजसिंह को भी पेश नहीं किया गया और इसी कारण यह उपधारणा ली जानी चाहिये कि अगर ये व्यक्ति साक्ष्य में पेश होते तो प्रार्थी के कथन कि प्रदर्श एम 12 व एम 13 सही बनाई गई है, का समर्थन करते विपक्षी के कथनों का समर्थन नहीं करते। तथा इन स्लिपों के आधार पर जो अदायगी की गई है वह सही है।

10. प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह तर्क है कि प्रार्थी के पास वैरीएबिल डाटा तैयार करने में पहले ओवरटाईम फार्म एम-12 व एम-13 नाथू सिंह के हस्ताक्षर व कन्दौलिंग अधिकारी के हस्ताक्षर होने के बाद आया जिसके आधार पर प्रार्थी ने वैरीएबिल डाटा के साथ ओवरटाईम फार्म के अनुसार ओवरटाईम के विवरण के साथ सूची बनाकर भेजी थी और नाथू सिंह ने प्रदर्श एम 12 व 13 के अनुसार ओवरटाईम की राशि का भुगतान प्राप्त किया है इसलिए प्रार्थी के खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं होता। प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि नाथू सिंह ने प्रदर्श एम 1 प्रार्थी के विरुद्ध शिकायत पेश की है उसमें न तो प्रार्थी का नाम दिया है और न ही ओवरटाईम न करने के बारे में कोई उल्लेख किया गया है तथा प्रदर्श

एम 1 जो दो दिन बाद पेश करना बताया गया है में ओवर टाईम में गड़बड़ी बताई गई है और प्रदर्श एम 2 खुद ने अपनी इच्छा से नहीं लिखी बल्कि टाईम ऑफिस में सवाई सिंह, महावीर प्रसाद माथुर टाईम कीपर से सलाह करके उनके द्वारा सी०पी० शर्मा का नाम बताने पर उनके द्वारा शिकायत लिखकर देने के बाद खुद ने उसको नकल करके पेश की है तथा एम 2 पर किसी भी नियोजक अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं है जबकि एम 1 पर पी० ओ० के लघु हस्ताक्षर है। इस प्रकार ओवरटाईम माह दिसम्बर 1978 जिनका भुगतान जनवरी में किया गया व माह जनवरी 1979 का भुगतान फरवरी 1979 में नाथू सिंह ने प्राप्त किया और नाथू सिंह के अनुसार फरवरी, 79 में जो उसको अदायगी मिली उसका पेमेंट सी०पी० शर्मा ने प्राप्त नहीं किया जबकि वह तीनों महीनों का पेमेंट वापस लेना चाहता है। इस प्रकार नाथू सिंह के बयानों को नहीं माना जाना चाहिये।

11. प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि माह मार्च 79 में III फार्म के अनुसार वैरीएबिल डाटा में 000 लिखा था जिसकी पुष्टि प्रदर्श -8 में होती है, तथा विभागीय जांच के रिकार्ड को माना भी जाये तो विभागीय जांच में जो वैरीएबिल डाटा मार्च, 79 का पेश हुआ है उसमें 000 लिखा हुआ है जोकि कोर्ट में नियोजक ने पेश नहीं किया। इसलिए यह माना जाना चाहिये कि असल वैरीएबिल डाटा व कार्बन प्रतियां जो कि प्रार्थी के हाथ की लिखी हुई हैं, वह प्रार्थी के कथनों का समर्थन करती थी। इसलिए विपक्षी की साक्ष्य ने यह साबित नहीं होता कि प्रार्थी ने कोई गलत इन्दराज किया जिनके आधार पर नाथू सिंह को अधिक अदायगी हुई हो।

12. प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि प्रदर्श डब्ल्यू-1 व डब्ल्यू-2 को देखने से स्पष्ट है कि दिसम्बर में नाथू सिंह ने 49 घंटे काम किया और ओवर टाईम वेतन अधिक मिला है जबकि जनवरी 79-में 56 घंटे ओवर टाईम काम किया और वेतन कम मिला और यह वेतन नाथू सिंह ने लेना स्वीकार किया है और नाथू सिंह से इसकी कोई वसूली नहीं की गई है इसलिए नाथू सिंह ने बचने के लिए ऐसा किया है इसलिए उसके कथनों पर विश्वास नहीं किया जाये। प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का तर्क है कि विभागीय जांच की कार्बन कॉपी जो पेश की गई है उसमें नाथू सिंह ने माह दिसम्बर 78 में 29.12 पैसे तथा माह जनवरी 79 में 42.28 पैसे का इन्दराज किया गया है और मूल वैरीएबिल डाटा पेश नहीं किया गया है जिसमें यह उप धारणा ली जानी चाहिये कि ये रिकार्ड जान-बूझकर इसलिए पेश नहीं किया गया है कि अगर यह पेश होता तो प्रार्थी के कथनों का समर्थन करता और विपक्षी के प्रकरण का समर्थन नहीं करता इसलिए प्रार्थी के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है और कोई आरोप सिद्ध नहीं होता। इसलिए प्रार्थी को इन आरोपों से दोष मुक्त किया जाये।

13. प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है जो आरोप पत्र प्रार्थी को दिया गया है उसमें ऐसा कहीं नहीं है कि प्रार्थी तो सी. पी. शर्मा ने नाथू सिंह से ओवरटाईम के अधिक दिये गये पैसे वापस लिये इसलिए अगर कोई आरोप माना भी जाये तो ज्यादा से ज्यादा लापरवाही से वैरीएबिल डाटा बनाने का साबित होगा और उसके खिलाफ कोई दोष सिद्ध नहीं होता इसलिए कम्पनी के स्थाई आदेशों के नियम 40 के अनुसार प्रार्थी को जो सेवा मुक्ति का दण्ड दिया गया है वह अधिक है क्योंकि नियम 40 के अनुसार कम्पनी की कोई प्रार्थी की लापरवाही से नुकसान हुआ है तो वह उससे वसूल किया जा सकता है। इसलिए इस प्रकरण में भी कोई लापरवाही है तो प्रार्थी से उस राशि को वसूल किया जाना चाहिये और जो दण्डादेश सेवा मुक्ति का पारित किया गया है वह अधिक है व उसे अपास्त किया जाना चाहिये।

14. प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि का यह भी तर्क है कि इस न्यायालय द्वारा 13-9-95 को आदेश पारित किया गया है कि विभागीय जांच की कार्यवाही को इसमें शामिल नहीं किया जायेगा। इसलिए विभागीय जांच के दौरान हुई कार्यवाही को इस प्रकरण में नहीं पढ़ा जा सकता और आरोपों के प्रदर्श एम-II बयान को भी उस हद तक ही पढ़ा जा सकता है जिस हद तक उसके बयान से विरोधाभास न्यायालय में करवाया गया है और पूरे बयान नहीं पढ़े जा सकते इसलिए प्रार्थी के खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं होता। यह भी तर्क है कि प्रदर्श डब्ल्यू-14 अजमेर विश्वविद्यालय द्वारा कम्प्यूटर की गलती का समाचार पत्रिका में प्रकाशित हुआ, उसकी प्रति है, जिससे भी साबित होता है कि कम्प्यूटर में गलती से भी गलतियां हो सकती हैं और इस गलती के लिए प्रार्थी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता इसलिए प्रार्थी के खिलाफ आरोप सिद्ध नहीं होता। इस तर्क के समर्थन में प्रार्थी के विभिन्न प्रतिनिधि ने निम्नलिखित न्याय निर्णय पेश किये हैं:

1. 1996 लैब. आई. सी. 2595 (मान. उड़ीसा उच्च न्या.) आनन्द चन्द्र प्रस्टी बनाम उड़ीसा मईनिंग कार्पोरेशन लि.
2. 1995 लैब. आई. सी. 1496 (मान. बाम्बे उच्च न्या.) चन्द्रकुमार मधुकर देशमुख बनाम बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ऑफ पोर्ट ऑफ बॉम्बे।
3. डब्ल्यू. एल. एन. [य. सी. (1981 पेज 457) मान० राज. उच्च न्यायालय] अमृत लाल बनाम राजस्थान राज्य
4. 1991 एल. एल. एन. 228 (मान. भिलाई-बाद उच्च न्याय.) जगदीश प्रसाद सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

5. 1996 लैब. आई. सी. 2326 ( मान. पंजाब व हरियाणा उच्च न्या. ) पंजाब स्टेट कोआपरेटिव सप्लाय एंड मार्केटिंग पैडरेशन लि. चंडीगढ़ बनाम पीठासीन अधिकारी, श्रम न्यायालय, जालंधर,
6. 1995 लैब. आई. सी. 1971 ( मान. इलाहाबाद उच्च न्या. ) यू. पी. राज्य पथ परिवहन निगम बनाम सरफराज हुसैन
7. सिविल अपील नं. 376/76 निर्णय दिनांक मार्च 18, 1977 कांस एंड किंगस ( एजेंट्स ) लि. बनाम उनके अधिकरण
15. मेरे विचार में इन तर्कों को विवेचन करने के लिए प्रथम तो आरोप पत्र को प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है जो निम्नलिखित है :

- (i) While feeding computer variable Data for monthly wage bills for workmen of Kolihan Mine for the month of December, 1978, as amount of Rs. 29-12 was to be recovered from the wage bill of Shri Nathu Singh, Code No. 23340, Helper towards excess payment. But this recovery has not been effected till date. On the other hand Shri Nathu Singh was shown to have worked 49 hours overtime though there is neither any over time requisition slip nor any entry in the Form 'E' Register regarding his having been engaged on over time work. Further he was allowed wages for 31 days as against 36 days attendance in the month of December 1978.
- (ii) During the month of January, 1979 while feeding computetr variable data, an amount of Rs. 42.28 was to be recovered from the wage bill of the above mentioned workman namely Shri Nathu Singh towards excess payment which was not recovered. On the other hand data was also fed from 56 hours of overtime for which there was neither any overtime requisition slip nor any such entry was available in Form 'E' Register.
- (iii) That for the month of March 1979 Shri Nathu Singh was allowed full month's wages on the basis of variable data fed by you to the Computer whereas Shri Nathu Singh was not shown as present during the entire month as per the entries in Form III Register. Thus Shri Nathu Singh has been paid excess amount than what he was actually entitled to."

The above acts alleged to have been committed by you amounts item 39(2) (iii).....Fraud or dishonesty in connection with the Company's business....(iv) taking or giving bes or any illegal gratification whatsoever (v).....any act subversive of discipline.

Since the charges levelled against you are of very grave and serious nature, you are hereby suspended pending enquiry and final orders in the matter with immediate effect. During the period of suspension pending enquiry you will be paid subsistence allowance as admissible under the Standing Orders as applicable to you, You are also required to sign daily in the register of suspended workman kept at the Security Barrier Gate as a token of your having not left the Head quarters without permission.

Should you fail to record your presence as aforesaid it will be deemed that you have left the Headquarters without permission and you will not be paid subsistence allowance for such period.

You are hereby required to explain within 3 days of the receipt thereof as to why you will not be appropriately dealt with for the charges of misconduct levelled against you as above. Should you fail to explain, as advised, the matter will be disposed of without any further reference to you."

16. इस प्रकरण में मुख्य मौखिक साक्ष्य ( गवाह ) विपक्षी की ओर से श्री नाथु सिंह को पेश किया गया है । मेरे विचार में नाथु सिंह का बयान विश्वसनीय नहीं है । नाथु सिंह का मुख्य परीक्षण में कथन है कि :—

- (1) यह कि मैं हिन्दुस्तान कंपर लि. की कोलिहान माइन्स में बैतोर हेल्पर यांत्रिक ( मैकेनिकल ) विभाग में दिनांक 10-12-876 से कार्य कर रहा हूँ ।
- (2) यह कि वर्ष 1978 के बारहवें महीने और वर्ष 1979 के जनवरी और मार्च महीने का वेतन जब मैं लेकर अपने घर पहुंचा ही था जब श्री पी. पी. शर्मा जो उस समय मेरी तनख्वाह बनाने थे, आ जाते थे और मुझे कहते कि तनख्वाह दूसरे आदमी के हिसाब से गलती से उसका बिल मेरी तनख्वाह में चढ़ गया है तो तू मुझे ज्यादा रुपया आ गया है वह दे दे । और तेरी हाजिरी के दिनों का रुपया तुझे दे देता हूँ ।

(3) यह कि मैं चूँकि कई दिन गैरहाजिर रहता था तो मुझे लगा कि ज्यादा रुपया गलती से ही मुझे मिल गया है। तो मैं श्री सी. पी. शर्मा की बात का विश्वास करता रहा और श्री शर्मा ने मुझे दिसम्बर 1978, जनवरी, 1979 एवं मार्च, 1979 के वेतन के पेटे रुपये 200 व 250 ही मिला और जो वेतन मुझे तीनों महीनों की लिफाफे में और पे-स्लिप में चढ़कर मिलता था उन 200, 250 रुपयों को छोड़कर बाकी राब रुपया श्री शर्मा मुझसे ले लेते थे और कहते थे कि यह रुपया फाईनेंस में जमा करके रसीद दे दूंगा। मैंने जब ऐसी तीसरी बार हुआ तो श्री शर्मा से पूछा था कि मेरे वेतन में ही बार बार गड़बड़ क्यों हो जाती है मुझे तब श्री शर्मा ने कहा कि हजारों का बिल बनाता हूँ विमाग खराब हो जाता है। मैं बोला ठीक है पर शर्मा जी रसीद तो दो, उन्होंने कहा कि एक साथ दूंगा।

(4) यह कि कई बार अप्रैल, 1979 से दिसम्बर, 1979 के दौरान मैंने इनसे रसीद देने को पूछा। वह मुझे रसीद देने को टालते रहे और कभी कहते कि घर पर रह गई कभी कहते कि ला दूंगा तू घबराता क्यों है।

(5) यह कि माह जनवरी की 29 तारीख 1980 के दिन मेरी इनसे रसीद वापस जो रु. 1000 फाईनेंस में जमा कराकर मुझे देने का वादा कर गये थे, नहीं देने के बारे में कहा मुसी हो गई। श्री शर्मा ने कहा कि तेरे से जो बने कर लेना मेरे पास तो रसीद वसीद नहीं है। तू जो चाहे कर ले। मैंने इस बात को कुछ अन्य श्रमिकों को बताया, उन्होंने कहा कि पी. ओ. साहब को शिकायत लिख दे। मैंने उन श्रमिकों में से एक से शिकायत लिखवाई और मैंने अपने हाथ से लिख कर पी. ओ. साहब को दे दी। यह शिकायत प्रदर्शन ए-1-1 है। इस पर मेरे अ से अ हस्ताक्षर हैं।

(6) यह कि शिकायत प्रदर्शन एम-1 करने के बाद मेरे द्वारा ओवर टाईम नहीं करने की बात की शिकायत दो दिन बाद की है यह शिकायत एम-2 है।

(7) यह कि मेरी शिकायतों के बाद श्री शर्मा का आरोप पत्र कम्पनी ने दिया और उन्हें काम पर से सस्पेंड कर दिया। यह कि श्री शर्मा के ऊपर आरोपों की जांच कम्पनी ने की थी। उस जांच में मेरे बयान हुए थे। जांच में मुझसे जो पूछा उसके जवाब मैंने लिखवाये

थे। मेरा कम्पनी की जांच का बयान रिकार्ड पर है।

(8) यह कि श्री शर्मा ने मुझे इस कोर्ट में बयान नहीं देने को कहा और कहा कि बयान देना है तो बयान बदल देना। मैं नौकरी में आ जाऊंगा मुझे दोतीन लाख रुपया मिल जायेगा तुझे 50,000 रुपया मिल जायेगा, मैंने कहा कि मुझे 50 पैसे भी नहीं चाहिये, मैं तो अपने बयान नहीं बदलूंगा।

(9) यह कि ये बात आज से सवा महीने पहले मेरे घर आकर श्री शर्मा ने कही थी मैंने यह बात अपने आस पास रहने वाले मित्रों को बताई। उन्होंने कहा बयान बदल दे तुझे तो पड़े ही रुपये मिल जायेंगे। मैं बोला कि मैं तो टावरों को पानूंगा मैं ऐसा गलत काम नहीं करूंगा।

(10) यह कि मुझे कल बिनांक 10-8-89 को भी श्री शर्मा के आदमी ने बातें बताकर शराब पिलाई और पहल चांदपाल में श्री शर्मा का वकील के यहां ले गये, वकील ने कहा कि मैं नहाकर आता हूँ, बैठों कहा। वहां श्री सी. पी. शर्मा भी थे। श्री शर्मा ने कहा कि कोर्ट में मत जाना। 100/- रुपये देने लगा कि गांव चला जो मैंने नहीं लिये। उसने फिर वह रुपये बनवारी को दिये फिर हम नीचे हनुमान मंदिर के पास चाय पीने आ गये। तब मुझे बनवारी बाजार में गये और शराब पिलाई। मैं बनवारी को गांव जाने की कहकर रिक्षा में बैठा और फिर रिक्षा वाले से हाई कोर्ट छोड़ने को कहा क्योंकि मैंने सोचा कि वहां बनवारी साहब और वकील साहब मिल जायेंगे। तब मुझे वकील साहब के साथ काम करने वाले वकील श्री शिवसिंह जी हाई कोर्ट में मिले उन्होंने कहा कि तुम यहां क्या कर रहे हो, तेरी तो डूब मच रही है, फिर मैंने आकर कोर्ट को सबकुछ बताया था।

17. प्रथम तो ये कि नाथू सिंह ने 29-1-90 को प्रदर्शन एम-1 प्रार्थना पत्र गिराफत के रूप में पेश किया है जो निम्नलिखित है :—

“उपरोक्त विषय में नम्र निवेदन कर यह लेख है कि मुझे माह दिसम्बर 1978 व जनवरी 1979 के शुरु से तीन चार महीने में मेरी तनखाह में कुछ गड़बड़ी मिली मैंने तनखाह के बिल संवदी बाब को डम के बारे में बताया तो उन्होंने प्रत्येक माह में तनखाह से ज्यादा रकम जो थी वह वापस ले ली तथा कहा कि यह गलती से किसी दूसरे का पैसा

मुझे मिला है। यह पैसों में फाइनेंस में जमा करा दूंगा। इसके बावजूद मैंने कई दफा बिल संबंधी बावू से पैसों की रसीद मांगी परन्तु आज तक न ही मुझे रसीद दी तथा न ही कोई स्पष्टीकरण दिया है।

अब: अब मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि मेरे इन तनखाह की गड़बड़ों के बारे में उचित जांच तब मझे भरीय प्रार्थना को सन्तुष्ट जनक उत्तर देने की कृपा करें।

उपरोक्त प्रार्थना पत्र में नाथू सिंह ने यह कथन किया है कि उसे तीन चार महीने की तनखाह में गड़बड़ी मिली तो उन्होंने प्रत्येक माह में तनखाह से ज्यादा रकम भी वह वापस ले ली। इस प्रकार नाथू सिंह ने दिनांक 29-1-80 को लिखित में यह कथन किया है कि उसे ज्यादा तनखाह मिली जिसके बारे में उसने बिल बावू को बताया था जिसमें उसने प्रत्येक माह की अधिक रकम वापस ले ली थी। अब वह अपने शपथ पत्र के पैरा नं. 2 में यह बताता है कि वर्ष दिसम्बर, 1978, जनवरी 1979 व मार्च 1979 का जब वेतन लेकर वह घर पर पहुँचता था तो सी.पी. शर्मा आ जाता और कहता कि दूसरे आदमी के हिसाब से गलती में जो ज्यादा रुपया आ गया है वह ले जाता। इस प्रकार नाथू सिंह ने अपनी शिकायत प्रवर्ग एम-1 में दिये गये कथन को अपने शपथ पत्र में बदला है। अधिक अदायगी जो नाथू सिंह को की गई उसकी अभी तक वसूली नहीं की गई और अधिक वसूली के लिए नाथू सिंह जिम्मेदार है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नाथू सिंह का प्रार्थना पत्र प्रवर्ग एम-1 व शपथ पत्र के पैरा 2 में कथन को बदलना यह दर्शाता है कि वह गलत कथन कर रहा है अन्यथा उसके कथनों में इतना बदलाव न आता।

18. दूसरे यह तथ्य इस और भी इंगित करता है कि नाथू सिंह का कथन प्राकृतिक नहीं है इसलिए भी उसके कथन को नहीं माना जा सकता।

19. तीसरे नाथू सिंह का प्रति परीक्षण में कथन है कि जनवरी 1979 में उसे कितनी तनखाह मिली थी यह याद नहीं मगर उसका बंद लिफाफा था जिसमें ये स्लिप थी और वेतन केवल उसमें 250/- रुपये सी.पी. शर्मा ने छोड़ा था बाकी पैसे खुद ले गया था। आज खुद कहा कि दूसरे आदमी का गलती में चढ़ गया है, पैसे वापस कर दोगे तो फाइनेंस में वापस जमा करा दूंगा। मार्च में भी ऐसा हुआ था, उसका 200-250 रुपये ही छोड़े बाकी पैसे ले जाकर फाइनेंस में जमा कराने को कहा था। इस प्रकार नाथू सिंह के अनुसार उसने केवल 200-250 रुपये ही छोड़े थे बाकी रुपये सी.पी. शर्मा ले गया था। यह बात मानव व्यवहार में भी उचित प्रतीत नहीं होती कि कोई श्रमिक अधिक भुगतान वापस देने से पहले ये नहीं पूछे कि उसका असल पेमेंट कितना है और वह केवल 200-250 रुपये में बिना किसी हिसाब किताब के संतोष कर ले। यह परिस्थिति ये दर्शाती है कि नाथू सिंह सत्य कथन नहीं कर रहा है इसलिए उसका बयान विश्वसनीय नहीं कहा जा सकता।

20. चौथे नाथू सिंह का परीक्षण में कथन है कि "आप जब जनवरी में उसके पास आये हो नहीं तो आपको पैसे कहाँ से देता" इस प्रकार नाथू सिंह ने मुख्य परीक्षण में तो तीनों महीनों का पैसा देना कहा है और अब वह जनवरी का कोई पेमेंट देना नहीं कहता। इस प्रकार उसके कथनों में काफी विरोधाभास है जो यह दर्शाता है कि उसने असत्य कथन किया है।

21. पाँचवें, विपक्षी यह प्रकरण लेकर आया है कि मार्च 1979 में नाथू सिंह ने कोई काम नहीं किया और उसकी III फार्म रजिस्टर में 000 उपस्थिति थी। नाथू सिंह का प्रति परीक्षण में कथन है कि यह सही है कि मार्च 1979 की तनखाह 5-4-79 को ली है, 5-4-79 की उसकी फस्ट ड्यूटी थी ये ठीक है कि मार्च, 1979 के वेतन का बंद लिफाफा मिला था। मार्च का वेतन भी उसे 9.30 बजे से 10.00 के बीच मिला था। मार्च का वेतन लेकर वह घर गया, आप उसके पीछे पीछे घर आये, लिफाफा सी.पी. शर्मा ने खोला तथा मार्च में भी 200-250 रुपये छोड़कर यह कहकर ले गया कि उस पैसे को वापस फाइनेंस में जमा करा देगा, अन्वाज्ञ से उसने 200-250 रुपये बताया था। यह बात मानव व्यवहार में उचित प्रतीत नहीं होती कि नाथू सिंह श्रमिक ने जब मार्च, 1979 में कोई काम ही नहीं किया था तो वह अपना वेतन लेने कैसे पहुँचा और फिर उसने 200-250 रुपये अपने पास क्यों रखे। ये परिस्थितियाँ यही दर्शाती हैं कि वह असत्य कथन कर रहा है और इसमें किसी अन्य व्यक्ति का हाथ प्रतीत होता है। इसलिए नाथू सिंह के कथनों पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

22. छठे, यह बात मानव व्यवहार में उचित प्रतीत नहीं होती कि लगातार दिसम्बर, 1978, जनवरी, 1979 व मार्च, 1979 में किसी का बिल गलत बन आये और वह प्रत्येक माह में बिना किसी हिसाब किताब किये बिल बावू की चुपचाप अदायगी करता रहे और न ही रसीद मांगे और न ही फाइली में जाकर किसी से शिकायत करे और चुपचाप रहे। यह तथ्य भी ये दर्शाता है कि श्री सी.पी. शर्मा को नाथू सिंह ने कोई अदायगी नहीं की अन्यथा वह एक दो माह बाद अन्य श्रमिकों से भी कहता। उसका चुप रहना यह दर्शाता है कि ऐसी कोई अदायगी उसने सी.पी. शर्मा को नहीं की। इसलिए उसके कथन पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

23. सातवें, नाथू सिंह का प्रति परीक्षण में कथन है कि नन्द लाल पाँच तारीख को मौजूद था पर महीना याद नहीं। जब नन्द लाल बैठा था उस समय करीब 11.00 बजे का समय था उस रोज फस्ट ड्यूटी थी, नन्द लाल की ड्यूटी का उसे पता नहीं। वैसे नन्द लाल उसके सगे मामा का लड़का है जो उससे मिलने आया था। इस प्रकार नाथू सिंह के अनुसार जब सी.पी. शर्मा उसके पास पैसे लेने आया तब नन्दलाल भी मौजूद था। इस प्रकार नन्द

नाथू एक स्वतंत्र गवाह था उसे पेश नहीं किया गया। उसको पेश नहीं करने से यह उप धारणा की जा सकती है कि अगर उसे पेश किया जाता तो वह प्रार्थी के प्रकरण का समर्थन करता और विपक्षी के कथन का समर्थन नहीं करता। इसलिए भी नाथू सिंह के बयानों को नहीं माना जा सकता।

24. आठवें, ऐसी कोई साक्ष्य पक्षवली पर नहीं है कि दिसम्बर 1978, जनवरी, 1979 व मार्च, 1979 का वेतन जब नाथू सिंह ने प्राप्त किया तो उस खिड़की पर प्रार्थी सी०पी० शर्मा मौजूद था और उसके समक्ष नाथू सिंह ने वेतन लिया। यह परिस्थिति भी यह दर्शाती है कि अगर उसके समक्ष पेमेंट लिया होता तो इस बात को कहा जा सकता था कि उसे तब पता होता कि नाथू सिंह को अधिक भ्रष्टाचारी की गई है। परन्तु ऐसी कोई साक्ष्य नहीं आई इसलिए मानव व्यवहार में नाथू सिंह का यह कथन कि प्रार्थी उसके तन्ख्वाह लेते ही उसके पीछे-पीछे आ जाता था, माने जाने योग्य नहीं है। यह कथन भी कि उसने तीनों महीनों की तन्ख्वाह वापस ले ली थी माने जाने योग्य नहीं है।

25. श्री सी०पी० शर्मा ने अपने शपथ पत्र के पैरा नं. 14 में यह कथन किया है कि नाथू सिंह आदतन शराबी है तथा उसने मिथ्या शिकायत की है और उससे जहर में पूछा था कि उसके विरुद्ध ए.सी.जे.एस. कोर्ट खेतड़ी में चोरी का मुकदमा चल रहा है तो उसने इन्कार किया है जबकि कोर्ट की प्रतिलिपि पेश की है जो प्रदर्श डबल्यू-8 है। श्री सी.पी. शर्मा का अपने शपथ पत्र दिनांक 5-8-93 के पैरा नं. 6 में कथन है कि नाथू सिंह ने दूसरी यूनिन के पदाधिकारियों व अधिकारियों के बहकावे में आकर उसके विरुद्ध जो बयान किया है वह व्यक्ति हिन्दुस्तान कॉपर लि. खेतड़ी नगर में तांबा की चोरी करते हुए पकड़ा गया जिसको एफ. आई.आर. पुलिस थाना खेतड़ी नगर में इन्द्राज करवाई गई जिसका नम्बर 93/91 है तथा न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट खेतड़ी में मुकदमा नं. 267/91 है जो विचाराधीन है और प्रदर्श डबल्यू-16 है। श्री नाथू सिंह कोड नं. 23340 को नियोजक ने सेवा से असलग कर दिया, का आदेश प्रदर्श डबल्यू-17 है। इस प्रकार सी.पी. शर्मा प्रार्थी के शपथ पत्र से साबित होता है कि नाथू सिंह के खिलाफ चोरी का मुकदमा चल रहा है और उसे इसी कारण से सेवा से अलग किया गया है। इस प्रकार नाथू सिंह के इस आचरण को देखते हुए भी उसके बयानों पर विश्वास नहीं किया जा सकता। जब नाथू सिंह का बयान विश्वासनीय नहीं है तो उसका यह कथन कि प्रार्थी उससे दिसम्बर 1978, जनवरी, 1979 व मार्च 1979 के वेतन में से अधिक पैसे वापस ले गया था, माने जाने योग्य नहीं इसलिए नाथू सिंह विपक्षी की कोई मदद नहीं करता।

26. प्रार्थी के एम-11 बयान जांच के दौरान हुए हैं। एम-11 कथनों के दौरान पंज नं० 56 पर ही असल बैरीये-बिल डाटा व कार्बन प्रतिलिपियां बैरीयेबिल डाटा को जो पेश हुई थी और इन संबंधित मशीनों का जो विवरण लिखा

हुआ था व फार्म III पर जो विवरण लिखा हुआ है, उनका नोट अंकित किया हुआ जो, भी इस प्रकरण का निर्णय करने के लिए सुसंगत है और निम्नलिखित है:

Following records of time office are seized by the Enquiry Officer, and the present condition of individual entries regarding Mr. Nathu Singh is as under :

(Ex-6) 1-Form III a register of mechanical wing (from 16-11-78 to 15-2-79)

Condition : In horizontal total of attendance Dec. '78 for Mr. Nathu Singh—26|16 is there.

In excess column the recovery of Rs. 29.12 and Rs. 2/- as P.F. is shown.

In January '79—recovery of Rs. 42.28 and Rs. 3.00 as P.F.

2-Form III a register of mechanical wing (16-2-79 to 15-5-79).

In March '79 Total attendance of Mr. Nathu Singh is shown 000 and written as supp. bill.

3-Form E register of Mechanical Wing (from 29-10-78 to 16-10-78)

4-Form E register of Mechanical wing (4-2-79 to 24-3-79).

5-A file containing O.T. slips of mechanical wing of Dec. 1978 (16-11-78 to 15-12-78) and its compiled statement and duplicated variable data sheets of December 1978 of mechanical wing.

Against Mr. Nathu Singh's name in attendance column the figure is defaced badly and it appears to be made as 31. (as there was a dispute about identifying the figure and Mr. Lohani, who only was available a neutral man was called and asked what it appears to, he said it appears to be 31.).

In the total of attendance column the last digit is defaced and, however it is appearing as 6. Total figure is 7036. In the horizontal total of recovery columns Rs. 29.12 and Rs. 2 where original written and struck off-by carbon.

In Jan. 79 : In pay bill sheet against the Nathu Singh on the original figure of 31 zero zero zero zero (0000) were written by carbon.

In the columns of recovery a carbon print of Rs. 42.28 and Rs. 2.00 is written.

In the vertical total columns of attendance the total is 7203.

The vertical total of recoveries column is 3017.08 and 126.00.

In March 79 : In attendance column . 000 is over written on 31 by carbon.

Same file containing O.T. slips from 16-12-79 to 15-3-80 (three months) and its compiled statements—

Ex. M.11 6-A filed containing the computer data (printed) sheets from the month of December-1978, January, 1979, February, 1979 and March 1979.

Six items only

The enquiry is adjourned to 4th June, 1980 at 9.30 A.M. at the same place.

27. इस प्रकरण में विपक्षी की ओर से असल या डुप्लीकेट बैरीयेबिल डाटा जो प्रार्थी द्वारा बनाया गया था, पेश नहीं किया गया। केवल चैक लिस्ट, जो कि कम्प्यूटर द्वारा प्रार्थी द्वारा बनाये गये बैरीयेबिल डाटा के आधार पर बनाई गई है, को पेश किया गया है जो कि प्रदर्श एम-5 है।

28. प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि श्री बी एम बागड़ा का तर्क है कि इस प्रकरण में ऐसी कोई साक्ष्य नहीं कि दस्तावेज गुम हो गये और द्वितीय साक्ष्य धारा 65 साक्ष्य अधिनियम के अन्तर्गत पेश की जा सकती है लेकिन वह तभी पेश की जा सकती है जब धारा 65(सी) साक्ष्य अधिनियम के अन्तर्गत वर्णित परिस्थितियाँ साबित हो जायें। परन्तु इस प्रकरण में ऐसी कोई परिस्थिति साबित नहीं हुई इसलिए असल व कार्बन बैरीयेबिल डाटा जो कि जांच के दौरान पेश हुआ था, वह जानबूझकर पेश नहीं किया गया इसलिए प्रार्थी के खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं होता और प्रदर्श एम-5 चैक लिस्ट जिसमें गलतियाँ होने की संभावना रहती है, से कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिये और यह साक्ष्य नहीं पढ़ी जानी चाहिये और प्रार्थी के खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं होता।

29. विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि श्री मनोज कुमार शर्मा का जवाब में कहना है कि विपक्षी की ओर से श्री ए.आर. सोनी व ए.के. रायजादा के शपथ पत्र पेश किये गये हैं जिसमें यह अंकित किया गया है कि ये रिकार्ड उपलब्ध नहीं हैं और श्री रायजादा ने शपथ पत्र में यह रिकार्ड नहीं मिलना बताया और यह साबित होता है कि यह रिकार्ड गुम हो गया। इन परिस्थितियों में जो द्वितीय साक्ष्य पेश की गई है वह सही है और प्रार्थी ने भी यह माना है कि चैक लिस्ट असल बैरीयेबिल डाटा के आधार पर बनती है इसलिए चैक लिस्ट, जो कि असल बैरीयेबिल डाटा के आधार पर बनाई गई है, साक्ष्य में ग्राह्य है और धारा 65 साक्ष्य अधिनियम के प्रावधान इसमें लागू नहीं होते और इससे प्रार्थी के खिलाफ लगाये गये आरोप सिद्ध होते हैं।

30. मेरे विचार में प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि के तर्क में काफ़ी सार प्रतीत होता है। श्री एस.आर. सोनी ने अपने शपथ पत्र में निम्नलिखित कथन किया है:—

“घरेलू जांच में प्रबन्धक के अधिकारी द्वारा कुछ असल बैरीयेबिल डाटा प्राप्त करने का निवेदन किया था वह बैरीयेबिल डाटा उन्हीं समय दूढ़ने गया था परन्तु तुरन्त उपलब्ध नहीं थे असल बैरीयेबिल डाटा को आवश्यकता की पूर्ति किस प्रकार से हो सकती है उस वाक्य और बैरीयेबिल डाटा तुरन्त नहीं मिलने के बावजूद मैंने एक ऑफिस नोट सीनियर पर्सनल ऑफिसर कोलोहान काँपर माइन्स को लिखा था जो इस न्यायालय की पत्रावली पर प्रलेख पृष्ठ सं. 237 पर है इसे मैं सही प्रमाणित करता हूँ।”

31. श्री एस.आर. सोनी ने पेज नं. 237 पर रिपोर्ट 12-3-80 को दी है जिसके अनुसार असल बैरीयेबिल डाटा उनके पास उपलब्ध नहीं है, के बारे में कथन किया है। प्रदर्श एम-II बयानों में जो पेज 56 पर नोट दर्ज किया गया है वह दिनांक 30-5-80 का है। इस प्रकार जब 30-5-80 को असल व डुप्लीकेट बैरीयेबिल डाटा प्राप्त हो गया था तो पेज नं. 237 पर रिपोर्ट का कोई महत्व नहीं रह जाता और न ही श्री एस.आर. सोनी के बयानों का कोई महत्व रह जाता है। इसलिए यह गवाह विपक्षी को कोई मदद नहीं करता। श्री ए.के. रायजादा का शपथ पत्र पेश किया गया है जिसमें उसने शपथ पत्र के पैरा नं. 2 में निम्नलिखित कथन किया है:

“2. यह कि असल जांच रिकार्ड में आज उन प्रलेखों के साथ न्यायालय में लाया हूँ जो मुझे इस न्यायालय में आने के पूर्व उपलब्ध हुए हैं और दिखाये गये हैं। यह रिकार्ड मैंने कम्पनी के अधिकृत श्री मनोज कुमार शर्मा के कार्यालय में देखे। यह कि घरेलू जांच में माह दिसम्बर 1978, जनवरी, 1979 के जो बैरीयेबिल डाटा के प्रलेख एवं ओरस्टाउट सिस्टम जो कि घरेलू जांच में पेश की गई थी, कम्पनी के अधिकृत द्वारा इस न्यायालय में इतकी जो रिकार्ड कम्पनी के पास है उसमें नहीं मिलना बताया। यह कि माह दिसम्बर 1978 और माह जनवरी 1979 एवं माह मार्च 1979 के उक्त रिकार्ड को शायद कराने से पूर्व दिनांक 31-5-79 को डूढ़ा गया और वह रिकार्ड उपलब्ध नहीं हुआ।”

32. यह शपथ पत्र दिनांक 1-6-80 को पेश किया गया है और इसके पैरा 2 के अनुसार 31-5-79 को रिकार्ड डूढ़ा गया तथा रिकार्ड उपलब्ध नहीं हुआ। श्री रायजादा का यह कथन माने जाने योग्य नहीं है। प्रश्न तो ये कि माक्षी ने यह अंकित किया है कि शपथ पत्र नं. 31-5-79 को रिकार्ड डूढ़ा गया। जांच के दौरान तो हाई शपथ नहीं होती है इसलिए यह रिकार्ड 31-5-79 को डूढ़ा का कोई प्रश्न ही पैदा नहीं होता इसलिए इस कथन को नहीं माना जा सकता। दूसरे अगर यह माना जाय कि माक्षी

यह लिखना चाहता था कि 31-5-83 को रिकार्ड बूझ गया तो भी यह कथन असम्बन्धित हो जाता है क्योंकि कहां और किसने बूझा, यह स्पष्ट नहीं किया गया। इसलिए उसके इस कथन पर कि रिकार्ड उपलब्ध नहीं हुआ, विश्वसनीय नहीं कहा जा सकता।

33. प्रदर्श एम-III आरोपी के बयानों के दौरान जो पेज नं. 56 पर फार्म III व डुप्लीकेट एवं असल वैरीयेबिल डाटा के हालात दर्ज किये गये हैं वह रिकार्ड 30-5-80 का है। इसलिए जब ये दस्तावेजात 30-5-80 को उपलब्ध थे तो 31-5-79 को बूझने का कोई महत्व नहीं रह जाता। 30-5-80 को असल दस्तावेज उपलब्ध थे तो 31-5-79 को बूझने का कोई अर्थ नहीं रह जाता। 30-5-80 को जांच के दौरान असल वैरीयेबिल डाटा व दो महीने की डुप्लीकेट कॉपी, जिसको दोनों पक्षकारान् मानते हैं, उपलब्ध थी और 30-5-80 के बाद श्री ए.के. रायचौधरी का कोई कथन नहीं है कि वे दस्तावेज कहां गये। इस प्रकार पन्नाबली पर कोई साक्ष्य नहीं कि संबंधित असल वैरीयेबिल डाटा व डुप्लीकेट वैरीयेबिल डाटा जो कि जांच के दौरान पेश हुए थे, वह न्यायालय के समक्ष पेश क्यों नहीं हुए। इस प्रकार बिना किसी कारण के असल वैरीयेबिल डाटा व डुप्लीकेट वैरीयेबिल डाटा जो कि प्रार्थी द्वारा भरा गया था, बिना किसी कारण विपक्षी द्वारा न्यायालय में पेश नहीं किया गया है। इन परिस्थितियों में जो बैंक लिस्ट प्रदर्श एम-5 पेश की गई है उसकी द्वितीयक साक्ष्य में ग्राह्य नहीं कहा जा सकता क्योंकि असल दस्तावेज पेश करने का कोई कारण नहीं है। यह भी साबित नहीं होता कि ये दस्तावेजात मूट हो गये थे या उपलब्ध नहीं हुए हैं। इस प्रकार धारा 65(सी) साक्ष्य अधिनियम में नष्ट होने या गुम होने या अन्य कोई कारण विपक्षी द्वारा नहीं दर्शाया गया इसलिए यही कहा जायेगा कि असल व डुप्लीकेट वैरीयेबिल डाटा जो कि प्रार्थी द्वारा बनाया गया था, जानबूझकर बिना किसी कारण पेश नहीं किया गया इसलिए यह उप-धारणा ली जायेगी कि अगर उक्त वैरीयेबिल डाटा असल या डुप्लीकेट पेश होता तो प्रार्थी के ही प्रकरण का समर्थन करता और विपक्षी के प्रकरण का खण्डन करता। इन परिस्थितियों में प्रदर्श एम-5 बैंक लिस्ट का कोई महत्व नहीं रह जाता क्योंकि इस प्रकरण में मुख्य प्रश्न यह है कि क्या प्रार्थी ने वैरीयेबिल डाटा फार्म III के अनुसार नहीं भरकर अपने हाथ से गलत भरा? एल.एल.जे. (एस.सी.) 269 स्टेट ऑफ महाराष्ट्रा बनाम मधुकर नारायणन में माननीय न्यायाधिरूपियों ने यह विनिश्चय किया कि असल दस्तावेज गुम हो गये और उन दस्तावेजों को ट्रान्सक्रिप्ट जो कि पहले तैयार की गई थी, आरोपी को दी गई है इसलिए असल दस्तावेज नहीं देने का कोई प्रभाव नहीं है और इससे जांच दूषित नहीं होती। परन्तु इस प्रकरण में ऐसे तथ्य नहीं हैं। इस प्रकरण में तो जानबूझकर असल वैरीयेबिल डाटा पेश नहीं किया गया इसलिए यह निर्णय तथ्यों के आधार पर विपक्षी को कोई मदद नहीं करता।

34. प्रदर्श एम-5 वैरीयेबिल डाटा की जो कि बैंक लिस्ट पेज की गई है उसमें भी प्रार्थी के खिलाफ कोई आरोप सिद्ध नहीं होता क्योंकि असल व डुप्लीकेट वैरीयेबिल डाटा संबंधित महीनों को विपक्षी द्वारा जानबूझकर पेश नहीं किया गया है। दूसरे अमन प्रश्न इसमें यह है कि क्या श्रमिक ने वैरीयेबिल डाटा में फार्म-III रजिस्टर से विपरीत नाथू सिंह को लाभ पहुंचाने व अपने को लाभ पहुंचाने के लिये इन्द्राज किया। इस प्रश्न का उत्तर असल या डुप्लीकेट वैरीयेबिल डाटा जो कि विपक्षी के पास जांच के दौरान उपलब्ध था, और इसकी कोई साक्ष्य नहीं कि वह वैरीयेबिल डाटा गुम हो गया, प्रार्थी ने बनाया था, से ही पता चल सकता था क्योंकि इसमें इन्द्राजात प्रार्थी के हाथ के थे। इस प्रकार प्रार्थी के हाथ के इन्द्राजात बैंक लिस्ट में नहीं हैं। इन परिस्थितियों में जब प्रदर्श एम-5 बैंक लिस्ट में इन्द्राजात प्रार्थी के हाथ के नहीं हैं तो इससे विपक्षी को कोई मदद नहीं मिलती और इससे यह नहीं कहा जा सकता कि प्रार्थी ने गलत इन्द्राजात किये।

35. अप्रार्थी के साक्ष्य श्री बद्रिका प्रसाद भट्टाचार्य का प्रति परीक्षण में कथन है कि ई-फार्म से III फार्म में जो हाजिरी दिसम्बर 1978, जनवरी, 1979 व मार्च 1979 में चढ़ाई वह सही है लेकिन जो तन्खवाह उसकी दी गई उसमें और हाजिरी में अन्तर है जो टैली नहीं हो रहा है। इस प्रकार विपक्षी का साक्षी भी इस बात की स्वीकार करता है कि III फार्म जो कि प्रार्थी श्रमिक ने बनाया है उसमें कोई विवाद नहीं और उसमें इन्द्राजात सही किये गये हैं। प्रदर्श एम-7 व एम-8 III फार्म के बार में है व प्रदर्श एम-9 एवं एम-10 ई-रजिस्टर जो कि उपस्थिति के बार में है। प्रदर्श एम-6 में नाथू सिंह की दिसम्बर 1978 में 26/16 हाजिरियां दिखाई गई हैं और उसमें 29.12 पैसे वसूली को भी लिखा गया है। इसी प्रकार मार्च 1979 में नाथू सिंह की हाजिरी 00 बताई हुई हैं। प्रदर्श एम-II प्रार्थी के बयानों के दौरान जो III फार्म व डुप्लीकेट असल वैरीयेबिल डाटा की जो स्थिति पेज नं. 56 पर बताई गई है उसमें भी III फार्म में दिसम्बर 1978 में नाथू सिंह की 26/16 उपस्थिति बताई गई है व रुपये 29.12 पैसे वसूल किये जाने बताये गये हैं। इसी प्रकार जनवरी 1979 में रुपये 42.28 पैसे वसूल किये जाने बताये गये हैं और मार्च 1979 में उसकी उपस्थिति 00 बताई गई है। इस प्रकार प्रार्थी श्रमिक द्वारा जो III फार्म भरा गया है उसके अनुसार व विपक्षी के साक्षी श्री भट्टाचार्य के कथनों के अनुसार व एम-7 से एम-10 दस्तावेजों से यह साबित होता है कि प्रार्थी श्रमिक ने III फार्म में नाथू सिंह को दिसम्बर, 1978 में 26/16 उपस्थितियां व वसूली (रीकवरी) के खाने में रुपये 29.12 पैसे बताये गये थे व जनवरी, 1979 में वसूली के खाने में रुपये 42.28 पैसे बताये गये थे व मार्च 1979 में मार्च की उपस्थिति 00 बताई थी।



र पक्षकारान के प्रतिनिधिमण या कोई विवाद नहीं करते है। इस प्रकरण में अग्रलिखित महावैरीएबिल डाटा से श्रारंभ होता है जो कि अग्रलिखित विपक्षी द्वारा पेश नहीं किया गया और अग्रलिखित व डुप्लीकेट पेश नहीं किया गया। श्री भट्टाचार्य का प्रतिनिधिमण में कथन है कि सी.पी. शर्मा के बारे में उसे व्यक्तिगत जानकारी है। खेतड़ी कापर प्रोजेक्ट में वह मार्च 1981 से काम कर रहा है व कॉलोयान साईन्स में जून 1986 से कार्य कर रहा है। दिसम्बर 1978 में इन्डुस्तान कापर में वह नहीं था, जनवरी व मार्च, 1979 में भी खेतड़ी कापर कामप्लेक्स में नहीं था व रिकार्ड देख कर यह बता सकता है कि दिसम्बर 1978, जनवरी, 1979 व मार्च 1979 में टाईम कीपर कौन था। इस प्रकार ये साक्षी, जब की यह घटना है, विपक्षी के यहां नियोजित नहीं था इसलिये हमका कथन केवल रिकार्ड पर आधारित है और उस कोई व्यक्तिगत ज्ञान इस संबंध में नहीं है। इसलिए इन परिस्थितियों में जब कि असल व डुप्लीकेट वैरीएबिल डाटा जो कि जांच में पेश हुआ न्यायालय के समक्ष पेश नहीं किया गया तो श्री भट्टाचार्य के बयानों में विपक्षी को कोई मदद नहीं मिलती। हमारे श्री ए.के. रायजादा जांच अधिकारी थे और उनको भी इन तथ्यों के बारे में व्यक्तिगत कोई ज्ञान नहीं है इसलिये भी उन के बयान विपक्षी को कोई मदद नहीं करते और प्रार्थी के कथन का खण्डन नहीं करते।

36. श्री सी. पी. शर्मा का शपथ पत्र दिनांक 15-4-91 के पैरा नं. 9 में निम्नलिखित कथन है: "यह कि दिसम्बर 1978 में मैंने नत्थू सिंह की इन्ट्री के आगे 26 दिन की हाजिरी फीड की थी जो ई-फार्म के अनुसार सही थी तथा 29.12 रुपये एक्सेज पेटेंट में काटे थे जिसका इन्द्राज थर्ड फार्म में किया गया है जो सही है और वैरीएबिल डाटा में भी मैंने यही फीड किया था जो माथुर के द्वारा चैक किया गया था। वह मूल माननीय न्यायालय में नियोजक ने बार बार निर्देश देने के बावजूद भी पेश नहीं किया है।"

37. श्री सी. पी. शर्मा का शपथ पत्र दिनांक 15-4-91 के पैरा 10 व 11 में कथन है कि: 10-यह कि माह जनवरी 1979 में श्री नत्थू सिंह ओवर टाईम का फार्म पार्ट टाईम आफिस में भर के पेश किये थे जिस पर कन्ट्रोलिंग अधिकारी श्री बत्रा के हस्ताक्षर थे और उसके आधार पर ही उसको ओवर टाईम का काम किया था; का वेतन का इन्द्राज वैरीएबिल डाटा में लिखा था जो श्री माथुर द्वारा चैक किया गया और इस कारण से मैंने जो वैरीएबिल डाटा तैयार करके वित्त विभाग में भेजा वह सही था। लेकिन नियोजक ने माननीय न्यायालय में पेश नहीं किये हैं। माह जनवरी में उसके वेतन से 42.28 रुपये जो एक्सेज थे जो काटना था, का

इन्द्राज मैंने 3 फार्म में कर रखा है, उसके अनुसार ही मैंने जो वैरीएबिल डाटा तैयार किया जिसको माथुर ने चैक किया, में भी काटा था और मैंने कोई गलती अपनी ओर से नहीं की। लेकिन नियोजक ने मूल वैरीएबिल डाटा माननीय न्यायालय में पेश नहीं किया है।

11. यह कि माह मार्च, 1979 में श्री नत्थू सिंह का 3 फार्म रजिस्टर में इन्द्राज ई-फार्म के अनुसार किया था जो ई-फार्म श्री महाबोर शर्मा ने तैयार किया था और ई-फार्म के अनुसार ही मैंने 3 फार्म में 00 अंकित किया था तथा वैरीएबिल डाटा में भी 00 ही अंकित किया था जो मूल नियोजक ने पेश नहीं किया है। माह मार्च 1979 का 3 फार्म भी मैंने 00 अंकित किया। इसके बाद टाईम आफिस में श्री माथुर ने चैक किया और उसके बाद वित्त विभाग में भेजा गया था। इसमें मेरी ओर से न तो कोई लापरवाही की गई है और न ही कोई गलती ही की गई थी।

38. मेरे विचार में प्रार्थी के इस कथन को नहीं माने जाने का कोई कारण नहीं है। हमारे इसका समर्थन 3 फार्म से भी होता है जिसमें भी उसने उपस्थिति व रिकवरी के बारे में जो शपथ पत्र में कथन किये हैं, वही लिखे हैं। तीसरे, नियोजक द्वारा असल व डुप्लीकेट वैरीएबिल डाटा जो जांच में पेश हुए थे, को जानबूझकर पेश नहीं किया गया। अगर वे पेश होते तो वह विपक्षी के प्रकरण का खण्डन करते और प्रार्थी के कथन का समर्थन करते इसलिये यह तथ्य भी प्रार्थी का समर्थन करता है। चौथे, असल वैरीएबिल डाटा व डुप्लीकेट डाटा में जो दिसम्बर, 1978, जनवरी 1979 व मार्च 1979 में संबंधित विवाद के बारे में जो अंकित किया गया था वह भी विपक्षी के कथन का समर्थन नहीं करते। दिसम्बर 1978 के बारे में अंकित किया गया है कि नत्थू सिंह की उपस्थिति के अंकों को बुरी तरह डी-फेस किया गया और उसमें 31 बनाये गये हैं। परन्तु यह नहीं बताया गया कि ये 31 किसने बनाये। इस प्रकार ऐसा प्रतीत होता है कि प्रार्थी द्वारा लिखे गये 26 अंक को बाद में 31 किया गया है। यह तो उस समय भी साबित नहीं हो सका कि यह प्रार्थी के हाथों से किया गया है। इससे भी प्रार्थी के कथनों का ही कि 21 की जगह 31 लिखे गये, का समर्थन होता है। रिकवरी के खाने में 29.12 रुपये लिखे गये थे जिसको बाद में कार्बन द्वारा मिटाया गया है। उसके बावत भी विपक्षी का कहना यह कथन नहीं है कि 29 रुपये 12 पैसे को प्रार्थी श्रमिक ने बाद में काटा। इस प्रकार उपस्थिति के बारे में व दिसम्बर, 1978 में 29.12 रुपये की रिकवरी असल वैरीएबिल डाटा में दिखाई गई थी जो कि बाद में डी-फेस करके या काटके अलग अंक बनाये गये हैं और

यह साबित नहीं होता कि यह काटाफांसी प्रार्थी द्वारा की गई। इसलिये असल बैरीएविल डाटा में काटाफांसी होता व प्रार्थी द्वारा ऐसा नहीं करने में भी प्रार्थी के कथन का समर्थन होता है और विपक्षी के कथन व उसके दस्तावेजी साक्ष्य प्रदर्श एम-5 चैक लिस्ट का खण्डन होता है इसलिये विपक्षी के साक्ष्य को नहीं माना जा सकता। पांचवें जनवरी, 1979 में कार्बन प्रिंट में 42.28 पैसे बताये गये हैं। इस प्रकार जनवरी 1979 की 42.28 पैसे की रीकवरी बताई गई है जो भी प्रार्थी के प्रकरण का समर्थन करती है। मार्च, 1979 में उपस्थिति में "00" के ऊपर 31 लिखा गया है, यह कहीं साबित नहीं किया गया कि यह 31 अंक श्रमिक द्वारा लिखा गया। श्री भट्टाचार्य के शपथ पत्र में कथन कि यह कम्प्यूटर में कम्प्यूटर की जो शीट सूचनायें फीड करने हेतु भरी जाती है वह फार्म 3 रजिस्टर में जो इन्द्राजात होते हैं उनके अनुसार ही भरी जाती है। यह शीट फाइनेन्स विभाग (वित्त विभाग) में जाती है और वित्त विभाग द्वारा रिकार्ड कीपर/टाईम कीपर द्वारा बनाई गई शीट को कम्प्यूटर में फीड कर दिया जाता है। इस प्रकार टाईम कीपर व रिकार्ड कीपर द्वारा बनाये गये बैरीएविल डाटा वित्त विभाग में जाते हैं और उसके पश्चात् बैरीएविल डाटा कम्प्यूटर में फीड कर चैक लिस्ट बनाई जाती है।

39. श्री जागीर सिंह का शपथ पत्र के पैरा 4 व 5 में कथन है कि :-

4. यह कि माह दिसम्बर, 78, जनवरी 79, व मार्च 79 में श्री सी०पी० शर्मा श्री भूपालरामशर्मा की देख-रेख में केमिकल विभाग के बिल बताते थे जो भी काम मेरे को तथा श्री सी०पी० शर्मा को बुद्धी चार्ट प्रदर्श डबल्यू-7 के अनुसार दिया गया वह काम करते थे।

5. यह कि माह दिसम्बर, 78, जनवरी, 79, व मार्च 79 में ग्रन्डर प्राउड में जहाँ पर भी श्री नत्थू सिंह काम करता था वी हाजरी श्री लालचंद सैनी, सवाई सिंह, आर०सी० यादव व चुलीलाल मीणा ने की है तथा इस अवधि में श्री नत्थू सिंह की हाजरी श्री सी०पी० शर्मा ने नहीं की है।

40. इस प्रकार जागीर सिंह के व श्री भट्टाचार्य के कथनों से यह साबित होता है कि रिकार्ड कीपर व टाईम कीपर द्वारा बनाये गये बैरीएविल डाटा वित्त विभाग में जाते हैं और उसके पश्चात् वह कम्प्यूटर में फीड होते हैं। इस प्रकार रिकार्ड कीपर के पश्चात् टाईम ऑपीस व फिर वित्त विभाग में प्रार्थी द्वारा बनाये गये डाटा जाते हैं। इन परिस्थितियों में जबकि दिसम्बर 1978, जनवरी, 1979 व मार्च 1979 के असल व कार्बन प्रतियां जो जांच के दौरान उपलब्ध हुई थी और जिनमें संबंधित विवाद के बारे में बयां लिखा है, के तथ्य पेज नं० 56 व 57 पर

लिखे गये हैं, जिससे स्पष्ट है कि संबंधित विवाद के बारे में अंबों को या तो बी-प्रेस किया गया है या बिस्कुल डाटा लगा है क्या उनके उपर जोर गार्डिंग की गई है। यह साबित नहीं होता है कि यह काटाफांसी श्रमिक द्वारा की गई है और श्रमिक द्वारा बैरीएविल डाटा लगाने के बाद कई हाथों से बैरीएविल डाटा गुररता है और उसके बाद यह कम्प्यूटर में फीड होता है इसलिए जब श्रमिक द्वारा ये रद्दाबदल किया जाना साबित नहीं होता तो श्रमिक के पश्चात् अन्य व्यक्तियों जिनके हाथों में भी बैरीएविल डाटा कम्प्यूटर में फीड करने में पहुँचे आया, उनके द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा इस बैरीएविल डाटा में रद्दो-नदन करने की संभावना को दूर नहीं किया जा सकता, इसलिए भी इस तथ्य से विपक्षी के साक्ष्य का खण्डन होता है और प्रार्थी के साक्ष्य का कि उसने बैरीएविल डाटा में वही लिखा था जो III पाम में था, का समर्थन होता है।

41. श्री सी०पी० शर्मा का शपथ पत्र दिनांक 15-4-91 के पैरा नं० 14 में कथन है कि :-

14. यह कि मैं खेतड़ी नगर में रहता था तथा नत्थू सिंह खेतड़ी में रहता है जिसकी दूरी करीब 11 किलोमीटर है और नत्थू सिंह ने जो अपने बयान में कहा है कि मैं उसके घर जाता तथा दोनों माह में उससे रुपये लेकर आता था यह आरोप गलत है तथा व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण ही सवाई सिंह व महावीर शर्मा तथा नत्थू सिंह ने लगाये हैं क्योंकि नत्थू सिंह आदतन थरावी है तथा मिथ्या शिकायत की है और उसको जिरह में पूछा था कि उसके विरुद्ध ए०सी०जे०एम० बोट खेतड़ी में चोरी का मुकदमा चल रहा है तो उसने चोरी के मुकदमे के लिए इन्कार किया है जबकि बोट की प्रतिलिपि पेश है जो प्रदर्श डबल्यू-8 है।

42. नत्थू सिंह का प्रतिपरीक्षण में कथन है कि उसने महावीर व सवाई सिंह से राय लेकर शिकायत अपने हाथ से लिखी है। उसे मालूम नहीं कि सी०पी० शर्मा का महावीर व सवाई सिंह से कोई झगड़ा है या नहीं। इस प्रकार नत्थू सिंह के बयानों से यह साबित होता है कि उसने यह रिपोर्ट प्रदर्श-एम० 1 व एम-2 महावीर प्रसाद व सवाई सिंह से राय लेकर लिखी थी।

43. श्री जागीर सिंह का शपथपत्र के पैरा सं. 11 में कथन है कि :

11. निरीक्षण संस्थान में तीन यूनिटन थीं। श्री सी.पी. शर्मा के.टी.एस.एस. यूनिटन के सत्रिय सदस्य थे तथा दूसरी यूनिटन के.सी.एस.एस. थी जिसके सदस्य श्री एम.पी. माथुर, नत्थू सिंह, सवाई सिंह व एम. बी. शर्मा थे, इन लोगों ने मिलकर के श्री सी.पी. शर्मा को परेशान करने के उद्देश्य से यह मिथ्या शिकायत निरीक्षण को भी है। "क्योंकि श्री नत्थू सिंह का घाल चलन ठीक नहीं था और वह थरावी है तथा श्री सी.पी. शर्मा के विरुद्ध जो अगुतान करने

के बाद उससे वापस लपटा देने की शिकायत की है वह गलत थी जब से श्री सी. पी. शर्मा को विसंस्थित किया है तब से मैं की मैकेनिकल बिल बना रहा हूँ।”

44. इस प्रकार जागीर सिंह के शपथ पत्र से यह साबित होता है कि नत्थू सिंह, महावीर प्रसाद, सवाई सिंह के सी. एस. एस. यूनिन के सदस्य थे और सी. पी. शर्मा के सी. एस. एस. यूनिन का सदस्य था। इस प्रकार दोनों अलग-अलग यूनिन के सदस्य थे। प्राची के शपथ पत्र से यह साबित होता है कि उसने महावीर प्रसाद व सवाई सिंह से दुश्मनी की। नत्थू सिंह के बयानों से यह साबित होता है कि उसने महावीर प्रसाद व सवाई सिंह के कत्ते से रिपोर्ट लिखी थी। अतः प्राची व महावीर प्रसाद, सवाई सिंह व नत्थू सिंह का अलग-अलग यूनिन का सदस्य होना, नत्थू सिंह का सवाई सिंह व महावीर प्रसाद की राय से रिपोर्ट लिखना, सवाई सिंह, महावीर प्रसाद व सी. पी. शर्मा से दुश्मनी होना, अंतिम भूगतान अर्जन 1979 में होना और उसके पश्चात् रिपोर्ट जनवरी 1980 में घटना के आठ-नौ माह बाद कराना, नत्थू सिंह का उसने महीने तक चुपचाप रहना और किसी को इस घटना का रिश्ता नहीं करना, इन सब तथ्यों से एक ही निष्कर्ष निकलता है कि प्राची सी. पी. शर्मा व महावीर प्रसाद, नत्थू सिंह व सवाई सिंह अलग-अलग यूनिन के सदस्य थे और इनकी आपस में दुश्मनी थी इसलिए दुश्मनी के कारण सी. पी. शर्मा के शिकायत पत्र रिपोर्ट की गई है। अतः श्री प्राची की साक्ष्य और प्राची का कथन अधिक बलवती है और विपक्षी के साक्ष्य को नहीं माना जा सकता।

45. श्री जागीर सिंह का शपथ पत्र के पैरा नं. 7 में कथन है कि—

7. यह कि श्रमिक नत्थू सिंह का ओवरटाइम का रिकार्ड मैकेनिकल विभाग में रहता था। एम्प्लॉयड डेप्लू-6 व माह दिसम्बर 1978 व एम्प्लॉयड डेप्लू-5 माह जनवरी 1979 का ओवर टाइम काम किया का पार्स है जो नत्थू सिंह ने भर कर के दिये हैं और जिन पर ए से बी हाउसधर नत्थू सिंह के हैं तथा सी से डी हस्ताक्षर श्री जी. बी. बत्रा के हैं जो उस समय मैकेनिकल विभाग के पद पर काम करता था व दोनों एम्प्लॉयड डेप्लू-6 व डेप्लू-5 नत्थू सिंह ने ओवर टाइम के भुगतान के लिए श्री जी. बी. बत्रा से प्रमाणित कराकर के भुगतान हेतु पेश किए थे। श्री बत्रा मैकेनिकल विभाग में अधीक्षक के पद पर नियोजित था।

46. श्री सी. पी. शर्मा का शपथपत्र के पैरा नं. 8 में कथन है कि

“यह कि ओवर टाइम जो श्रमिक काम करता है के लिए वह आवश्यक था कि वह ओवर टाइम पार्स तैयार करता और उस पर अपने कन्ट्रोलिंग अधिकारी के हस्ताक्षर कराकर टाइम आफिस में दे बिल लिपिक को देता था। नत्थू सिंह ने माह दिसम्बर 78 में ओवर टाइम काम किया था तथा उसने पार्स भरके उस पर कन्ट्रोलिंग अधिकारी श्री जी. बी. बत्रा के हस्ताक्षर कराके टाइम आफिस में पेश किया था। उस पार्स प्रदर्श डेप्लू-5 है जिस पर विभागीय जांच में

श्री बत्रा ने अपने हस्ताक्षर स्वीकार किए और इस प्रकार से नत्थू सिंह को ओवर टाइम का बिल बनाकर भुगतान किया गया था जो सही था। इसमें मैंने कोई लापरवाही नहीं की तथा उक्त बिल को श्री माधुर टाइम-बीपर ने चेक किया जिसने चेक करने के बाद ही अपने हस्ताक्षर किये हैं। इस प्रकार से मेरे विरुद्ध जो आरोप लगाया गया है वह मिथ्या है। ओवर टाइम पार्स को प्रतियों में तैयार किये जाते थे एक तो टाइम कार्यालय में रहता था दूसरा एम्प्लॉयड डाटा के साथ संलग्न करके विल विभाग में भेजा गया था। इसी प्रकार से माह जनवरी 79 में भी श्री नत्थू सिंह ने ओवर टाइम का पार्स जो प्रतियों में भरकर पेश किया तथा उसके अनुसार ही ओवर टाइम का सत्यापन श्री बत्रा ने किया जो कन्ट्रोलिंग आफिसर था। माह जनवरी 1979 का ओवर टाइम का पार्स की प्रतिलिपि पेश है जो एम्प्लॉयड-6 है जिस पर नत्थू सिंह के हस्ताक्षर हैं तथा श्री बत्रा के हस्ताक्षर हैं।”

47. विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि ने ओवर टाइम स्मिप्स को जो कि प्रदर्श एम-12 व एम-13 हैं, इस साक्ष्य पर पेश बनाया है कि नत्थू सिंह के हस्ताक्षर नहीं हैं और प्राची ने स्वयं पेश की हैं और इन पर पाली अधिकारी के भी हस्ताक्षर नहीं हैं। श्री जागीर सिंह के बयानों से यह साबित होता है कि प्रदर्श डेप्लू-5 व डेप्लू-6 एम-12 एम-13 पर कन्ट्रोलिंग अधिकारी श्री जी. बी. बत्रा के व नत्थू सिंह के हस्ताक्षर हैं। श्री ए. के. रायजादा का प्रति परीक्षण में कथन है कि “न्यायाधिकरण के समक्ष प्रदर्शित किए गये दस्तावेज प्रदर्श एम-12 व एम-13 पर नत्थू सिंह के उनके समक्ष पेश किये थे जो प्रमाण: डेप्लू-3 व डेप्लू-4 है, इन पर श्री बत्रा ने अपने हस्ताक्षर दाना माना था। इस प्रकार जागीर सिंह व ए. के. रायजादा के बयानों से यह साबित होता है कि प्रदर्श एम/12 व/एम 13 ओवर टाइम की स्लिपों पर श्री श्री बत्रा के हस्ताक्षर हैं और नत्थू सिंह के भी हस्ताक्षर हैं। चूंकि नत्थू सिंह का बयान विष्वसनीय नहीं है इसलिए जागीर सिंह के बयानों से कि इन पर नत्थू सिंह के हस्ताक्षर हैं, का खण्डन नहीं होता। मेरे विचार में प्राची द्वारा के ओवर टाइम की स्लिप पेश करना या समय पालक के हस्ताक्षर इन पर नहीं होने से इनको पता नहीं कहा जा सकता क्योंकि इन पर कन्ट्रोलिंग अधिकारी श्री बत्रा व नत्थू सिंह के हस्ताक्षर साबित होते हैं टाइम बीपर को तो उसका प्राप्त की गई ओवर टाइम की स्लिपों के आधार पर बिल बनाना होता है जो कि उसने बनाया है। प्रदर्श एम-12 व एम-13 जब दोनों श्रमिक नत्थू सिंह व अधिकारियों के हस्ताक्षर साबित होते हैं तो इन परिस्थितियों में इन पर समय पालक के हस्ताक्षर नहीं होने से इसका कोई प्रभाव नहीं। दूसरी बात बात का स्पष्टीकरण देने के लिए प्राचीर बना एक मुख्य साक्ष्य जिनको भी पेश नहीं किया गया। इसलिए यही माना जायेगा कि ये दस्तावेज सही हैं और इनके आधार पर जो कन्ट्रोलिंग डाटा बनाये गये हैं वे भी सही हैं। श्री सी. पी. शर्मा व श्री जागीर सिंह के बयानों, तथा श्री ए. के. रायजादा के बयानों से यह साबित होता है कि कन्ट्रोलिंग आफिसर श्री नत्थू सिंह के हस्ताक्षर प्रदर्श

12 व एम-13 पर हैं व उन्हीं के आधार पर वरीयेबिल डाटा में ओवरटाईम दर्शाया गया जो सही है इसलिए इसमें प्रार्थी श्रमिक की कोई गलती नहीं कही जा सकती।

48. अतः विपक्षी द्वारा पेश की गई साक्ष्य में प्रार्थी की साक्ष्य का खण्डन नहीं होता। दूसरे जांच के दौरान विपक्षी द्वारा पेश किया गया असल व डुप्लीकेट डाटा जो विवाद में संबंधित था, को न्यायालय में पेश नहीं किया गया। इसलिए उसमें विपक्षी की साक्ष्य का खण्डन होता है और प्रार्थी की साक्ष्य का समर्थन होता है इसलिए विपक्षी की साक्ष्य विपक्षी को कोई मदद नहीं करती। 1972 (वाल्सू-1) एल०एल०जे० पेज 1 यूनिवर्स ऑफ इण्डिया बनाम सरदार बहादुर व 1996(2)पार्ट 4 जे०टी० पेज 140 हरीचन्द बनाम स्टेट ऑफ बिल्ली में माननीय न्यायाधीशों ने जो मिद्धान्त प्रतिपादित किये हैं उनमें कोई विवाद नहीं परन्तु ये निर्णय इस प्रकरण के तथ्यों पर लागू नहीं होते और विपक्षी को कोई मदद नहीं करते। अतः सी०पी० शर्मा के कथनों का समर्थन जागीर सिंह के बयानों से व प्रदर्शन एम-11 में पेज नं० 56 व 57 पर असल व कार्बन बैरीयेबिल डाटा जो कि जांच के दौरान उपलब्ध था, और इसमें जो दस्तावेजों की स्थिति बताई गई है, प्रदर्शन एम-12 व एम-13 पर नत्थूसिंह व कन्दोलिंग अधिकारी श्री बत्ता के हस्ताक्षर होने से दस्तावेज सही होने, सवाई सिंह, महावीर प्रसाद व प्रार्थी सी०पी० शर्मा की आपस में दुश्मनी होने के कारण नत्थूसिंह से रिपोर्ट करवाना, असल व डुप्लीकेट बैरीयेबिल डाटा जो कि प्रतिक के हाथ का था, जांच के दौरान पेश होना व न्यायालय के समक्ष पेश नहीं होना, प्रदर्शन एम-7 से एम-10 IIIफार्म व हाजिरी रजिस्टर में इन्द्राज्ञात से होता है और यह साबित होता है कि प्रार्थी श्रमिक ने दिसम्बर, 1978 जनवरी, 1979 व मार्च, 1979 के बैरीयेबिल डाटा में वही तथ्य अंकित किये थे जो कि उसने IIIफार्म में किये थे और III फार्म में इन्द्राज्ञात गलन करने का कोई विवाद नहीं है। दूसरे शब्दों में श्रमिक ने दिसम्बर, 1978 के बैरीयेबिल डाटा में 26 जून, की हाजिरी इन्द्राज्ञा की थी और 31 जून, को नहीं की और उसने रुपये 19.12 पैसे नत्थूसिंह से वसूल किया जाना बताया था और उसने 49 घंटे नत्थूसिंह के ओवरटाईम के बताये थे। इसी प्रकार उसने नत्थूसिंह से जनवरी 1979 में रुपये 42.28 पैसे वसूल किया जाना बताया था व 56 घंटे ओवर टाईम के बताये थे। इसी प्रकार मार्च, 1979 में नत्थूसिंह को 00 उपस्थिति बताई थी। इस प्रकार प्रार्थी पर विपक्षी द्वारा लगाये गये तीनों ही आरोप विपक्षी साबित करने में असफल रहे हैं और जब तीनों ही आरोप प्रार्थी के के खिलाफ साबित करने में विपक्षी असफल रहा है तो प्रार्थी के खिलाफ जो दिनांक 7-3-81 को सेवा मुक्ति का

आदेश पारित किया गया है वह किता किसी आधार के हैं और अनुचित व अवैध है। अतः प्रार्थी पुनः सेवा में लिये जाने योग्य है।

49. प्रार्थी श्री श्री सी०पी० शर्मा का जपथ पत्र के पैरा नं० 18 व 19 में कथन है कि:

18. यह कि मेरे को सेवा से अलग किया तब से मैं बैकार बैठा हूँ, कहीं पर काम नहीं करता हूँ तथा मेरे परिवार में मेरी माँ मेरी पत्नी व बड़ी लड़की है है जो एम०ए० है बी० ए० है लेकिन कहीं काम नहीं मिला है। आर्थिक तंगी की वजह से मेरी लड़की की शादी भी नहीं हो सकी है तथा मेरा लड़का राजकुमार मेरे से काफी समय से अलग रहता है तथा तीन लड़के छोटे हैं जो अध्ययन करते हैं, कर्जा लेकर के परिवार का पेट पालन करता हूँ।

19. यह कि मेरे को पूरे वेतन सहित नौकरी पर बहाल किया जाये तथा सेवा में अलग करने से वापिस रखने तक की अवधि का वेतन व अन्य सभी लाभ मेरे को दिलवाये जायें तथा हर्जा खर्चा भी दिलाया जाव।'

50. मेरे विचार में प्रार्थी के इस जपथ पत्र का खण्डन विपक्षी की किसी साक्ष्य में नहीं होता और ना ही प्रति परीक्षण में इसको खण्डन किया गया है। अतः यह साबित होता है कि प्रार्थी सेवा मुक्ति से अब तक बरोत्तगार है और पिछला पूरा वेतन व अन्य सभी लाभ पाने का अधिकारी है।

51. उल्लेख विवेचन के आधार पर प्रकरण में निम्न-लिखित अवार्ड पारित किया जाता है:—

"माईन्स सुप्रिन्टेंडेंट, खेतड़ी कांपर कामप्लैक्स, खेतड़ी नगर द्वारा प्रार्थी श्रमिक श्री सी०पी० शर्मा को सेवाएं दिनांक 7-3-81 से समाप्त करना उचित एवं वैध नहीं है। अतः श्री सी०पी० शर्मा पिछले समस्त वेतन व लाभ सहित पुनः सेवा में बहाल क्रिय जाने का अधिकारी है और उसे विपक्षी संस्थान द्वारा लड़ाया गया है।"

52. अवार्ड आज दिनांक 3-6-97 का खुले न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया जो केन्द्र सरकार को प्रकाशनार्थ नियमानुसार भेजा जाये।

एन.के. वंसन, न्यायाधीश